नई दिल्ली । शनिवार, 13 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :158/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल नहीं रहे शूटिंग के द्रोणाचार्य जसपाल राणा...
@ विचार भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार करीब 2 प्रतिशत उछले...

'भारतीय जहाजों पर हमला बर्दाश्त नहीं'

ट्रंप ने ईरान पर फोड़ा ठीकरा, बातचीत से पहले तेहरान पर लगाए आरोप

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को होने वाले संभावित समझौते से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का एक बड़ा और बेहद आक्रामक बयान सामने आया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है और धोखाधड़ी का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास भारतीय जहाजों पर हुए ड्रोन हमले का जिक्र करते हुए ईरान को आड़े हाथों लिया।

भारतीय जहाजों पर हमले को लेकर क्या कहा ?

बीते दिनों होर्मुज में भारतीय जहाजों पर हुए हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़ा दावा किया। अपने पोस्ट में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा करते हुए उन्होंने बताया कि बीती रात ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की थी।

ट्रंप ने जोर देते हुए कहा कि बीती रात होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ईरान ने जो ड्रोन हमला किया था, जिसे पूरी तरह नाकाम कर दिया गया।

ट्रंप इस हमले को लेकर ईरान को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि भारतीय जहाजों पर हमला अब बर्दाश्त नहीं। ईरान को अपनी हरकतें सुधारनी होंगी और वह भी बहुत जल्द।

'लीक हुई शर्तें पूरी तरह झूठी'

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान द्वारा मीडिया में लीक की गई शर्तों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान ने 'फेक न्यूज' को जो शर्तें लीक की हैं, उनका उस समझौते से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है जो लिखित में तय हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान ने डील को लेकर जो भी कमजोर और दयनीय बयानबाजी की है, वह सच्चाई से बिल्कुल परे है।

ईरान के साथ ईमानदारी की उम्मीद बेकार : ट्रंप

इसके अलावा ईरान की कूटनीति पर तीखा हमला करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान बेहद धोखेबाज है और उसके साथ बातचीत में ईमानदारी जैसी कोई चीज नहीं होती। उन्होंने ईरान के रवैये को बेहद 'शर्मनाक' बताया है।

समझिए क्यों बढ़ा विवाद ?

गौरतलब है कि इससे पहले ईरान की सरकारी मीडिया ने दावा किया था कि वह समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण नहीं छोड़ेगा। अब डोनल्ड ट्रंप के इस जवाबी और तीखे हमले ने साफ कर दिया है कि रविवार को होने वाले समझौते से पहले दोनों देशों के बीच कूटनीतिक जंग और ज्यादा हिंसक और आक्रामक मोड़ ले चुकी है।

किसी भी वाहन को एक बार में 200 लीटर डीजल की लिमिट

उल्लंघन करने वाले पम्पों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट को ध्यान में रखते हुए सरकार ने थोक रूप से कमर्शियल इस्तेमाल के लिए खुदरा बिक्री वाले पंप से डीजल की खरीदारी पर पाबंदी लगा दी है। यह पाबंदी अगले 90 दिनों तक रहेगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानून के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। खुदरा बिक्री वाले पंप से अब किसी भी वाहन को एक बार में 200 लीटर से अधिक डीजल नहीं बेचा जा सकेगा।

200 लीटर तय की लिमिट

पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि 200 लीटर किसी भी निजी यात्री के लिए उनकी जरूरत से काफी अधिक है। इसे डीजल को आवंटित रूप में बिक्री नहीं माना जाना चाहिए। देश में पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है।

खुदरा बिक्री वाले पंप से डीजल की बिक्री में होने वाले इजाफा से सरकार को पता चला कि थोक रूप से कमर्शियल इस्तेमाल के लिए भी खुदरा बिक्री वाले खुदरा पंप से ही डीजल की खरीदारी हो रही है। कमर्शियल इस्तेमाल की थोक बिक्री के लिए अलग से पंप है। पश्चिम एशिया संकट के बाद खुदरा ग्राहकों को बेचे जाने वाले डीजल के दाम में कम बढ़ोतरी की गई है। कमर्शियल डीजल व खुदरा उपभोक्ता को बेचे जाने वाले डीजल के दाम में 40 रुपए प्रति लीटर का अंतर है।

रिटेल उपभोक्ता के लिए बदले नियम

खुदरा उपभोक्ता को डीजल प्रति लीटर 95.20 बेचा जा रहा है जबकि थोक बिक्री प्रति लीटर 134,50 रुपए प्रति लीटर की दर से की जा रही है। इसलिए खुदरा उपभोक्ता वाले पंप से कमर्शियल ग्राहक भी डीजल खरीद रहे थे।

मई माह के बिक्री आंकड़ों से पता चला कि पिछले साल मई के मुकाबले 327 जिलों में डीजल की खुदरा बिक्री में खासी बढ़ोतरी हुई है। 80 जिलों में यह बढ़ोतरी 30 प्रतिशत तो अन्य जगहों पर 10 प्रतिशत की देखी गई।

खुदरा पंप से कमर्शियल खरीदारी पर रोक सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार को दी गई है। ताकि डीजल की कालाबाजारी को रोका जा सके और आम उपभोक्ता को सुचारू रूप से डीजल मिलता रहे।

सक्षिप्त खबर

खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, आठ की मौत, 16 घायल

काठमांडू। नेपाल के सेंट्रल कवरेपालनचोक जिले के बुच्चाकोट इलाके में बीपी हाईवे के पास सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। बीपी हाईवे के पास एक पैसेंजर बस सड़क किनारे खाई में गिर गई। जिला प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। कवरेपालनचोक के जिला प्रमुख गोपाल कुमार अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि बस में सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल यात्रियों का जिले के धुलीखेल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, 'घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।' घटना के बाद, पुलिसवालों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को बचाया और हॉस्पिटल पहुंचाया।

मीनाक्षी नटराजन कीसुप्रीम कोर्ट से भी याचिका खारिज

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रहीं मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मामलों में सीधे रिट याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती और ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में न्यायालयों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए इस मामले में दायर रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नामांकन रद्द करने का निर्णय सही था या गलत, इस पर उसने कोई टिप्पणी नहीं की है। कोर्ट ने कहा कि यदि मीनाक्षी नटराजन को इस फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दाखिल कर चुनौती दे सकती हैं।

ईडी, सीआईडी हमें झुका नहीं सकती : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने एजेंसियों के समन और सीआईडी जांच के बीच केंद्र सरकार को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि वे झुकेंगे नहीं और एजेंसियों से डरते नहीं हैं। उन्होंने अपनी सीआईडी पूछताछ की जानकारी लीक होने पर हाईकोर्ट जाने की बात कही, साथ ही बीजेपी पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप भी लगाया। चुनावी हार और सीआईडी के बुलावे के बीच टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी का बड़ा बयान सामने आया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आप जानते हैं कि सीआईडी ने मुझे बुलाया था। मैं वहाँ 5.30 घंटे तक रहा। मुझे 14 जून को फिर से बुलाया गया है। मैं वहाँ जाऊँगा। मैं हमेशा इस तरह की जाँच में सहयोग करता हूँ। मुझे किसी और मामले में भी समन भेजा जा सकता है। मैंने उनसे कहा है कि वे किसी और को नोटिस दे दें क्योंकि मैं वहाँ नहीं था। लेकिन मैंने सुना है कि वे इंतज़ार कर रहे थे। अगर वे तब नोटिस देना चाहते हैं जब मैं वहाँ नहीं हूँ और किसी और को नोटिस लेने की इजाज़त नहीं है।

नीट यूजी परीक्षा : परीक्षार्थियों को अब मिलेंगे 15 मिनट अतिरिक्त

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अब परीक्षा के लिए अतिरिक्त 15 मिनट मिलेंगे।

रफ कार्य के लिए अब दो अतिरिक्त पेज भी मिलेंगे। 21 जून को दोबारा होने वाली मेडिकल के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा से पहले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह निर्णय लिया है।

नीट-यूजी 2026: 15 मिनट मिलेंगे एक्स्ट्रा

एनटीए ने नीट-यूजी 2026 के अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए कई फैसलों की शुक्रवार को जानकारी दी। एनटीए के अनुसार, परीक्षा के लिए समयसीमा 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है।

नीट- यूजी 2026 का आयोजन दोपहर दो बजे से शाम 5:15 बजे तक किया जाएगा। यह समय-सीमा परीक्षा की शुरुआत और आखिर में होने वाली निगरानी संबंधी औपचारिकताओं (जैसे हस्ताक्षर करने की जरूरत) को ध्यान में रखकर तय की गई है।

एक एक्स्ट्रा रफ सीट भी मिलेगी

परीक्षार्थी महसूस करते रहे हैं कि इन औपचारिकताओं की वजह से उन्हें प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कम समय मिलता है। इसके साथ ही एनटीए ने प्रश्न-पत्र बुकलेट में रफ कार्य के लिए दिए गए पेजों की संख्या भी दो से बढ़ाकर चार कर दी है। परीक्षार्थी रफ कार्य के लिए बुकलेट की शुरुआत और आखिर में दिए गए रफ-वर्क पेजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारत ने अमेरिकी राजदूत को किया तलब नाविकों की मौत पर फिर जताया कड़ा विरोध

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को अमेरिका के चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स को एक बार फिर से तलब किया। ओमान के तट पर कमर्शियल जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों के खिलाफ भारत ने पिछले 48 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी राजदूत को तलब किया है। हाल ही में ओमान के तट पर अमेरिका की तरफ से जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की जान चली गई थी।

इससे पहले भारत ने बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास चल रहे जहाजों पर हाल के हमलों पर कड़ा विरोध जताया था। ओमान के तट पर जिन कमर्शियल जहाजों पर हमला हुआ, उसमें सेटेबेलो भी शामिल था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'हमने ओमान सेटेबेलो के तट पर इस कमर्शियल जहाज पर हुए हमले पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यूएस सीडीए को बुलाया था। उस घटना में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी। हमने इन घटनाओं और हो रहे हमलों पर अपनी गहरी चिंताएं बताईं। और हम उम्मीद करते हैं कि ये खत्म हो जाएंगे, ये तुरंत रुक जाएंगे। साथ ही कमर्शियल जहाजों, मरीन स्टाफ और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करने को लेकर भी हमारी गहरी चिंताएं हैं। इसलिए, हमने इन हमलों पर अमेरिकी पक्ष को अपनी चिंताएं बताईं।' अमेरिका ने कहा कि वह इस मुद्दे पर भारत के साथ सीधे संपर्क में है।

भारत के डिप्लोमैटिक डिमार्श का जवाब देते हुए, अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन इस मामले पर भारत सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया, 'राज्य विभाग इस मामले में भारत सरकार के सीधे संपर्क में है।' भारत ने बार-बार होर्मुज स्ट्रेट को अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए खुला रखने की जरूरतों पर जोर दिया है।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए बिछा रेड कारपेट

9,580 करोड़ रुपये के मिले प्रस्ताव

एजेंसी ■ हैदराबाद

छत्तीसगढ़ ने निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हैदराबाद में आयोजित 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख कंपनियों ने 9,580 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 7,800 से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में छत्तीसगढ़ तेजी से उभर रहा है और राज्य में निवेशकों के लिए 'रेड कारपेट' बिछा हुआ है।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन सहित दक्षिण भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य को 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज निवेश के लिए देश के सबसे बेहतर राज्यों में से एक बनकर उभर रहा है। राज्य में उद्योगों के लिए आसान प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो व्यवस्था, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और उद्योग अनुकूल नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी, फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ भी इन क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दोनों राज्यों के उद्योगपति एवं उद्यमी मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य भारत में स्थित छत्तीसगढ़ देश का सबसे उपयुक्त लॉजिस्टिक हब बनने की क्षमता रखता है। छत्तीसगढ़ सात राज्यों से घिरा हुआ है और 60 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। रेलवे नेटवर्क, भारतमाला परियोजना, एयर कार्गो सुविधाओं तथा खनिज संसाधनों की उपलब्धता उद्योगों के लिए इसे अत्यंत अनुकूल बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में ग्रीन स्टील को बढ़ावा देने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल है। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रदेश देश के प्रमुख पावर हब के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सात प्रमुख कंपनियों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए 'इन्विटेशन टू इन्वेस्ट' (ऑफर लेटर) प्रदान किए। इनमें डेटा सेंटर, सीमेंट, सेमीकंडक्टर एवं जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर, सौर ऊर्जा उपकरण निर्माण, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल और डेयरी प्रसंस्करण क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियां शामिल हैं।

भारत ने ब्रिक्स देशों से छोटे किसानों को सशक्त बनाने किया आग्रह

सामूहिक प्रयास वैश्विक कृषि को नई दिशा दे सकते हैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को ब्रिक्स देशों से अधिक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी सदस्य देश मिलकर छोटे किसानों को सशक्त बनाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया भर में टिकाऊ कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ब्रिक्स देशों के सामूहिक प्रयास वैश्विक कृषि को नई दिशा दे सकते हैं और अधिक सुरक्षित, टिकाऊ तथा समावेशी कृषि भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने भारत की कृषि उपलब्धियों, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय कृषि साझेदारियों को मजबूत करने पर भारत के फोकस को उजागर किया और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना पर जोर दिया, जो पूरी दुनिया को एक परिवार मानती है।

मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन दुनिया भर के छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों पर सामूहिक रूप से विचार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, कृषि लागत में वृद्धि और कृषि बाजारों में अनिश्चितता जैसी चुनौतियां किसानों को प्रभावित कर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

जबलपुर में इनामी बदमाश छोटू चौबे गिरफ्तार, एनएसए के तहत कार्रवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश छोटू चौबे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने उसकी आपराधिक गतिविधियों और क्षेत्र में भय का माहौल पैदा करने की कोशिशों को देखते हुए उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की है। जबलपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सम्पत उपाध्याय ने बताया कि छोटू चौबे जिले का एक कुख्यात अपराधी है, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह लंबे समय से एक संगठित गैंग का संचालन कर रहा था और फिरौती वसूली, हत्या, अवैध हथियारों के कारोबार समेत कई गंभीर अपराधों में उसकी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस रिकॉर्ड में उसका नाम कई संगीन मामलों में दर्ज है और वह लंबे समय से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के निशाने पर था। उन्होंने बताया कि छोटू चौबे हाल ही में जेल से रिहा होकर बाहर आया था। जेल से छूटने के बाद उसने फिर से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय होना शुरू कर दिया था। उसके खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन क्षेत्र में उसके खौफ के कारण कई लोग औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराने या एफआईआर कराने से बच रहे थे। इसके बावजूद पुलिस उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए थी और उसके खिलाफ पर्याप्त सूचनाएं एकत्र की जा रही थीं।

मध्य प्रदेश की ईएसबी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी की जांच हो: दिग्विजय सिंह

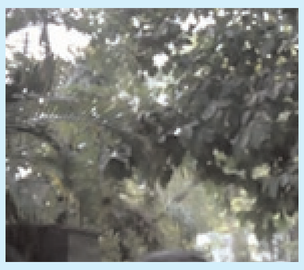

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों की सीबीआई या एसआईटी से जांच करने की मांग की है। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में सामने आई तकनीकी विफलताओं, टेंडर प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं तथा लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से बेरोजगार युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर भर्ती परीक्षाओं के संचालन में गंभीर खामियों और टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जानकारी दी है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार वर्ष 2023 और 2024 में परीक्षा संचालन के लिए जारी निविदाओं में तीन कंपनियों को तकनीकी रूप से पात्र घोषित किया गया, लेकिन दोनों बार टेंडर निरस्त कर दिए गए। बाद में नई निविदा में महत्वपूर्ण शर्तों में बदलाव कर टेंडर एक खास कंपनी को प्रदान किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में ईएसबी द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में तकनीकी समस्याओं के कारण लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और समय की भारी क्षति उठानी पड़ी है।

खाड़ी देशों के छात्रों के 12वीं के परिणाम पर नीति बना रही सरकार, सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

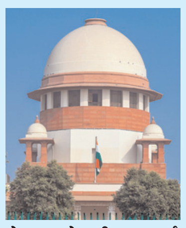

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम एशिया (खाड़ी देशों) में रहने वाले सीबीएसई के निजी (प्राइवेट) छात्रों के 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित करने के लिए नई नीति तैयार की जा रही है। इन छात्रों के परिणाम क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण घोषित नहीं हो सके थे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से मामले की सुनवाई 22 जून तक स्थगित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार याचिका में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर विचार कर रही है और जल्द ही पश्चिम एशिया के उन निजी छात्रों के लिए नीति लाई जाएगी, जिनके सीबीएसई परिणाम युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण घोषित नहीं हो सके। सरकार भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से प्रभावित छात्रों के लिए भी एक समान नीति बनाने पर विचार कर रही है। गौरतलब है कि मार्च 2026 में क्षेत्रीय सुरक्षा संकट को देखते हुए सीबीएसई ने पश्चिम एशिया के कई देशों में कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी थीं। बोर्ड ने 1 मार्च के बाद जारी अपने छठे परिपत्र में स्पष्ट किया था कि पहले स्थगित किए गए प्रश्नपत्र भी रद्द माने जाएंगे। 15 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, 16 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित सीबीएसई संबद्ध स्कूलों की परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं। इस वर्ष सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 43.7 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था। इनमें लगभग 25.1 लाख छात्र कक्षा 10 और करीब 18.6 लाख छात्र कक्षा 12 की परीक्षा में शामिल हुए थे।

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता। कोलकाता की हेयर स्ट्रीट पुलिस ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई लिखित शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उन पर चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने का आरोप लगाया गया।

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस रोड स्थित सोवालया इलाके के निवासी तुषार कांति दास ने ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। तुषार कांति दास ने पुलिस को बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों को भाजपा के 'भ्रामक प्रचार' से सावधान रहने को कहा था, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि आखिर वह किस प्रकार के भ्रामक प्रचार की बात कर रही थीं। शिकायत में दावा किया गया है कि रैली के दौरान दिया गया उनका बयान पहली नजर में उकसाने वाला, भड़काऊ और सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाला प्रतीत होता है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इस तरह के बयान अलग-अलग समुदायों के बीच भय, नफरत, गलतफहमी और तनाव पैदा कर सकते हैं। साथ ही इससे आम लोगों के मन में असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है, जो राज्य की शांति, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक माहौल के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि चुनाव के बाद कोलकाता और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं सामने आईं, जो उनके भाषण से प्रभावित या उससे जुड़ी हो सकती हैं। तुषार कांति दास ने शिकायत के साथ संबंधित रैली का वीडियो क्लिप एक पेन ड्राइव में पुलिस को सौंपा है। उन्होंने पुलिस से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने, वीडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच करने, निष्पक्ष और गहन जांच कराने तथा यदि कोई अपराध साबित होता है तो कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता ने यह भी कहा है कि यदि ऐसे बयान चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए हैं, तो उनकी जांच चुनाव संबंधी नियमों और आदर्श आचार संहिता के तहत भी की जानी चाहिए।

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने राहुल गांधी से की मुलाकात

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि राहुल गांधी से मिलना हमेशा ऊर्जा और प्रेरणा देने वाला अनुभव होता है।

रेवंत रेड्डी ने लिखा, 'अपने नेता राहुल गांधी से मिलना हमेशा प्रेरणादायक रहता है। मैंने उनके साथ तेलंगाना के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उनकी दूरदर्शी सलाह और मार्गदर्शन हम सभी के लिए आगे की दिशा तय करने में मददगार साबित होंगे।'

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस नेता और तेलंगाना मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन का मध्य प्रदेश से राज्यसभा नामांकन खारिज होने का मामला पार्टी के भीतर राजनीतिक हलचल पैदा कर चुका है।

दरअसल, रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन इस आधार पर निरस्त कर दिया कि उन्होंने अपने हलफनामे में तेलंगाना हाईकोर्ट में लंबित एक मामले का उल्लेख नहीं किया था। इस घटनाक्रम के बाद मध्य प्रदेश भाजपा नेताओं ने दावा किया कि उन्हें इस मामले से जुड़े दस्तावेज तेलंगाना कांग्रेस के ही एक नेता के माध्यम से मिले थे।

इस विवाद को कांग्रेस आलाकमान ने गंभीरता से लेते हुए कथित आंतरिक साजिश (इंटरनल सबोटाज) की जांच के लिए एक समिति गठित की है। साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) को भी आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए हैं कि आखिर पार्टी के भीतर से दस्तावेज कैसे लीक हुए।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है, क्योंकि मीनाक्षी नटराजन राज्यसभा चुनाव के लिए उनकी पसंद मानी जा रही थीं।

उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण में अपनाएंगे संतुलित नीति : सीएम सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों के हितों की भी पूरी रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण कानून के दायरे में और संतुलित तरीके से किया जाएगा, ताकि न तो औद्योगिक विकास प्रभावित हो और न ही किसानों के अधिकारों पर आंच आए।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के समग्र आर्थिक विकास के लिए औद्योगिक विकास जरूरी है, लेकिन उद्योगों के लिए जमीन हासिल करने के लिए किसी प्रकार की जबरदस्ती या बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में भूमि अधिग्रहण के लिए स्पष्ट कानून मौजूद है और उसी के तहत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि राज्य में निवेश के कई प्रस्ताव आने शुरू हो गए हैं। हालांकि, सरकार निवेशकों की पृष्ठभूमि की जांच करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके खिलाफ धन शोधन या अन्य गंभीर मामलों से जुड़े आरोप न हों। उन्होंने बताया कि उद्योग एवं वाणिज्य सचिव वंदना यादव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे, मध्यम और बड़े उद्योगों के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे बेरोजगारी कम होगी और राज्य से बाहर गए श्रमिक भी वापस लौट सकेंगे। उन्होंने कहा कि बड़े निवेश से बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सुविधाओं और रेल संपर्क का भी विस्तार होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के आयोजन के लिए एक निजी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को 635 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जिसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

विपक्ष को खत्म करने की कोशिश में भाजपा, शिवसेना-एनसीपी के बाद अब टीएमसी पर नजर : कीर्ति आजाद

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह के बीच सांसद कीर्ति आजाद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 'ऑपरेशन लोटस कभी फेल नहीं होता।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ही तृणमूल कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश कर रही है।

इस घटनाक्रम से तृणमूल कांग्रेस को कोई नुकसान नहीं होगा। पार्टी ममता बनर्जी के नाम और संघर्ष पर खड़ी हुई है। कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि वह तृणमूल में केवल अपनी व्यक्तिगत क्षमता के दम पर चुनाव जीतता है।

बागी सांसदों को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी को पहले से अंदेशा था कि कुछ सांसद ऐसा कदम उठा सकते हैं। कुछ सांसदों के घरों पर सीआईडी की छापेमारी हुई थी, भाजपा कार्यकर्ता उन्हें धमका रहे थे और स्थानीय लोगों को उनके घरों तक नहीं पहुंचने दिया जा रहा था। पहली बार चुने गए कई सांसद डर के माहौल में थे। भाजपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन लोटस कभी फेल नहीं होता।' उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि सांसदों को पार्टी से शिकायत थी तो विधानसभा चुनाव में हार के बाद ही ऐसा कदम क्यों उठाया गया। पत्र पर किए गए हस्ताक्षर अलग-अलग समय पर लिए गए प्रतीत होते हैं क्योंकि उनमें इस्तेमाल की गई स्याही अलग-अलग दिख रही है। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा ममता बनर्जी को खुद और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी में से किसी एक को चुनने की कथित चेतावनी पर कीर्ति आजाद ने कहा कि इस मामले को पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी स्वयं देखेंगी। उन्होंने कहा कि कल्याण बनर्जी पार्टी के मजबूत और समर्पित सिपाही हैं तथा उनके पार्टी छोड़ने की संभावना नहीं दिखती। कीर्ति आजाद ने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी दलों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पहले ही विभाजित हो चुकी हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा नहीं चाहती कि देश में मजबूत विपक्ष मौजूद रहे।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई बने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार

नई दिल्ली। भारतीय सेना के उप प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में नया सैन्य सलाहकार नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के साथ वह इस पद पर नियुक्त होने वाले देश के पहले सेवारत वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। उनकी नियुक्ति को देश के राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई इससे पहले सैन्य संचालन महानिदेशक के पद पर कार्य कर चुके हैं।

पिछले वर्ष चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उन्होंने सैन्य अभियानों के संचालन और रणनीतिक समन्वय में अहम भूमिका निभाई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को अपना निशाना बनाया था। इस दौरान भारतीय सेनाओं ने कई आतंकवादियों को मार गिराया था। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई सेना मुख्यालय में उप प्रमुख (रणनीति) के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने इस पद पर जनरल एनएस राजा सुब्रमणी का स्थान लिया है। राजा सुब्रमणि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार रहने के बाद हाल ही में देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में आदिवासी वर्ग को यूसीसी से अलग रखा गया : सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य में समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन के प्रयास जारी हैं और इससे आदिवासी समुदाय को अलग रखा गया है । मुख्यमंत्री यादव ने यूसीसी को लेकर कहा है कि समान नागरिक संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में राज्य बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है सभी नागरिकों के लिए समान कानून और एक समान व्यवस्था सुनिश्चित करना, जिससे न्याय एवं समानता के संवैधानिक सिद्धांत और अधिक सशक्त हों।

यूसीसी में आदिवासी समुदाय की क्या स्थिति रहेगी इसको लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता के दायरे से आदिवासी समुदाय को अलग रखा है। यह व्यवस्था गुजरात और उत्तराखंड में लागू मॉडल के अनुरूप है, जिसमें जनजातीय परंपराओं और विशेष अधिकारों का सम्मान सुनिश्चित किया गया है। आदिवासी वर्ग के लिए किए जा रहे कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के गौरवपूर्ण आयोजन से लेकर आदिवासी समाज के सम्मान और उत्थान के लिए भारतीय जनता पार्टी ने निरंतर कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि पहली बार एक आदिवासी बहन को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन कर सम्मानित किया गया। आज हम आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनके सर्वांगीण सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। राज्य में औद्योगिक विकास की रफ्तार तेज है और इसकी चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। धार में विकसित हो रहा पीएम मित्र पार्क इसका सशक्त उदाहरण है, जहां सभी प्लॉट आवंटित हो चुके हैं तथा औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ अधोसंरचना विकास के कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की धार्मिक नगरी उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन किया जा रहा है इस की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा सिंहस्थ विश्व का सबसे विशाल आध्यात्मिक समागम है।स्वाभाविक रूप से यह प्रशासन के लिए भी एक बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती है, क्योंकि 8-10 लाख की आबादी वाले शहर में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन होगा। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां और प्रबंधन व्यापक स्तर पर किए जा रहे हैं।

पंजाब की पूर्व सीएम राजिंदर कौर भट्टल के खिलाफ केस दर्ज करने को कोर्ट में अर्जी दाखिल

बठिंडा। पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री बीबी राजिंदर कौर भट्टल की ओर से दिए गए एक बयान के बाद मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। बठिंडा के सामाजिक कार्यकर्ता और मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन मोहन लाल झुंबा ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

कुछ महीने पहले पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि राज्य में दोबारा सरकार बनाने के लिए 'बम ब्लास्ट' का सहारा लेने का उन्हें प्रपोजल मिला था। लेकिन, उन्होंने अधिकारियों को फटकार तक लगाई थी। पूर्व सीएम के बयान को लेकर मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन मोहन लाल झुंबा ने बठिंडा पुलिस के पास भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर वे अदालत पहुंचे। अब अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए 18 जुलाई की तारीख तय की है।

आईएएनएस से बात करते हुए पूर्व चेयरमैन मोहन लाल झुंबा ने बताया कि पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री बीबी राजिंदर कौर भट्टल ने हाल ही में एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि जब वह पंजाब की मुख्यमंत्री थीं, तब कुछ अधिकारियों ने उन्हें सलाह दी थी कि पंजाब का माहौल खराब करके उनकी सरकार दोबारा बन सकती है। झुंबा ने कहा कि इस बयान से जहां आम लोगों का राजनीतिक नेताओं पर से भरोसा कम हुआ है, वहीं वे अधिकारी कभी भी और कहीं भी ऐसा कदम उठाकर पंजाब का माहौल खराब कर सकते हैं। इसी बयान को देखते हुए बठिंडा पुलिस से शिकायत की गई थी कि पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते अब उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए अदालत से गुहार लगाई है। मोहन लाल झुंबा के वकील संजीव गुप्ता ने कहा कि किसी जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा ऐसा बयान देने से समाज में डर और अस्थिरता पैदा हो सकती है। ऐसा बयान राज्य की शांति को भी भंग कर सकता है। ऐसा करना बीएनएस की धारा 352 और 353 के तहत अपराध है।

पंजाब में उद्योगों के अनुकूल माहौल को बनाने में जुटी सरकार : अमन अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा शुक्रवार को सीआईआई के कार्यक्रम में शामिल हुए। इसमें उद्योग जगत के कई गणमान्य लोग शामिल हुए, जिसमें यूके के राजदूत भी शामिल रहे। मंत्री अमन अरोड़ा ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस सम्मेलन में किन-किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मंत्री के मुताबिक, भगवंत मान से जब मुख्यमंत्री पद की कमान संभाली है, तब से राज्य में उद्योग के अनुरूप माहौल बन रहा है। हमारी यही कोशिश है कि हम राज्य में बड़ी संख्या में उद्योगों का आगमन हो, ताकि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हों और लोगों को नौकरियां प्राप्त हों। इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जब तक राज्य में उद्योगों का आगमन नहीं होगा, तब तक रोजगार के अवसर सृजित नहीं होंगे। अब तक राज्य में 65 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ चुके हैं। इससे आगामी दिनों में राज्य मे विकास की संभावनाओं का जन्म होगा। लोगों को बड़े पैमाने पर फायदे पहुंचेंगे। वहीं, इस बार हमारा लक्ष्य 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश को राज्य में लाना है और इस दिशा में हमने पूरी रूपरेखा निर्धारित कर ली है, जिसके अनुरूप हम काम भी कर रहे हैं। हम अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरत रहे हैं।

इसके अलावा, उन्होंने विपक्षी दलों के रवैये पर भी सवाल। उन्होंने स्पष्ट किया कि विरेधी दल कितना विरोध करते हैं और कितना नहीं, यह हमारा विषय नहीं है। बाकी विरोधी दलों का काम ही विरोध करना है, तो उन्हें करने दीजिए। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। हम तो लगातार प्रदेश में उद्योग लगाने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं और हमम यह काम करते रहेंगे।

कुष्ठ रोग मुक्त भारत के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मैदानी रणनीतियों को दी मजबूती

कुष्ठ रोग के खिलाफ उल्लेखनीय प्रगति पर, गहन प्रयासों की आवश्यकता : आराधना पटनायक

रायपुर। देश के शेष स्थानिक क्षेत्रों से कुष्ठ रोग के उन्मूलन में तेजी लाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में 'कुष्ठ रोग के शून्य संचरण को प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम प्रदर्शन की समीक्षा और केंद्रित रणनीतिक कार्रवाई' पर दो दिवसीय उच्च स्तरीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

जनस्वास्थ्य प्रशासकों और विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक, आराधना पटनायक ने साल 2005 में राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कुष्ठ रोग उन्मूलन हासिल करने की भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रकाश डाला। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि विशिष्ट स्थानिक जिलों और स्थानीय हॉटस्पॉट में अभी भी संक्रमण का बना रहना चिंता का विषय है, जिसके लिए संचरण की कड़ी को पूरी तरह से तोड़ने के लिए तत्काल, आक्रामक और अत्यधिक लक्षित जमीनी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। जल्दी पहचान और त्वरित इलाज के महत्व को रेखांकित करते हुए, पटनायक ने राज्यों से कुष्ठ प्रभावित क्षेत्रों में समय-समय पर कुष्ठ रोग मामला पहचान अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुष्ठ रोगियों के स्वस्थ संपर्कों- विशेष रूप से संवेदनशील और दुर्गम आबादी के बीच- सिंगल-डोज रिफैम्पिसिन के माध्यम से पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस के कवरेज को बढ़ाना संक्रमण चक्र को रोकने के लिए बेहद जरूरी है।

अतिरिक्त सचिव ने राज्य और जिला कुष्ठ अधिकारियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत उपलब्ध फ्लेक्सी-पूल वित्तीय संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम के कार्यान्वयन में आने वाली अड़चनों को तेजी से दूर करने के लिए जवाबदेही, त्वरित स्थानीय निर्णय लेने और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

शुरुआती जांच क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय ने राज्यों को मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य मंचों का आक्रामक रूप से लाभ उठाने का निर्देश दिया। जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता बच्चों और किशोरों में शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के सक्रिय स्क्रीनिंग नेटवर्क के साथ-साथ कम्युनिटी-बेस्ड असेसमेंट चेकलिस्ट का व्यवस्थित रूप से उपयोग करेंगे।

महामारी विज्ञान के परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए, पटनायक ने कार्यशाला को सूचित किया कि पांच उच्च-प्राथमिकता वाले राज्य—छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश—मिलकर भारत के कुल कुष्ठ रोग के बोझ का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा साझा करते हैं। इन राज्यों में प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 से अधिक मामले की व्यापकता दर वाले जिलों की संख्या काफी अधिक है। इसमें छत्तीसगढ़ के 23 जिले, झारखंड के 21, महाराष्ट्र और ओडिशा के 18-18 जिले और मध्य प्रदेश के 10 जिले शामिल हैं। जबकि अधिकांश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने उप-राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग उन्मूलन की स्थिति को सफलतापूर्वक बनाए रखा है, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ अभी भी स्थानीय स्तर पर इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाए हैं, जिसके लिए मजबूत अंतर-राज्यीय सहयोग और गहन निगरानी की आवश्यकता है।

जल-जंगल-जमीन से लेकर आदिवासी पहचान तक 12 सूत्रीय एजेंडा तय

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2028 की तैयारी में कांग्रेस ने अभी से राजनीतिक जमीन तैयार करना शुरू कर दिया है। पार्टी ने आदिवासी हितों से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखते हुए जल, जंगल, जमीन, खनिज संसाधन, धर्मांतरण, डी-लिस्टिंग और जनगणना में आदिवासी पहचान जैसे विषयों पर व्यापक आंदोलन की रणनीति बनाई है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को रायपुर स्थित राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की अध्यक्षता में करीब चार घंटे तक मैराथन बैठक हुई।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित आदिवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में आदिवासी समाज से जुड़े 12 सूत्रीय सामाजिक एवं राजनीतिक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। साथ ही कांग्रेस ने प्रदेश स्तरीय आदिवासी कमेटी गठित करने का निर्णय लिया, जो गांव-गांव जाकर समाज के लोगों से संवाद करेगी और जनआंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगी।

बैठक में हसदेव समेत नई खदानों में खनन की अनुमति रद्द करने, 32 प्रतिशत आरक्षण लागू करने, वनाधिकार पट्टों का वितरण, पेसा कानून का शत-प्रतिशत पालन, पांचवीं अनुसूची की रक्षा, विस्थापित आदिवासियों की वापसी, निर्दोष आदिवासियों की रिहाई तथा जनगणना में अलग आदिवासी कॉलम जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से आदिवासी परंपराओं को बाहर रखने की भी मांग की है।

दीपक बैज ने बैठक के बाद आरोप लगाया कि राज्य सरकार आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन और संसाधनों पर अधिकार कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासी हितों की रक्षा के लिए जल्द ही निर्णायक आंदोलन शुरू करेगी। बैज ने हसदेव क्षेत्र में प्रस्तावित खनन और पेड़ों की कटाई का भी विरोध किया। बैठक में भाजपा और आरएसएस पर भी सीधा राजनीतिक हमला किया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आदिवासी पहचान को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है और समाज को विभाजित करने की राजनीति हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

20 नाबालिग बच्चों को शोषण से मिली मुक्ति

रायपुर (संवाददाता)। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के नेतृत्व में प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाकर 20 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम एवं शोषण की स्थिति से मुक्त कराया गया। इनमें रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र से 9, बिलासपुर में आरपीएफ की मदद से 7 तथा रायपुर जीआरपी के माध्यम से 4 बच्चों का रेस्क्यू किया गया। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में उरला स्थित मारुति नंदन स्ट्रक्चर इंडस्ट्रीज में औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान लोहे की फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से जोखिमपूर्ण और श्रम कानूनों के विरुद्ध कार्य कराए जाने का मामला सामने आया। मौके से 9 बच्चों को संरक्षण में लेकर उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि वे ओडिशा, उत्तर प्रदेश के बरेली और पश्चिम बंगाल के आसनसोल के निवासी हैं। उन्हें एक बिहार निवासी ठेकेदार के माध्यम से रायपुर लाया गया था। मामले में बाल तस्करी की आशंका को देखते हुए संबंधित ठेकेदार और अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

मोहर्रम-उर्स में डीजे, बैंड-बाजा और आतिशबाजी पर रोक, नियम तोड़ने पर 50 हजार तक जुर्माना

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने मोहर्रम, उर्स और अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने प्रदेश की सभी ताजिया कमेटियों, दरगाह कमेटियों, उर्स कमेटियों, मुतवल्लियान और इंतेजामिया कमेटियों को निर्देश दिया है कि धार्मिक कार्यक्रम केवल कुरान, हदीस और शरीयत के अनुसार आयोजित किए जाएं। वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि मोहर्रम, उर्स और अन्य धार्मिक आयोजनों में छ्छ्, धुमाल, बैंड-बाजा, नाच-गाना, आतिशबाजी तथा अन्य गैर-शरीयत गतिविधियों की किसी भी परिस्थिति में अनुमति नहीं होगी। बोर्ड ने कहा कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना संबंधित समितियों की जिम्मेदारी है। निर्देशों के अनुसार यदि किसी जुलूस, उर्स या धार्मिक कार्यक्रम में प्रतिबंधित गतिविधियां पाई जाती हैं तो संबंधित समिति और जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गंभीर मामलों में समिति की मान्यता भी समाप्त की जा सकती है। वक्फ बोर्ड ने चेतावनी दी है कि नियमों के उल्लंघन पर संबंधित समिति और इंतेजामिया पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

'ऑन्कोस्फीयर 2.0' का आयोजन 13-14 जून को

रायपुर (संवाददाता)। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर द्वारा 13 और 14 जून को राष्ट्रीय ऑन्कोलॉजी शिखर सम्मेलन 'ऑन्कोस्फीयर 2.0' का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देशभर से 300 से अधिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य पेशेवर शामिल होंगे। सम्मेलन में कैंसर के निदान और उपचार से जुड़ी नवीनतम तकनीकों, प्रिसिजन मेडिसिन, इम्यूनोथेरेपी और अगली पीढ़ी के उपचार विकल्पों पर विस्तृत चर्चा होगी। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में मेडिकल, सर्जिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी सहित विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक सत्र, मुख्य व्याख्यान, पैनल चर्चा और केस-आधारित प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य विशेषज्ञों के बीच ज्ञान साझा करना, बहु-विषयक सहयोग को बढ़ावा देना और कैंसर उपचार के मानकों को बेहतर बनाना है।

बहुमंजिला ईमारतों के लिए बने कानून, 50 वर्षों बाद भी लागू नहीं : आम आदमी पार्टी

रायपुर। आम आदमी पार्टी के मेहरबान सिंग, विजय झा और के. ज्योति आदि नेताओं द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में बताया गया कि छ.ग.को बने 26 वर्ष तथा प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 1976 कानून के बनने के 50 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक इसका अनुपालन छ.ग. में नही हो पाया। सहकारी संस्था छ.ग. शासन के पंजीयक राजेन्द्र से जी एक सवाल है छ.ग. में जितनी भी बहुमंजिला ईमारते है उनमें फ्लैट तथा दुकान क्रेता उसके मालिक कैसे हुए,क्योंकि जिस जमीन पर अपार्टमेंट बना है वो जमीन तो आज भी बिल्डर के नाम पर है अगर कोई प्राकृतिक आपदा आए अपार्टमेंट / काम्पलेक्स गिर जाएं तो उसमें रहने वालों के हाथ में क्या है? वो तो हवा में थे तो क्या फ्लैट के दीवारों की रजिस्टी को आप मालिक होना मानते है? क्योंकि जमीन तो आज भी बिल्डर के नाम पर है जिस जमीन पर अपार्टमेंट/काम्पलेक्स बना है उसमें उनका कोई हिस्सा नही है तो फिर वो फ्लैट के मालिक कैसे हुए। कृप्या समझाए ऐसा इसलिए कहना पड़ रहा है क्योंकि सहकारी संस्थाए नामक गिरोह ने बिल्डरों को लाभ पहुंचाने के लिए सहकारी संस्थाए बनने ही नहीं दी,ताकि जींदगी भर बिल्डर फ्लैट क्रेताओं का शोषण करता रहे। और इन समस्यायों पर रेरा द्वारा प्रदेश के 600 बिल्डरों को जो नोटिस दिया गया है वह क्या दिखावा मात्र है?

बिलासपुर सी.जी प्लाजा काम्पलेकस के एक दुकानदार ने सहकारी समिति बनाने के लिए आवेदन किया तो जवाब मिला कि हमारे पर कमर्शियल बायलॉज नहीं है। पंजीयक महोदय आप आई.ए एस अधिकारी है कृप्या आप बताए कि व्यवसायिक उपविधिया/कमर्शियल बायलॉज नाम की कोई चीज होती है? नहीं तो फिर क्यों न माना जाए कि छ.ग. बनने से लेकर आज दिनांक तक सहकारी संस्थाए नामक गिरोह ने बिल्डरों लाभ लेने की लालसा में सहकारी समिति बनने नही दी।

16 जून को पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा शाला प्रवेश उत्सव

रायपुर (संवाददाता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने 16 जून को प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि नए शिक्षा सत्र के स्वागत के लिए स्कूलों में व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर-पोस्टर लगाए जाएंगे, रैलियां निकाली जाएंगी तथा गांवों और शहरी वार्डों में मुनादी कराई जाएगी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शाला विकास समितियों और पालकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि स्कूल खुलने से पहले भवनों की साफ-सफाई, आवश्यक मरम्मत और परिसर को आकर्षक बनाने का कार्य 15 जून तक पूरा कर लिया जाए। कक्षा पहली में प्रवेश के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों से बच्चों की सूची प्राप्त की जाएगी, वहीं पांचवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को छठवीं में प्रवेश दिलाने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया है। पत्र में जिला एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को शिक्षकों के लंबित प्रकरणों का निराकरण करने तथा आवश्यक होने पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षकों को आगामी तीन माह का शैक्षणिक रोडमैप तैयार करने और विद्यार्थियों व शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है। शाला प्रवेश उत्सव में स्थानीय समुदाय, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, स्व-सहायता समूहों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश और साइकिल का वितरण किया जाएगा।

वहीं इच्छुक व्यक्तियों द्वारा बच्चों को स्लेट, पेंसिल, कॉपी, कंपास बॉक्स और स्कूल बैग जैसी शैक्षणिक सामग्री भी प्रदान की जा सकेगी।

पेंशनर्स महासंघ ने वरिष्ठ नागरिकों की रेल किराया छूट बहाल करने की मांग उठाई

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव एवं अन्य पदाधिकारी क्रमशः जे पी मिश्रा, बी के वर्मा,अनिल गोल्हानी, प्रवीण कुमार त्रिवेदी, आलोक त्रिवेदी, द्रौपदी यादव,एन आर साहू, लोचन पांडेय, उर्मिला शुक्ला, आर एन ताटी,शेषा सक्सेना, एम एन पाठक, आर के टंडन, टी पी सिंह, बी एस दसमेर,शैलेन्द्र सिन्हा, अनिल पाठक,आर जी बोहरे, ओ डी शर्मा,अनूप नाथ योगी आदि ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनरों तथा आम नागरिकों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसी अवसर पर महासंघ ने प्रधानमंत्री से एक महत्वपूर्ण लंबित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है।

महासंघ की ओर से सोशल मीडिया मंच ङ्ग के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजे गए संदेश में अनुरोध किया गया है कि कोविड-19 महामारी के दौरान बंद की गई वरिष्ठ नागरिकों की रेल यात्रा किराया छूट को पुनः प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों वरिष्ठ नागरिक, पेंशनर्स एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी सीमित आय पर जीवनयापन कर रहे हैं। ऐसे में रेल किराये में पूर्ववत छूट की बहाली उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करेगी तथा उनके सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगी। नामदेव ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में मिलने वाली छूट वर्षों से एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुविधा रही है। कोरोना काल में इसे अस्थायी रूप से बंद किया गया था, किंतु परिस्थितियां सामान्य होने के बाद भी इसे पुनः लागू नहीं किया गया है।

पानी नहीं मिलने की शिकायतों पर दो ईई से मांगा स्पष्टीकरण

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने अधिकारियों पर जताई नाराजगी

रायपुर। जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल जल योजनाओं से पानी नहीं मिलने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने कोंडागांव और दंतेवड़ा के कार्यपालन अभियंताओं से स्पष्टीकरण मांगा है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के हाल ही में बस्तर प्रवास के दौरान कोंडागांव जिले के ग्राम बेड़मा तथा दंतेवाड़ा जिले के टेकनार में जल अर्पण कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री से ग्रामीणों ने पानी नहीं आने की शिकायत की थी। इस पर साव ने अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता के.के. मरकाम ने कोडांगांव के कार्यपालन अभियंता वीरेन्द्र पाण्डेय से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए जारी नोटिस में कहा है कि विगत 5 जून को ग्राम बेड़मा, विकासखण्ड केशकाल, जिला कोण्डागांव में उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री अरुण साव के प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल अर्पण समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री द्वारा गांववालों से नवनिर्मित योजना के संचालन-संधारण के संबंध में चर्चा के दौरान ग्रामवासियों ने शिकायत की थी कि योजना के सुचारू रूप से कार्यरत नहीं होने के कारण नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है एवं योजना का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। विभाग ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान नवनिर्मित योजना से जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत को गंभीर मानते हुए कार्यपालन अभियंता को शासकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने व गुणवत्तापरक कार्य संपादन नहीं होना माना है। कार्यपालन अभियंता की कार्यप्रणाली से तत्समय अप्रिय एवं असहज़ स्थिति निर्मित हुई, जिससे विभाग की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

प्रमुख अभियंता ने दंतेवाड़ा के कार्यपालन अभियंता एस.पी. मण्डावी को भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए जारी नोटिस में कहा है कि विगत 7 जून को दंतेवाड़ा जिले के ग्राम टेकनार में उप मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान आयोजित जल अर्पण समारोह में उप मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित नल जल योजना के संचालन-संधारण के संबंध में ग्रामीणों से चर्चा की थी। इस दौरान ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि योजना के सुचारू रूप कार्यरत नहीं होने के कारण गांव के एक मोहल्ले के कुछ घरों में जलापूर्ति नहीं हो रही है जिससे मोहल्लेवासियों को योजना का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रमुख अभियंता ने नोटिस में कहा है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान नवनिर्मित योजना से समग्र रूप से तकनीकी रूपांकन अनुसार जलापूर्ति नहीं होना कार्यों के तकनीकी मापदण्ड अनुसार क्रियान्वयन नहीं किया जाना दर्शाता है। कार्यपालन अभियंता की कार्यप्रणाली से तत्समय अप्रिय एवं असहज स्थिति निर्मित हुई, जिससे विभाग की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

फिल्में समाज को संदेश देने का सशक्त माध्यम : राज्यपाल डेका

रायपुर। फिल्में और डॉक्युमेंट्री केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज को जागरूक करने और सकारात्मक संदेश देने का एक प्रभावी साधन हैं। राज्यपाल रमेन डेका ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के सम्मान समारोह में उक्त बातें कही। यह कार्यक्रम रायपुर के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि आदिम युग से ही मनुष्य विभिन्न माध्यमों से अपने विचार और संदेश व्यक्त करता रहा है। समय के साथ नाटक, रेडियो, टेलीविजन और अब डिजिटल माध्यमों ने इस भूमिका को और व्यापक बनाया है। उन्होंने कहा कि पहले सिनेमा का मूल उद्देश्य केवल धन अर्जित करना नहीं था, बल्कि समाज को संदेश देना और जागरूक करना था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी भारतीय सिनेमा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संपादकीय

क्या पढ़ना है और कितने पैसे खर्च करके पढ़ना है, यह तय कौन करेगा?

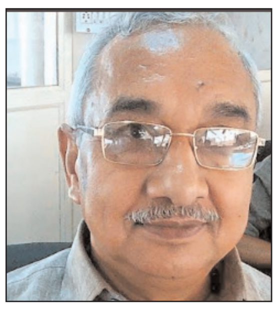

वीरेंद्र बहादुर सिंह

ब्रिटेन के चर्चित उपन्यासकार जेफ्री आर्चर आज 86 वर्ष के हैं। पांच दशक से भी अधिक लंबे अपने लेखन जीवन में उन्होंने लगभग हर साल एक नई पुस्तक पाठकों को दी है। उनके कुल 47 प्रकाशित ग्रंथों में उपन्यास, कहानी संग्रह, नाटक, जेल डायरी और बाल साहित्य तक शामिल हैं। इस वर्ष उनका नया उपन्यास स्त्रड्डद्व ड्डठ्ठस्त्र श्व1द्ग (आदम एंड इव) प्रकाशित होने जा रहा है, जिसे वे अपना अंतिम उपन्यास बता चुके हैं। प्रकाशक ने महीनों पहले ही उसकी अग्रिम बुकिंग शुरू कर दी थी और हजारों पाठकों ने उत्साहपूर्वक उसे पहले से सुरक्षित कर लिया। अमेरिकी लेखक जॉन ग्रिशम का उदाहरण भी कुछ ऐसा ही है। 1989 में प्रकाशित A Time to Kill (ए टाइम टू किल) से शुरू हुई उनकी यात्रा आज भी जारी है। वे लगभग हर वर्ष नया उपन्यास लेकर आते हैं। उनकी रचनाओं पर अनेक फिल्में और टीवी सीरीज़ बन चुकी हैं। वे अपने पाठकों से लगातार संवाद बनाए रखते हैं और अपने प्रसिद्ध उपन्यासों की रचना-यात्रा तक साझा करते हैं। निकोलस स्पार्क्स, स्टीफन किंग और जे. के. रोलिंग जैसे लेखक भी अपने पाठकों के साथ निरंतर जुड़े रहते हैं। नए प्रकाशनों की सूचना, पुस्तक हस्ताक्षर यात्राएं, मंचीय प्रस्तुतियां और लेखकीय अनुभव, सब कुछ पाठकों तक पहुंचाया जाता है। यही कारण है कि उनकी नई पुस्तकों की प्रतीक्षा एक सांस्कृतिक घटना बन जाती है। पाउलो कोएलो का उदाहरण और भी दिलचस्प है। (दि एलचेमिस्ट) जैसी विश्वप्रसिद्ध पुस्तक लिखने के बाद भी उन्होंने लेखन नहीं छोड़ा। वे अपनी मातृभाषा पुर्तगाली में लिखते हैं और बाद में उनकी कृतियां अनेक भाषाओं में अनूदित होती हैं। उनके पाठक दुनिया भर में फैले हुए हैं। लेखक और पाठक के बीच का यह जीवंत संबंध ही उनकी लोकप्रियता का आधार है। हमारे देश में भी अंग्रेजी के कई लेखक हैं, जिनकी पुस्तकों की अग्रिम बुकिंग रिकार्ड तोड़ देती है। प्रकाशक बड़े पैमाने पर प्रचार करते हैं, क्योंकि उनका बाजार वैश्विक है और प्रथम संस्करण की लाखों प्रतियों की संभावना रहती है। इसके विपरीत हिंदी साहित्य का बाजार अपेक्षाकृत छोटा है। ऐसे में प्रकाशकों का प्रचार-प्रसार के प्रति सीमित उत्साह समझा जा सकता है। लेकिन एक दूसरा प्रश्न भी है, क्या हमारे पास ऐसे उपन्यासकार पर्याप्त संख्या में हैं, जिनकी नई पुस्तक का पाठक बेसब्री से इंतजार करे?

स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है। आज अनेक लोग किसी भी पुस्तक के बारे में सबसे पहले यह पूछते हैं कि उसे मुफ्त में कहां से डाउनलोड किया जा सकता है। पढ़ने का शौक सराहनीय है, लेकिन यदि हर चीज मुफ्त में ही चाहिए तो साहित्यिक संस्कृति का विकास कैसे होगा? पुस्तकें लिखने, संपादित करने, प्रकाशित करने और पाठकों तक पहुंचाने में श्रम और संसाधन दोनों लगते हैं। कुछ मित्रों का मानना है कि यदि लोकप्रिय स्तंभकार और लेखक अखबारों के बजाय सीधे डिजिटल मंचों पर लिखना शुरू कर दें तो पाठकों से सीधे जुड़कर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। दूसरे मित्र का तर्क है कि लेखकों ने वर्षों से पाठकों को इतना मुफ्त कंटेंट उपलब्ध कराया है कि पुस्तक खरीदने की आदत कमजोर पड़ गई है। अखबार, सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप समूहों में पढ़ने के बाद लोगों को अलग से पुस्तक खरीदने की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

इन तर्कों में कुछ बातें विचारणीय हैं और कुछ से असहमति भी हो सकती है। लेकिन एक बात निश्चित है, पुस्तकों को अत्यधिक महंगा बताना उचित नहीं है। जब लोग दो-तीन सौ रुपए एक पिज्जा, एक फिल्म टिकट या अन्य मनोरंजन पर सहजता से खर्च कर देते हैं, तब उसी मूल्य की पुस्तक को केवल कीमत के आधार पर महंगा कहना कठिन है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं होगा कि जो व्यक्ति मनोरंजन पर खर्च करता है, उसे पुस्तक अवश्य खरीदनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं। कोई भोजन पर खर्च करना पसंद करता है, कोई यात्रा पर, कोई फिल्म या नाटक पर और कोई पुस्तकों पर।

कोई वस्त्र विक्रेता यह शिकायत नहीं करता कि लोग घूमने-फिरने पर पैसा खर्च कर देते हैं, लेकिन उसके कपड़े नहीं खरीदते। कोई कार निर्माता यह नहीं कहता कि लोग मकान खरीद लेते हैं, लेकिन उसकी कार नहीं लेते। इसी प्रकार लेखक भी पाठकों को उनकी पसंद के लिए दोष नहीं दे सकते। यदि कोई व्यक्ति हर सप्ताह नाटक देखने पर सैकड़ों रुपए खर्च करता है, लेकिन दो सौ रुपए की पुस्तक नहीं खरीदता, तो यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है। उसी प्रकार कई लोग फिल्मों पर हजारों रुपए खर्च करते हैं, लेकिन नाटक नहीं देखते। बाजार और रुचि दोनों का संचालन व्यक्तिगत पसंद से होता है, शिकायतों से नहीं। सच्चाई यह है कि हम वही चीज खरीदते हैं, जिसे हम अपने लिए आवश्यक, उपयोगी या आनंददायक मानते हैं। जो वस्तु हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है, वह भारी छूट पर भी आकर्षित नहीं करती। और जो चीज वास्तव में हमें चाहिए, उसके लिए हम समय, श्रम और पैसा, तीनों लगाने को तैयार रहते हैं। यही इस पूरे विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण शब्द है, प्राथमिकता। पुस्तकों के संदर्भ में भी यही बात लागू होती है। कोई पाठक पुस्तक को अपनी प्राथमिकता बनाता है तो वह उसे अवश्य खरीदेगा। और यदि पुस्तक उसकी प्राथमिकताओं की सूची में नहीं है, तो कीमत कम या ज्यादा होने से बहुत अंतर नहीं पड़ेगा। पठन संस्कृति, पुस्तक बाजार और साहित्य की स्थिति पर विचार करते समय शायद हमें इसी मूल प्रश्न पर लौटना होगा, लोग क्या पढ़ना चाहते हैं, क्यों पढ़ना चाहते हैं और पढ़ने को वे अपनी प्राथमिकताओं में कहां स्थान देते हैं।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं।

तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (ष्ट) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (हृक्रष्ट) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं।

व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐसे वातावरण में सरकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा दें और दुष्प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण रखें।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों और पड़ोसी देशों की संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन स्थापित करे। एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति होने के कारण भारत की नीतियों का प्रभाव उसके पड़ोसियों पर स्वाभाविक रूप से पड़ता है। इसलिए केवल राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है; पड़ोसी देशों की आशंकाओं और अपेक्षाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। इसी प्रकार बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंताएँ, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित प्रश्न, उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की वैध चिंताओं का सम्मान करना होगा। विश्वास बहाली के लिए सबसे पहले लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। तीस्ता जल समझौते को प्राथमिकता देकर दोनों देश एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। सीमा प्रबंधन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना, संयुक्त गश्त और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना भी आवश्यक है। व्यापारिक असंतुलन को कम करने के लिए बांग्लादेशी उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, परिवहन और संपर्क परियोजनाओं को गति देकर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक परस्पर निर्भर बनाया जा सकता है।

उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद को नियमित और संस्थागत स्वरूप देना भी आवश्यक है। जब देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद बना रहता है, तब गलतफहमियों की संभावना कम हो जाती है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति, खेल, मीडिया और पर्यटन के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना चाहिए। सरकारों के बीच विश्वास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण नागरिकों के बीच विश्वास भी है। सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है।

क्षेत्रीय मंचों जैसे बिंस्टेक् और बीबिन के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देना भी उपयोगी होगा। साझा आर्थिक और रणनीतिक हितों पर आधारित क्षेत्रीय सहयोग अविश्वास को कम करने में सहायक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास दोनों देशों को और निकट ला सकते हैं। अंततः भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो देशों के बीच की साझेदारी नहीं हैं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, भाषा, भूगोल और साझा संघर्षों से निर्मित एक विशेष संबंध हैं। हाल के वर्षों में उत्पन्न तनाव और अविश्वास यह अवश्य दर्शाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में संवेदनशीलताओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है।

मित्र का मित्र, दोस्त दुश्मन!

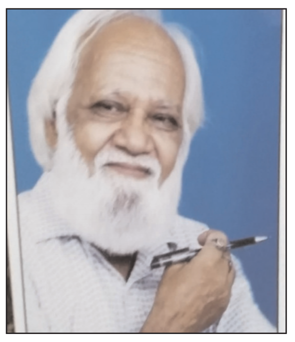

विप्रम

मित्र का मित्र ज़रूरी नहीं कि वह भी मित्र जैसा मित्र हो द्य तब उसे पहली नज़र में कैसे मान लें- मित्र द्य पहले से बना मित्र तो अकेला ही कई मित्रों के बराबर हुआ करता है । तब मित्र के मित्र को मित्र बना लेने से क्या लाभ? हानि भी हो सकती है । भले ही लाभ-हानि देख कर मित्र नहीं बनते । फ़िर देखा-देखी में बना मित्र तो आगे चल कर कुछ बने न बने पर वह दोस्त दुश्मन मतलब पैट दुश्मन ज़रूर बन कर रह जाता है । जिसे ज्ञानी दोस्त का नाम दे दिया जाए तो गलत नहीं द्य यह वह मित्र हो सकता है जो पहले से बने हुए मित्र को दिल से उतरवा भी सकता है द्य कहा जाता है कि मित्र बनाए नहीं जाते बल्कि बन जाते हैं द्य बने हुए मित्र ही निभाते हैं मैत्री द्य निभाने में रत्तीभर भी स्वार्थ नहीं देखते द्य

देखा जाए तो मित्र के मित्र की कहीं कोई अपनी जमीन नहीं होती । न कहीं कोई छत होती है न कोई धरातल द्य कहें तो टोटली बेसलैश द्य निराधार होता है । वैसे भी किसी की मार्फ़त बना या बन गया मित्र आगे भी सहारे की दरकारों में रहेगा । इस लिए कभी - कभी ख्याल आता है, साले का साला जब पटसाला हो सकता है तो मित्र का मित्र पटमित्र क्यों नहीं? । तब एक कहावत खुलके सामने आ जाती है कि पटसाले के बचाव में तो उसकी बहन खड़ी दिख जाती है द्य पर इस पटमित्र की वकालत को कौन आएगा ?

मित्र के मित्र को पुचकारने वाले तो बहुत मिल जाएंगे द्य पर उसे मित्र बनाकर अपने गले लगाने वाले बहुत कम । इन बहुत कम लोगों में देखना होगा कि इनकी नज़रें किस तरफ़ हैं । सब्ज बागों पर या एक दूसरे की जेबों पर द्य मित्र का मित्र किस मेल का है यह सबसे पहले देखना अति आवश्यक होता है द्य हालांकि सुना ये भी जाता है कि दोस्ती-मैत्री में कुछ नहीं देखा जाता । कहीं कोई कुछ ऊंच-नीच नहीं । जाति-धर्म का कोई भेदभाव नहीं । काले-गोरे से परे बस मित्र और मित्र के आगे कोई कुछ नहीं । समस्या तो तब दिखाई देने लगती है जब मित्र का मित्र उन्नीस से बीस बनने की चेष्टा में जरुरत से ज्यादा पेश आने की कोशिश करता है । बने हुए मित्र से और आगे दिखने लगता है । तब बिल्कुल सही लगता है कि मैत्री में सैंध लग गई है ।

राजनीति में एक कहावत चला करती है कि दुश्मन के दुश्मन को मित्र बना लीजिए । दुश्मन नंबर एक वैसे ही मात खा जाएगा । ठीक इसी तर्ज़ अगर कोई मित्र तीन-पांच करता दिखता हो तो उसके मित्र को आधी- अधूरी बातें बता कर देखें द्य वह ख़ुद से कुछ और जोड़ कर बात का बतंगड़ अवश्य बना दिया करता है या आपको कुछ सुझा रहा है तो समझ सकते हैं वह आपका मित्र नहीं है। बल्कि ज्ञानी मित्र है । गर्त की ओर ले जाना चाहता है द्य मित्रों में देखा जाए तो एक-आध बार दोस्त दुश्मन तो चल जाया करते हैं पर ज्ञानी दुश्मन कदापि नहीं।

बोध कथा

बड़े का बड़प्पन

जलगांव निवासी दोनों भाई परिस्थितिवश बंटवारा करके अलग रहने लगे। बड़ा भाई समकित अपना व्यापारादि स्वयं देखता और नौकरों के कार्यों पर भी सूक्ष्मदृष्टि रखता; अतः उसकी सम्पत्ति बढ़ती गयी।

छोटे भाई शशांक ने प्रमादी हो सारा कारोबार नौकरों के भरोसे छोड़ दिया; अतः उसके व्यापार में घाटा होने लगा। बड़े भाई ने बीच बीच में अनेक बार समझाया, पर भवितव्यतानुसार बुद्धि हो जाती है; अतः उसकी समझ में नहीं आया। अन्त में दुकान भी बिकने की नौबत आ गयी।

बड़े भाई ने जानकारी होने पर उसे बुलाया। प्रेम से धीरज बंधाया। उसका कर्जा चुकाया और उसे अपने साथ में काम करने के लिए तैयार किया।छोटा भाई भी प्रेम के वश हो, बड़े भाई के निर्देशन में काम करने लगा। धीरे-धीरे उसकी उन्नति होती गयी। बड़े भाई ने उसका हिस्सा पुनः उसे ही दे दिया।

स्वावलम्बन और उदारता का पाठ पढ़ाते हुए, स्वाध्याय की प्रेरणा दी। स्वाध्याय से छोटे भाई की आंखें खुलीं। उसने पुण्य-पाप एवं धर्म का स्वरूप समझा और बड़े भाई का उपकार मानता हुआ, अपना जीवन सार्थक करने में लग गया।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

संतरों पर मातम, गैस पर ज्ञान

अशोक परुथी 'मतवाला'

अख़बार पढ़कर आज बनिया राधेश्याम का दिल बैठ गया। खबर थी कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम फिर बढ़ गए हैं। अख़बार ने बड़े प्रेम से समझाया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियाँ, पश्चिम एशिया का तनाव, समुद्री मार्गों की बाधाएँ, वैश्विक मूल्य वृद्धि वगैरह-वगैरह के कारण यह बढ़ोतरी अपरिहार्य थी।

राधेश्याम ने माथा खुजाया। वह संतरे बेचता है।

इस साल नागपुर में संतरे के पौधों को बीमारी लग गई। सरकार ने संक्रमण रोकने के लिए दूसरे राज्यों में संतरे भेजने पर रोक लगा दी। अब मध्यप्रदेश से संतरे आ तो रहे हैं, लेकिन ऊँट के मुँह में जीरे के बराबर। फलस्वरूप संतरे महंगे हो गए।

राधेश्याम सोच में पड़ गया।

'अगर गैस महंगी होने पर सरकार कहती है कि अंतरराष्ट्रीय हालात जिम्मेदार हैं, तो क्या मैं भी ग्राहकों को यही समझाऊँ? '

दूसरे दिन दुकान पर ग्राहक आया।

क्या बात है राधेश्याम, संतरे 180 रुपये किलो?

राधेश्याम ने गंभीर चेहरा बनाया।

'भाई साहब, नागपुर संकट, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, समुद्री व्यापार में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बागवानी तनाव और मध्यप्रदेश की सीमित उपलब्धता के कारण यह वृद्धि आवश्यक है।

ग्राहक बोला, लेकिन मैं तो चंडीगढ़ में खड़ा हूँ!

राधेश्याम मुस्कुराया, 'गैस लेते समय भी आप दिल्ली में नहीं खड़े होते, फिर भी वैश्विक कारण सुन लेते हैं।

ग्राहक नाराज़ होकर चला गया।

शाम को अख़बार वाला आया। उसने सलाह दी, 'राधेश्याम जी, ग्राहकों को समझाइए। बाज़ार की मजबूरियाँ हैं। राधेश्याम बोला, 'तो क्या मैं संतरे के दाम बढ़ाकर अख़बार में विज्ञापन दे दूँ कि दुनिया में सबसे सस्ते संतरे मैं ही बेच रहा हूँ?

अख़बार वाला चुप।

अगले दिन राधेश्याम ने दुकान पर नया बोर्ड लगा दिया— 'संतरों की कीमत बढ़ने पर कुएँ में कूदने की आवश्यकता नहीं है।

ग्राहक चाहें तो केले, अमरूद अथवा कल्पनाशक्ति का सेवन करें।

कुछ ग्राहकों ने इसे व्यंग्य समझा, कुछ ने सरकारी परामर्श।

फिर उसने दूसरा बोर्ड लगाया— 'संतरे महंगे होने का लाभ आपको यह मिलेगा कि आप कम खरीदेंगे और स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। यह पढ़कर एक बुज़ुर्ग बोले, 'बेटा, यही तर्क सरकार को भी भेज दे।

राधेश्याम ने कहा, 'भेज चुका हूँ। जवाब आया है कि मैं आर्थिक नीति समझने की कोशिश न करूँ।

असल समस्या यह नहीं कि गैस महंगी हुई या संतरे महंगे हुए। समस्या यह है कि जब दाम बढ़ते हैं तो जनता से कहा जाता है कि वह अर्थशास्त्र समझे, भू-राजनीति समझे, वैश्विक बाज़ार समझे, समुद्री व्यापार समझे। लेकिन जब जनता पूछती है कि उसकी जेब क्यों खाली हो रही है, तब उसे केवल इतना समझाया जाता है कि सब कुछ उसके ही हित में हो रहा है।

उधर राधेश्याम अब भी ज़िंदा है। उसने न कुएँ में छलांग लगाई, न संतरे बेचना छोड़ा।

हाँ, उसने एक नया नियम ज़रूर बना लिया है— जब भी कोई ग्राहक महंगाई की शिकायत करता है, वह अख़बार की कटिंग दिखाकर कहता है, 'भाई साहब, संतरे हों या सिलेंडर—दाम बढ़ाने वाला हमेशा मजबूर होता है, और भुगतान करने वाला हमेशा देशहित में सहयोग कर रहा होता है!

विक्टोरिया, टेक्सास,USA

संक्षिप्त खबरें

कोयला हेराफेरी मामले में 6 गिरफ्तार, 25 लाख की गड़बड़ी का आरोप

बिलासपुर। हेराफेरी करने वाले एक एसोसिएट गैंग का खुलासा हुआ है। भाटिया एनर्जी एंड कोल बेन ग्रुप की जांच के दौरान गड़बड़ी की आशंका के बाद मामला सामने आया। इसके बाद प्रबंधन की शिकायत पर सकरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

जांच के दौरान सामने आया कि रतनपुर क्षेत्र में स्थित बालाजी कोल ट्रेडिंग एंड रिलिजन के कर्ता-धर्ता और अन्य लोगों के कारखाने से हेराफेरी स्थित कारखाने को हटा दिया गया। आरोप है कि रेलवे में कोयले की चोरी कर उसकी जगह घटिया या उत्पादयुक्त कोयला भरा गया, जिससे कंपनी को 25 लाख रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। कंपनी प्रबंधन की रिपोर्ट के अनुसार सकरी पुलिस ने कोल शिपमेंट, सुपर डिलर, ट्रक मालिक और कॉम्प्लेक्स सहित कुल 6 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आशिक हुसैन, फैजान रजा वकील, फुजैल वकील, गौरव राजपूत, सीबू खान और दिलीप कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

जेएलएन अस्पताल में लगा दो दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर

भिलाई। विश्व रक्तदाता दिवस-2026 के अवसर पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के भिलाई इस्पात संयंत्र स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएच एंड आरसी) के ब्लड सेंटर द्वारा ''मानवता की एक बूंद-रक्तदान, जीवनदान'' थीम पर दो दिवसीय मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अभियान के प्रथम दिवस अस्पताल कर्मियों और स्वैच्छिक रक्तदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी से 29 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर तथा डॉ. उदय कुमार सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मानव रक्त समूहों की खोज करने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. कार्ल लैंडस्टाइनर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को उनके जीवनरक्षक योगदान के लिए ट्रॉफी और पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।

व्यापार विहार में दिनदहाड़े व्यापारी से 3 लाख की लूट

बिलासपुर। बिलासपुर के व्यापार विहार इलाके में एक बार फिर अपराधियों ने कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। यहाँ थोक मंडी में खरीदारी करने आए एक व्यापारी को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने 3 लाख रुपये से भरा बैग पार कर दिया। वारदात के बाद से ही व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। लूट का शिकार हुए नवागढ़ निवासी उमेश कुमार साहू मंडी में अपनी व्यापारिक जरूरतों के लिए नकद राशि लेकर पहुंचे थे। लहसुन, प्याज़ और अन्य कृषि उत्पादों की थोक खरीद के बाद जब वे अंडा चौक के पास से गुजर रहे थे, तभी घात लगाकर बैठे बदमाशों ने उन्हें अपना शिकार बनाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोश युवक काफी समय से व्यापारी का पीछा कर रहे थे। जैसे ही व्यापारी थोड़ा अलग हुए, बदमाशों ने फुर्ती से उनके हाथ से बैग छीना और देखते ही देखते भीड़भाड़ वाले इलाके से रफूचक्कर हो गए। व्यापारी की चीख-पुकार सुनकर जब तक आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ते, बदमाश काफी दूर निकल चुके थे।

चाचा-चाची की भतीजों ने डंडे से पीटकर की निर्मम हत्या, बोरे में भरकर दफनाई लाश

5 दिन बाद ग्रामीणों के संदेह पर पुलिस ने कब्र खोदकर निकाली लाश

गरियाबंद। जिले में दोहरा हत्याकांड का मामला सामने आया है। भतीजों ने अपने चाचा-चाची को डंडे से पीट-पीट कर मार डाला। हत्या के बाद उनके शवों को बोरों में भरकर गांव के श्मशान घाट में दफना दिया। करीब 5 दिन बाद एक ग्रामीण की मौत हुई, तो उसे दफनाने ले गए।

इसी दौरान सबकी नजर ढके गए ताजा कब्र पर पड़ी। तब उन्हें गांव से पति-पत्नी से लापता होने की जानकारी हुई। इसी बीच एक आरोपी ने सरपंच को पूरी सच्चाई बता दी। उसने कहा कि, आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। उनसे परिवार में किसी का जम नहीं रहा था। इसलिए हत्या कर दी। पुलिस ने कब्र खोदकर शवों को बाहर निकाला और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक मृतक का भाई भी है। मामला शोभा थाना क्षेत्र के राजापड़ाव के गरीबा गांव की है।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

जानकारी के मुताबिक, गरीबा गांव निवासी राजाराम नेताम (45) और आशो बाई नेताम (40) पति-पत्नी थे। शादी के बाद उनके बच्चे नहीं थे। लेकिन वो 7 भाई है। पूरा परिवार एक जगह पर रहता है। राजाराम नेताम से उनके भाईयों का नहीं जमता था। आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता था। इसलिए भाई लखीराम नेताम, भजीते रघुराम नेताम और नकुल राम नेताम ने 6 जून को अपने चाचा-चाची की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद रात में ही सबूत मिटाने की नीयत से दोनों शवों को बोरे में भरकर चुपचाप श्मशान घाट में दफना दिया। जिससे किसी को घटना की जानकारी न मिल सके।

श्मशान घाट नए कब्र मिलने से लगा संदिग्ध

इस मामले का खुलासा तब हुआ जब 11 जून को गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे। वहां उन्होंने ताजा दफनाए गए शवों के निशान देखे। ग्रामीणों को यह संदिग्ध लगा क्योंकि गांव में हाल के दिनों में किसी की मौत नहीं हुई थी। ग्रामीणों को कुछ दिनों से लापता राजाराम नेताम और उनकी पत्नी आशो बाई नेताम की याद आई। इसी दौरान आरोपियों में से एक भतीजे ने सरपंच को सच्चाई बता दी। जिसके बाद पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया।

प्रेमी की बेवफाई से आहत पीएससी छात्रा ने दी जान

आरोपी

बिलासपुर। बिलासपुर के जरहाभाठा स्थित डल्ला गली में किराए के मकान में रहकर पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही 23 वर्षीय छात्रा आयुषी कुर्रे उर्फ खुशी ने 20 मार्च 2026 को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिस मामले में पुलिस ने अब उसके प्रेमी दीपक खांडे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सिविल लाइन टीआई किशोर केंवट ने बताया कि मृतका मूलत मुलमुला सोनसरी की रहने वाली थी, और घटना के दिन उसका अपने प्रेमी दीपक खांडे के साथ गंभीर विवाद हुआ था। जांच में खुलासा हुआ कि दीपक घटना के दिन शाम 6 बजे आयुषी के कमरे से निकला था, जिसके बाद आयुषी उसे लगातार कॉल कर रही थी, लेकिन दीपक ने फोन नहीं उठाया। पूछताछ और जांच में यह स्पष्ट हुआ कि दीपक किसी दूसरी लड़की से बातचीत कर रहा था, जिसे लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

चंगाई सभा में धर्मांतरण का लगा आरोप, पास्टर समेत 2 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उदयबंद में आयोजित चंगाई सभा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। हिंदू संगठन की शिकायत पर पुलिस ने पास्टर समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्राम उदयबंद के गुड़ीपारा इलाके में बद्रीनाथ बरेठ के घर पर चंगाई सभा आयोजित की गई थी। सभा में आसपास के ग्रामीण, महिलाएं और पुरुष शामिल हुए थे। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों को सभा की सूचना मिलने पर वे कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया।

शिकायतकर्ता सतीश सोनी ने पुलिस को बताया कि सभा में लोगों को बीमारियों के इलाज के नाम पर बुलाया गया था। वहां कथित रूप से चमत्कारी पानी पिलाकर रोग ठीक होने का दावा किया जा रहा था। साथ ही ईसा मसीह और बाइबल से संबंधित साहित्य का वितरण कर ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सभा के दौरान हिंदू देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। मामले का वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है। शिकायत मिलने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए पास्टर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किराये के मकान में चल रहा था देह व्यापार, एजेंट बनकर पहुंची पुलिस

रायगढ़। जिले के चक्रधर नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित देह व्यापार के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। देर रात पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अतरमुड़ा इलाके के एक मकान में छापेमारी कर 4 महिलाओं समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के अतरमुड़ा स्थित एक मकान में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए रायगढ़ पुलिस ने मामले की गोपनीय जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में शिकायतों की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई।

रायगढ़ एसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर सीएसपी, साइबर सेल और चक्रधर नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने संबंधित मकान पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान मौके से 4 महिलाओं और 2 पुरुषों को पकड़ा गया। पुलिस की अचानक कार्रवाई से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह गतिविधि कब से संचालित की जा रही थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

बोरियों में पाउडर भरकर गांजा की तस्करी

उत्तर प्रदेश सीमा पर 10 करोड़ का गांजा जब्त

बलरामपुर। छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश सीमा पर पुलिस ने नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम देते हुए करीब 20 क्विंटल गांजा जब्त किया है। यूपी सीमा स्थित धनवार चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर एक 16 चक्का ट्रक को पकड़ा। ट्रक की तलाशी में 50 से अधिक बोरियों में भरा गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए आंकी गई है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गांजा तस्करी गिरोह के मुख्य सरगना एवं ट्रक मालिक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पुलिस पिछले पांच महीनों से इस मास्टरमाइंड की तलाश कर रही थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि गांजे की यह बड़ी खेप ओडिशा से लोड की गई थी, जिसे छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से होते हुए उत्तर प्रदेश पहुंचाया जाना था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद धनवार चेकपोस्ट पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी।

पुलिस के अनुसार तस्करों ने गांजे को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया था। ट्रक के निचले हिस्से में गांजे की बोरियां बिछाकर ऊपर प्लास्टिक की बोरियों में पाउडर भर दिया गया था, ताकि जांच एजेंसियों को भ्रमित किया जा सके। हालांकि संदेह होने पर पुलिस ने गहन तलाशी ली और पूरा मामला उजागर हो गया।

फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है।

शराब दुकानों में ओवररेटिंग पर आबकारी विभाग का बड़ा एक्शन, 4 उपनिरीक्षक निलंबित

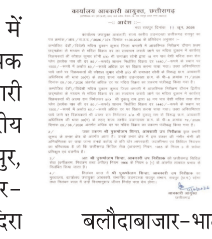
कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़
आदेश

खैरागढ़/बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में शराब की दुकानों में निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतों पर आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल के औचक निरीक्षण में रायपुर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदाबाजार-भाटापारा और धमतरी जिले की मदिरा दुकानों में ओवररेटिंग के मामले सामने आने के बाद आबकारी आयुक्त पी.एस. एल्मा ने 4 आबकारी उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। वहीं 8 जिला एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान गंडई में तीन पाव देशी शराब के लिए निर्धारित 240 रुपए के बजाय 250 रुपए वसूले गए। इस मामले में आबकारी उपनिरीक्षक प्रभाकर सिरमौर को निलंबित किया गया, जबकि सहायक जिला आबकारी अधिकारी चंद्रप्रताप सिंह को नोटिस जारी किया गया है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की हिरमी मदिरा दुकान में 30 रुपए अतिरिक्त वसूले जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम को निलंबित किया गया। वहीं धमतरी जिले की कुरूद मदिरा दुकान में दो मामलों में ओवररेटिंग पाए जाने पर आबकारी उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम सिन्हा के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग ने निरुपमा लोन्हारे, मुकेश अग्रवाल, जलेश सिंह, अजय सिंह धुर्वे, राजेश कुमार शर्मा, जेबा खान, चंद्रप्रताप सिंह और अल्ताफ खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आबकारी आयुक्त ने कहा कि संबंधित अधिकारियों के प्रभार क्षेत्रों में इस तरह की अनियमितताएं उनके कर्तव्यों के प्रति लापरवाही और कमजोर नियंत्रण को दर्शाती हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से उपसरपंच समेत 2 की मौत, 5 घायल

बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े थे मजदूर

कांकेर/अंतागढ़। जिले के अंतागढ़ थाना क्षेत्र के कलगांव में आकाशीय बिजली गिरने से मनरेगा कार्य में लगे दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य मजदूर घायल हो गए। घायलों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए अंतागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कलगांव में मनरेगा योजना के तहत तालाब निर्माण कार्य चल रहा था, जहां करीब 50 मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए कई मजदूर पास के एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से गांव के उपसरपंच धनराज पटेल सहित एक अन्य मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पांच मजदूर घायल हुए हैं, जिनमें तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सभी घायलों को तत्काल अंतागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर ने बताया कि अधिकारियों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया है। घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है तथा डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

7 वर्षीय दो बच्चियों के साथ दुष्कर्म, न्याय के लिए परिवार लगा रहा थाने के चक्कर

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में 7 वर्षीय दो मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बच्चियों के परिजन शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस पर एफआईआर दर्ज करने में देरी, साक्ष्य संकलन में लापरवाही तथा मामले में उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया।

पीड़ित बच्चियों की मां ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार सुबह से देर रात तक थाने और अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाता रहा, लेकिन उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही एफआईआर दर्ज हुई। परिजनों का कहना है कि बच्चियों ने आरोपी द्वारा चॉकलेट का लालच देकर ले जाने और गलत हरकत करने की जानकारी दी थी। साथ ही, उन्हें रस्सी से बांधकर रखने की बात भी बताई थी, लेकिन पुलिस ने इन तथ्यों से जुड़े संभावित साक्ष्यों को गंभीरता से नहीं जुटाया।

परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच, परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि मामले में 14 वर्षीय आरोपी नाबालिग को पकड़ लिया गया है और उसे बाल सुधार गृह भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा पुलिस के व्यवहार और कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों की भी जांच कराई जाएगी। जांच में कोई अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय शेयर बाजार करीब 2 प्रतिशत उछले; निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपए का फायदा

मुंबई। अमेरिका-ईरान के बीच के बीच तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार के कारोबारी सत्र में जोरदार तेजी देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,695.40 अंक या 2.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,527.95 और निफ्टी 461.30 अंक या 1.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,622.90 पर बंद हुआ।

बाजार में चौतरफा तेजी देखी गई, जिससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 10 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 462 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,442.70 अंक या 2.43 प्रतिशत बढ़कर 60,768.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 494.35 अंक या 2.80 प्रतिशत बढ़कर 18,197.45 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, इंटरग्लोब एविएशन, टाइटन, इटरनल, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, ट्रेंट और अदाणी पोर्ट्स गेनर्स थे। केवल टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड ही लाल निशान में बंद हुए।

बाजार में निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी ऑटो और निफ्टी एनर्जी सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे।

केवल निफ्टी आईटी ही 0.09 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी की वजह अमेरिका और ईरान में शांति समझौते की संभावनाओं को माना जा रहा है।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान और वाशिंगटन के बीच प्रस्तावित समझौते में प्रतिबंधों और हॉर्मुज स्ट्रेट से अमेरिकी नौसेना की ब्लॉकेज हटाने और ईरान के चारों तरफ अमेरिकी सेना के घेराव को समाप्त करना शामिल है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जंग को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ होने वाली डील करीब पूरी होने वाली है। इसे यूरोप में सप्ताहांत में साइन किया जा सकता है।

इससे कच्चे तेल की कीमतों में भारी बिकवाली देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज पर डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 3.74 प्रतिशत गिरकर 84.33 डॉलर प्रति बैरल पर था।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना में तेजी से हो रही प्रोग्रेस

नई दिल्ली। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना भारत के रेलवे विकास में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। यह देश का पहला हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर है जो स्पीड, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के वितरण में नए मानक स्थापित कर रहा है।

सिविल निर्माण कार्य, पुल निर्माण और सुरंग निर्माण में हुई महत्वपूर्ण प्रगति परियोजना के पूरा होने की दिशा में निरंतर गति का संकेत देती है। अब तक किए गए निर्माण का पैमाना परियोजना के विभिन्न घटकों में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।

साथ ही, एडवांस टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग सिस्टम को अपनाने से हाई-स्पीड रेल विकास में घरेलू क्षमताएं मजबूत हो रही हैं। कॉरिडोर पर पहली हाई-स्पीड रेल सेवा अगस्त 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। एमएएचएसआर परियोजना मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा समय को घटाकर दो घंटे से कम कर देगी। वर्तमान में सड़क मार्ग से इसी यात्रा में 8-9 घंटे और हवाई मार्ग से हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं सहित लगभग 4-5 घंटे लगते हैं। तेज यात्रा से व्यावसायिक दक्षता में सुधार होगा और यात्रियों का बहुमूल्य समय बचेगा।

वर्तमान में, भारतीय रेलवे नेटवर्क में अधिकतम डिजाइन स्पीड लगभग 180 किमी प्रति घंटा है। इसके विपरीत, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना की डिजाइन स्पीड 350 किमी प्रति घंटा और परिचालन स्पीड 320 किमी प्रति घंटा है। यह भारत में शुरू की गई सबसे व्यापक रेल अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है, और मुंबई और अहमदाबाद को लगभग 1 घंटे 58 मिनट में जोड़ेगी।

एमएएचएसआर परियोजना न केवल एक परिवहन पहल है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक उच्च गति रेल महत्वाकांक्षाओं के लिए उत्प्रेरक का काम भी करती है।

हाई स्पीड यात्री परिवहन प्रदान करने के अलावा, यह परियोजना पहली बार एक घरेलू हाई स्पीड रेल इकोसिस्टम भी स्थापित करेगी। इस इकोसिस्टम में वायडक्ट निर्माण, बैलास्टलेस ट्रैक की स्थापना, टनलिंग, ब्रिज लॉन्चिंग और स्टेशन-क्षेत्र नियोजन शामिल हैं। इसमें सिग्नलिंग और बिजली व्यवस्था के साथ-साथ भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए विशेष प्रशिक्षण भी शामिल है। इस परियोजना के माध्यम से विकसित ज्ञान, कौशल और क्षमताएं देश भर में भविष्य के हाई-स्पीड रेल कॉरिडोरों को सहयोग प्रदान करेंगी।

मध्य पूर्व में शांति समझौते की उम्मीदों के बीच सोने और चांदी की कीमतों में करीब 1 प्रतिशत तक की उछाल

मुंबई। मध्य पूर्व में जारी युद्ध में शांति समझौते की उम्मीदों के बीच, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली। कीमती धातुओं में यह तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे के बाद आई कि वाशिंगटन ने ईरान के साथ एक बड़ा समझौता कर लिया है और अब सिर्फ दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। समझौते पर अगले कुछ दिनों में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

इस खबर का असर शेयर बाजार के साथ-साथ कमोडिटी बाजार पर भी साफ देखने को मिला। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में एमसीएक्स पर अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना करीब 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,50,600 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी भी करीब 1 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,44,817 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

कारोबार के शुरुआत में अगस्त वायदा सोना अपने पिछले बंद 1,48,932 रुपए से 1,663 रुपए की बढ़त के साथ 1,50,595 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि जुलाई वायदा चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,39,653 रुपए से 3,123 की तेजी के साथ 2,42,776 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला।

वहीं, खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.18 बजे के करीब) एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 0.52 प्रतिशत यानी 768 रुपए की बढ़त के साथ 1,49,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 0.77 प्रतिशत यानी 1,847 रुपए की बढ़त के साथ 2,41,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई। वहीं, इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के शुक्रवार की सुबह के आंकड़ों के अनुसार, 999 प्यूरिटी वाला सोना 1,47,609 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था, जबकि 999 प्यूरिटी वाली चांदी की कीमत 2,42,295 रुपए प्रति किलोग्राम थी। हाल के घटनाक्रमों और अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की संभावनाएं अब आशाजनक लग रही हैं। हालांकि, इस संबंध में और इससे जुड़े घटनाक्रमों पर ठोस समाचार की प्रतीक्षा है। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की खबरों के बाद ग्लोबल रिस्क सेंटीमेंट में आए जबरदस्त सुधार के चलते भारतीय इक्विटी मार्केट के साथ-साथ कमोडिटी मार्केट में भी तेजी देखी गई। एक्सपर्ट ने कहा कि एमसीएक्स गोल्ड ने गैप-अप के साथ कारोबार की शुरुआत की और अब यह महत्वपूर्ण 1,50,000 रुपए के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर बना हुआ है। इससे संकेत मिलता है कि लगातार उतार-चढ़ाव के बीच कीमतों में सुधार और खरीदारी का रुझान मजबूत हो रहा है।

तकनीकी रूप से देखा जाए तो बाजार की धारणा को और मजबूत करने के लिए सोने को 1,52,000 रुपए के ऊपर टिके रहना होगा। यदि यह स्तर मजबूती से पार होता है, तो कीमतें 1,55,000 रुपए से 1,56,000 रुपए के दायरे तक पहुंच सकती हैं। वहीं दूसरी ओर, यदि सोना 1,50,000 रुपए से 1,49,000 रुपए के सपोर्ट जोन के नीचे फिसलता है, तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और कीमतें 1,47,000 रुपए से 1,45,000 रुपए के स्तर तक आ सकती हैं। इसके साथ ही, एक्सपर्ट ने कहा कि एमसीएक्स चांदी ने भी गैप-अप के साथ शुरुआत की और 2,40,000 रुपए के स्तर के ऊपर पहुंच गई है। यह बाजार की धारणा में सुधार और कीमतों में धीरे-धीरे रिकवरी के संकेत देता है।

देश में मई में खुदरा महंगाई दर कम रहना, कीमतों को स्थिर रखने के सरकार के प्रयासों का परिणाम : इंडस्ट्री

नई दिल्ली। देश में महंगाई दर का 4 प्रतिशत से कम होना, अर्थव्यवस्था के लचीलापन और सरकार द्वारा कीमतों को स्थिर रखने के प्रयासों को दिखाता है। यह बयान इंडस्ट्री बॉडी पीएचडीसीसीआई की ओर से शुक्रवार को दिया गया।

मई में खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 3.93 प्रतिशत रही है, जो कि आरबीआई की ओर से महंगाई के मध्यम अवधि के टारगेट 4 प्रतिशत से कम है। हालांकि, यह अप्रैल के खुदरा महंगाई के आंकड़े 3.48 प्रतिशत से अधिक है।

वहीं, खाद्य मंहगाई दर मई में 4.78 प्रतिशत रही है, जो कि अप्रैल में 4.20 प्रतिशत थी। इसकी वजह टमाटर, अदरक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में इजाफा होना था।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा, 'खाने-पीने की चीजों की कीमतें मौसम के हिसाब से बदलती रहती हैं, लेकिन कुल मिलाकर महंगाई काबू में है, जिससे परिवारों की खरीदने की क्षमता बनी हुई है।

पीएचडीसीसीआई ने आगे कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में लगातार सुधार, ऊर्जा की स्थिर कीमतें और घरेलू अर्थव्यवस्था के अच्छे हालात से आने वाले महीनों में महंगाई को काबू में रखने की कोशिशों को मदद मिलने की उम्मीद है।

क्रिसिल की मुख्य अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे के अनुसार, इस वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर पिछले वित्त वर्ष से 2 प्रतिशत बढ़कर औसतन 5.1 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इसके पीछे ईंधन की ऊंची कीमतें, करेंसी की वैल्यू में गिरावट और बारिश कम होने की संभावना जैसे जोखिम हैं।

आईसीआरए के मुख्य अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि हालांकि, खुदरा महंगाई दर अप्रैल में 3.5 प्रतिशत से बढ़कर मई में 3.9 प्रतिशत हो गई है, लेकिन यह हमारे अनुमान 4.1 प्रतिशत से कम रही है।

उन्होंने आगे कहा कि इस महंगाई की वजह खाने-पीने की चीजें, ट्रांसपोर्ट, रेस्टोरेंट और पर्सनल केयर उत्पादों के दाम बढ़ना था। इनमें से आखिरी तीन पर पेट्रोल-डीजल, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी में हुई बढ़ोतरी का असर दिखा।

एफएसएसएआई का सख्त निर्देश, खाने-पीने की चीजों की पैकिंग में न हो पिन और तार का इस्तेमाल

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को खाद्य व्यापार संचालकों (एफबीओ) को निर्देश किया है कि तत्काल प्रभाव से मेटल की पिन, स्टेपल पिन, वायर और अन्य इसी प्रकार की अन्य चीजों का इस्तेमाल खाने-पीने के उत्पादों को पैक करने और सुरक्षित रखने के लिए न करें, क्योंकि इससे ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो रहा है।

खाद्य नियामक ने कहा कि यह बात सामने आई है कि सजावटी केक के साथ-साथ खाने के पैकेट, केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे, स्नैक पाउच, टेकअवे फूड पार्सल और खाने के दूसरे पैकेजों को पैक करने के लिए भी मेटल की पिन और तारों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

एफएसएसएआई ने कहा है कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें केक और खाने के पैकेट में मेटल के टुकड़े या स्टेपल पिन मिले हैं।

ऐसे मामलों से खाने की सुरक्षा को लेकर बड़ा खतरा पैदा होता है, क्योंकि ग्राहक अनजाने में इन धातु की चीजों को खा सकते हैं, जिससे उन्हें चोट लग सकती है या सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

नियामक ने सभी खाद्य व्यापार संचालकों को निर्देश दिया कि वे किसी भी खाने की चीज, बेकरी प्रोडक्ट, टेकअवे मील, स्नैक पैकेट या फूड पार्सल को सील करने, जोड़ने, सुरक्षित करने या पैक करने के लिए तुरंत मेटल की पिन, तार या ऐसी ही किसी अन्य चीज का इस्तेमाल बंद कर दें।

साथ ही, एफएसएसएआई ने कहा कि जो भी खाद्य व्यापार संचालक इस निर्देश का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

एडवाइजरी के अनुसार, अगर इस निर्देश का पालन नहीं किया जाता है, तो 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' और इसके तहत बने नियमों के प्रावधानों के अनुसार उचित दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

इस कदम का मकसद खाद्य सुरक्षा के मानकों को मजबूत करना और फूड पैकेजिंग व हैंडलिंग में मेटल के फास्टनिंग मटीरियल के इस्तेमाल से उपभोक्ताओं को होने वाले अनावश्यक जोखिमों को रोकना है।

प्याज किसानों को बड़ी राहत, केंद्र ने बढ़ाई न्यूनतम सुनिश्चित खरीद कीमत

नई दिल्ली। देश के प्याज किसानों को राहत देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने जानकारी दी कि प्याज की खरीद को मजबूत बनाने और किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने के लिए सरकार ने न्यूनतम सुनिश्चित खरीद मूल्य (एमएपीपी) में संशोधन किया है।

प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में प्याज खरीद व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद लिए गए फैसले के तहत भंडारण योग्य गुणवत्ता वाले प्याज और मौजूदा मंडी कीमतों को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम सुनिश्चित खरीद मूल्य को संशोधित कर 1,650 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह नई दर 13 जून से प्रभावी होगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केवल खरीद मूल्य में ही बदलाव नहीं किया गया, बल्कि मूल्य निर्धारण की पूरी प्रक्रिया को भी अधिक व्यावहारिक तथा बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया है। सरकार का मानना है कि इस फैसले से प्याज उत्पादक किसानों को अपनी फसल का बेहतर मूल्य मिलेगा और बाजार में कीमतों के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। साथ ही यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा प्याज के लिए कोई आधिकारिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय नहीं किया जाता, क्योंकि यह एक खराब होने वाली फसल है। इसके बजाय सरकार मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत 'न्यूनतम सुनिश्चित खरीद मूल्य' पर किसानों से प्याज खरीदती है ताकि उन्हें नुकसान से बचाया जा सके।

आरबीआई के ताजा फैसलों से भारत में आ सकता है 50 अरब डॉलर तक का फॉरेक्स इनफ्लो : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा कदमों से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार, बैंकिंग प्रणाली में तरलता और भारतीय रुपए को सपोर्ट मिलेगा। साथ ही, इससे वित्त वर्ष 27 में 40-50 अरब डॉलर का फॉरेक्स इनफ्लो देश में आ सकता है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई के रियायती स्वैप फ्रेमवर्क के तहत ईसीबी रूट से उधार लेने की लागत में लगभग 200-250 आधार अंकों की कमी से बैंकों को फायदा हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फंडिंग की कम लागत से क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा मिलने, लोन की गतिविधियों के मजबूत होने और बैंकिंग सेक्टर में फंडिंग की क्षमता बेहतर होने की उम्मीद है। यह नई पहल आरबीआई के 2013 में शुरू किए गए एक प्रोग्राम जैसी ही है, जिसके चलते एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट में लगभग 27 अरब डॉलर और कुल एनआरआई डिपॉजिट में करीब 34 अरब डॉलर का इनफ्लो हुआ था।

इसके अलावा, उस प्रोग्राम ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने और करेंसी मार्केट में स्थिरता लाने में मदद की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट अभी बैंकिंग सिस्टम के कुल डिपॉजिट का सिर्फ 1.2 प्रतिशत है, जिससे पता चलता है कि इसमें विस्तार की काफी जगह है।

हालांकि, बैंकों ने एनआरआई ग्राहकों के लिए इन प्रोडक्ट्स को अधिक आकर्षक बनाने के लिए अलग-अलग मैच्योरिटी पीरियड पर एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट की ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दी हैं।

ब्रोकरेज का कहना है कि जिन बैंकों का कस्टमर बेस मजबूत है और जिनका विदेशी नेटवर्क पहले से स्थापित है, उन्हें सबसे अधिक फायदा होने और आने वाले फंड का बड़ा हिस्सा हासिल करने की संभावना है। इसमें यह भी बताया गया है कि मौजूदा फ्रेमवर्क का स्ट्रक्चर जमाकर्ताओं और बैंकों, दोनों के लिए फायदेमंद है, जिससे अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलता है। ब्रोकरेज के अनुसार, विदेशी मुद्रा का ज्यादा इनफ्लो, बेहतर लिक्विडिटी और ज्यादा रिजर्व बफर कुल मिलाकर करेंसी की स्थिरता को सपोर्ट कर सकते हैं और निवेशकों का भरोसा बढ़ा सकते हैं।

एमओएफएसएल का अनुमान है कि जैसे-जैसे इनफ्लो में तेजी आएगी, रुपया निकट भविष्य में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93-94 की रेंज तक मजबूत हो सकता है।

इसके अलावा, एफसीएनआर (बी)-लिंक्ड फंडिंग से बैंकों को पारंपरिक होलसेल डिपॉजिट की तुलना में लगभग 60-65 आधार का स्प्रेड फायदा मिलता है, क्योंकि इसमें कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) और स्टैचुटरी लिक्विडिटी रेश्यो (एसएलआर) की जरूरतों से छूट मिलती है। खास बात यह है कि सेंट्रल बैंक ने हाल ही में फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट [एफसीएनआर (बी)] डिपॉजिट और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) के लिए विशेष सुविधाएं शुरू की हैं, जिससे बैंक अपेक्षाकृत कम लागत पर विदेशी फंड जुटा सकते हैं।

इन उपायों का मकसद विदेशी पूंजी को आकर्षित करना, रिसोर्स जुटाने की क्षमता को बेहतर बनाना और बैंकिंग सिस्टम में कुल लिक्विडिटी की स्थिति को बेहतर करना है, खासकर ऐसे समय में जब ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव और पूंजी के प्रवाह के ट्रेंड पर सबकी नजर है।

59 साल बाद एक सीध में गुरु, बुध और शुक्र, केवल 'ऑप्टिकल इल्यूजन' या उच्च ब्रह्मांडीय ऊर्जा का संकेत

नई दिल्ली। 59 साल बाद 11 जून से 15 जून के बीच ब्रह्मांड के नौ ग्रहों में से तीन बृहस्पति (गुरु), बुध और शुक्र एक सीध में हैं। यह खगोलीय घटना अपने आप में रोमांचक स्थिति है। इसकी खूबसूरती इतनी है कि इसे देखने को वैज्ञानिक बेताब रहते हैं। इस दुर्लभ खगोलीय घटना के गवाह बनने के लिए करोड़ों लोग उत्साहित रहते हैं। शुक्र, बुध और बृहस्पति सूरज के चारों ओर अपनी-अपनी कक्षाओं में एक दूसरे से लाखों मील दूर हैं। इसमें से शुक्र और बृहस्पति बेहद चमकीले ग्रह हैं। ऐसे में इन्हें तो देखा जा सकता है, लेकिन बुध बाकी दो ग्रहों की तुलना में काफी कम चमकीला होता है, ऐसे में इसे देखना थोड़ा मुश्किल होगा क्योंकि यह क्षितिज के पास नीचे होता है।

इस दुर्लभ खगोलीय घटना को प्लैनेटरी एलाइनमेंट कहा जाता है। कई बार इसे नंगी आंखों से तो कई बार दूरबीन के सहारे देखा जा सकता है। वैसे वैज्ञानिक इस दुर्लभ खगोलीय संयोग को केवल दृष्टि भ्रम या ऑप्टिकल इल्यूजन मानते हैं। माना जाता है कि इस समय ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं अधिक सक्रिय होती हैं। वहीं सनातन वैदिक ज्योतिष के अनुसार यह समय ध्यान, साधना और सकारात्मक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

पृथ्वी से देखने पर यह खगोलीय स्थिति जिसमें बृहस्पति, शुक्र और बुध एक सीध में दिख सकते हैं, जब वे लगभग एक ही एक्लिप्टिक लोंगिट्यूड पर हों (इसे 'कंजंक्शन' या युति कहते हैं) या एक ही राशि/आर्क में एक-दूसरे के करीब हों तो भी ऐसा होता है। खगोलीय दृष्टि से यह पृथ्वी से दिखने वाला कंजंक्शन या ग्रहों का एक-दूसरे के पास होना है। वहीं ज्योतिष के नजरिए से इसे उनके मूल गुणों के आपसी मेल के तौर पर देखा जाता है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार बृहस्पति विस्तार, अर्थ, आशावाद, अवसर प्रदान करने वाला है। जबकि शुक्र मूल्य, रिश्ते, सौंदर्यबोध, आकर्षण, सामंजस्य, वित्त प्रदाता माना गया है। इसके साथ ही ग्रहों का राजा बुध विचार, संचार, व्यापार, सूचना का आदान-प्रदान, छोटी यात्राएं दिलाने वाला है। ब्रह्मांड के नौ ग्रहों में जहां बुध को राजकुमार, गुरु को देवताओं के गुरु और शुक्र को दैत्यों के गुरु के तौर पर जाना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में ये तीनों ही ग्रह जातक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कारक माने गए हैं। अगर किसी भी जातक की कुंडली में इनमें से एक, दो या तीनों ग्रह शुभ हों तो वैसा जातक समाज में राजाओं की तरह की जिंदगी जीता है।

जब किसी इंसान की कुंडली में गुरु मजबूत हो तो उसे जीवन में सही मार्गदर्शन, बेहतर शिक्षा, अच्छे अवसर और सामाजिक मान-सम्मान मिलता है। वहीं शुक्र ग्रह मजबूत हो तो उसे जीवन में आकर्षण, आर्थिक समृद्धि, सुखद वैवाहिक जीवन और सांसारिक सुख मिलते हैं। जबकि कुंडली में बुध ग्रह मजबूत स्थिति में हो तो वह व्यक्ति बहुत ही समझदार, तर्क करने में कुशल, अच्छा विश्लेषक होता है। वैसे ज्योतिष के अनुसार किसी जातक की कुंडली में जब बुध, शुक्र और बृहस्पति एक ही घर में एक साथ होते हैं, तो 'सरस्वती योग' बनता है। यह योग व्यक्ति को अच्छी बुद्धि और कला (जैसे कविता, संगीत, नृत्य) और ज्ञान-सीखने से जुड़ी चीजों के प्रति गहरा लगाव देता है। ये तीनों ग्रह आपस में बहुत अच्छे दोस्त नहीं हैं, लेकिन जब ये एक साथ आते हैं, तो शुभ फल देते हैं। इस योग वाले व्यक्ति को खुशहाल परिवार, अच्छा जीवनसाथी और लंबी उम्र मिलती है। वैसे बुध की सभी ग्रहों के साथ अच्छी बनती है। ऐसे वह जिस ग्रह के साथ कुंडली में शुभ होकर बैठते हैं, उसके प्रभाव को बढ़ा देते हैं। यानी यह एक बहुत ही सकारात्मक योग है जो व्यक्ति को अच्छे गुण, कलात्मक बुद्धि, ज्ञान और खुशहाल परिवार के साथ लंबी उम्र का आशीर्वाद देता है।

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो शुक्र, गुरु, बुध तीनों ही नैसर्गिक रूप से अत्यंत शुभ ग्रह हैं, इनका संबंध कुंडली में शुभ फल देने वाला ही होता है, चाहे यह ग्रह किसी भी लग्न में एक साथ संबंध बनाएं। हालांकि, लग्न के अनुसार इनका संबंध कम या ज्यादा शुभ प्रभावशाली होता है। शुक्र, बुध, गुरु में से यदि कोई अशुभ भाव का स्वामी भी हो तब भी ज्यादा दिक्कत नहीं देते, सिर्फ इतना करते हैं कि शुभ फल आसानी से नहीं देते हैं, कुछ संघर्ष जरूर कराते हैं।

जब पेट पालने को मेहदी हसन बने साइकिल मैकेनिक, 10 साल के संघर्ष के बाद ऐसे मिला 'शहंशाह-ए-गजल' का खिताब

मुंबई। संगीत की दुनिया में मेहदी हसन को 'शहंशाह-ए-गजल' के नाम से जाना जाता है। उनकी आवाज में दर्द और मिठास इस कदर होती थी कि सुनने वाला उनकी गजलों में खो जाता था। उन्होंने अपनी जिंदगी में गरीबी और संघर्ष का ऐसा दौर भी देखा था, जब उन्हें परिवार का पेट पालने के लिए साइकिल मैकेनिक का काम करना पड़ा था। यही वजह है कि उनकी कहानी आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बनी हुई है। 13 जून 2012 को उन्होंने अंतिम सांस ली लेकिन उनका सफर दिखाता है कि कोई भी मुश्किल मंजिल तक पहुंचने से रोक नहीं सकती।

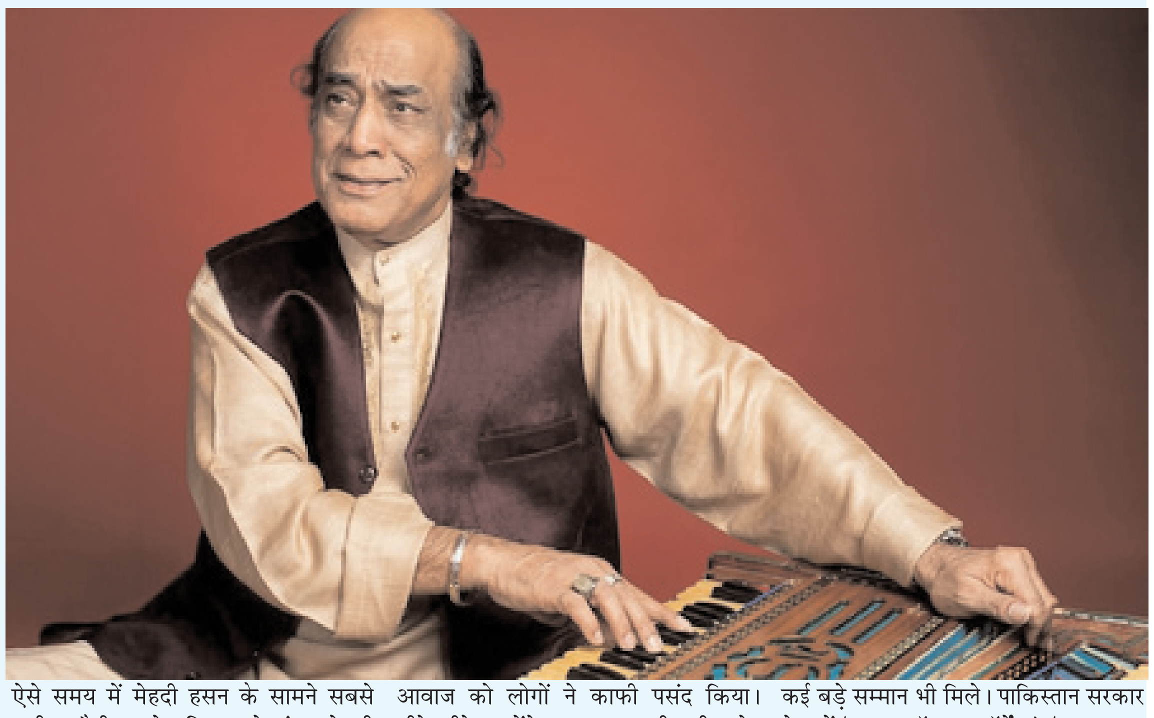

मेहदी हसन का जन्म 18 जुलाई 1927 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के लूना गांव में हुआ था। उनका परिवार कई पीढ़ियों से संगीत से जुड़ा हुआ था। उनके पिता उस्ताद अजीम खान और चाचा उस्ताद इस्माइल खान अपने समय के जाने-माने शास्त्रीय गायक थे। घर का माहौल पूरी तरह संगीत से भरा हुआ था। यही कारण था कि मेहदी हसन ने बहुत छोटी उम्र में ही संगीत सीखना शुरू कर दिया। जब मोहल्ले के बच्चे खेलकूद में व्यस्त रहते थे, तब मेहदी घंटों रियाज किया करते थे। आठ साल की उम्र से उन्होंने संगीत की शिक्षा लेना शुरू कर दी थी और युवावस्था तक पहुंचते-पहुंचते ध्रुपद, ठुमरी और खयाल जैसी गायकी में महारत हासिल कर ली।

हालांकि, उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर 1947 में आया। भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के बाद उन्हें अपना घर छोड़कर पाकिस्तान जाना पड़ा। वहां पहुंचने के बाद हालात बिल्कुल बदल चुके थे। परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। ऐसे समय में मेहदी हसन के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने परिवार को संभालने की थी।

मजबूरी में उन्होंने एक साइकिल की दुकान पर मैकेनिक का काम शुरू किया। बाद में उन्होंने कार और ट्रैक्टर ठीक करने का काम भी किया। दिनभर मेहनत करके पैसे कमाते और रात को संगीत का अभ्यास करते। गरीबी और कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने हर हाल में रियाज जारी रखा।

करीब दस साल तक संघर्ष करने के बाद उनकी मेहनत रंग लाई। साल 1957 में उन्हें रेडियो पाकिस्तान पर गाने का मौका मिला। शुरुआत में उन्होंने ठुमरी गाई और उनकी आवाज को लोगों ने काफी पसंद किया। धीरे-धीरे उन्होंने गजल गायकी की ओर कदम बढ़ाया। उनकी अनोखी शैली और दिल को छू लेने वाली आवाज ने उन्हें जल्द ही लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मेहदी हसन की गाई गजलें भारत और पाकिस्तान दोनों देशों में बेहद पसंद की जाने लगीं। 'रंजिश ही सही', 'गुलों में रंग भरे', 'रफ्ता रफ्ता वो मेरे हस्ती का सामां हो गए' और 'अब के हम बिछड़े' जैसी गजलें आज भी लोगों की पसंदीदा हैं। महान गायिका लता मंगेशकर ने एक बार कहा था कि ऐसा लगता है जैसे मेहदी हसन के गले में भगवान बोलते हैं। उनकी कला और योगदान के लिए उन्हें कई बड़े सम्मान भी मिले। पाकिस्तान सरकार ने उन्हें 'प्राइड ऑफ परफॉर्मेंस', 'तमगा-ए-इम्तियाज', 'हिलाल-ए-इम्तियाज' और 'निशान-ए-इम्तियाज' जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया। भारत में भी उन्हें 1979 में के.एल. सहगल पुरस्कार से नवाजा गया। नेपाल सरकार ने भी उन्हें गोरखा दक्षिण बाहु सम्मान प्रदान किया था। मेहदी हसन ने अपने जीवन में दो शादियां कीं और उनका बड़ा परिवार था। उनके कई बच्चों ने भी संगीत को ही अपना करियर बनाया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में वह लंबे समय तक बीमार रहे लेकिन संगीत से उनका रिश्ता कभी नहीं टूटा। 13 जून 2012 को कराची में उनका निधन हो गया।

एनीमिया की वजह बन सकता है अनहेल्दी खाना, बचाव के लिए इन बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली और फास्ट फूड की बढ़ती आदतों के बीच अनहेल्दी खानपान लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा है। खुद को लेकर की गई ये लापरवाही एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की भी वजह बनते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर को जरूरी पोषक तत्व न मिलने पर एनीमिया जैसी समस्या जन्म ले सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं बन पातीं, जिससे कमजोरी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

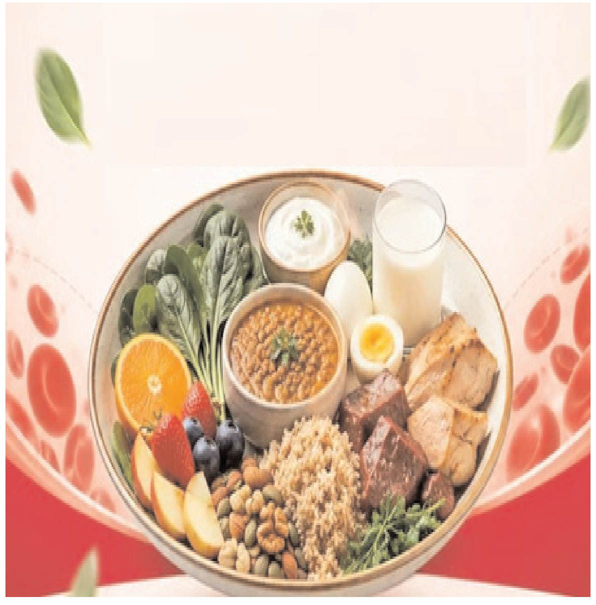

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, एनीमिया का एक प्रमुख कारण पौष्टिक आहार की कमी है। यदि रोजाना के आहार में आयरन, प्रोटीन, विटामिन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव हो तो शरीर में खून की कमी होने लगती है। यही कारण है कि संतुलित और पोषण से भरपूर भोजन को स्वस्थ जीवन की बुनियाद माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि केवल पेट भरना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि भोजन का पौष्टिक होना भी उतना ही जरूरी है। जंक फूड, अत्यधिक तला-भुना भोजन और पोषणहीन आहार लंबे समय में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में संतुलित और पौष्टिक भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। सही खानपान न केवल एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव करता है, बल्कि शरीर को स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि एनीमिया से बचाव के लिए लोगों को अपनी रोजाना की थाली में पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों आयरन का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा दालें, अंडे और मांसाहारी भोजन शरीर को जरूरी प्रोटीन और आयरन प्रदान करते हैं, जो खून बनने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मौसमी फलों का सेवन भी एनीमिया से बचाव में मददगार माना जाता है। फलों में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ पोषण संबंधी कमियों को दूर करने में सहायक होते हैं। वहीं, नट्स और बीज, जैसे बादाम, अखरोट और तिल, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं।

दूध और दही जैसे डेयरी उत्पाद भी संतुलित आहार का अहम हिस्सा हैं। इनके नियमित सेवन से शरीर को कैल्शियम और अन्य जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इसके साथ ही साबुत अनाज और मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने से शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और फाइबर प्राप्त होता है।

प्रेम धवन और खराब गाड़ी का किस्सा : जब सुरैया की 'देरी' बनी सुपरहिट गीत की प्रेरणा

मुंबई। भारतीय सिनेमा जगत के कुछ सितारे ऐसे रहे, जो लंबा समय गुजर जाने के बाद भी अपनी कलाकारी के जरिए दर्शकों के दिलों में रहे। ऐसे ही कालाकार थे प्रेम धवन... जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी माने जाते थे। उन्होंने संगीत जगत, देशभक्ति गीतों और कोरियोग्राफी के क्षेत्र में शानदार छाप छोड़ी। प्रेम धवन केवल एक गीतकार ही नहीं, बल्कि संगीतकार और कोरियोग्राफर भी थे, जिन्होंने अपने काम से भारतीय फिल्म जगत को नई दिशा दी।

प्रेम धवन का जन्म 13 जून 1923 को अंबाला में हुआ था। बचपन से ही उनका रुझान कला और संस्कृति की ओर था। उनके पिता जेल सुपरिटेंडेंट थे और उनकी नौकरी के कारण परिवार को कई शहरों में रहना पड़ा। बाद में उनका परिवार लाहौर पहुंचा, जहां उन्होंने पढ़ाई की। लाहौर कॉलेज में उनके सहपाठी इंद्र कुमार गुजराल और साहिर लुधियानवी जैसे नाम थे, जिन्होंने आगे चलकर देश और साहित्य में बड़ा योगदान दिया।

युवावस्था में ही प्रेम धवन स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए और कम्युनिस्ट विचारधारा से प्रभावित होकर इप्टा (इंडियन पीपल्स थिएटर एसोसिएसन) का हिस्सा बन गए। यहां उन्होंने नाटक, गीत और नृत्य के जरिए लोगों में आजादी की चेतना जगाने का काम किया। उन्होंने शास्त्रीय संगीत और नृत्य की भी शिक्षा ली, जिससे उनकी कला और निखर गई।

मुंबई आने के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। शुरुआती दौर में उन्होंने संगीतकारों के असिस्टेंट के रूप में काम किया और फिर साल 1946 में गीतकार के रूप में पहचान बनाई। फिल्म 'जिद्दी' और अन्य फिल्मों में उनके गीतों को काफी सराहा गया। धीरे-धीरे उन्होंने कई बड़े संगीतकारों जैसे सलील चौधरी, अनिल विश्वास, रवि और चित्रगुप्त के साथ काम किया और हिंदी सिनेमा को कई यादगार गीत दिए।

प्रेम धवन को विशेष रूप से उनके देशभक्ति गीतों के लिए याद किया जाता है। फिल्म 'शहीद' में उनका लिखा 'मेरा रंग दे बसंती चोला' आज भी लोगों के दिलों में जोश भर देता है। उनकी रचनात्मकता केवल गीत लेखन तक सीमित नहीं थी। उन्होंने कई फिल्मों में कोरियोग्राफी भी की और नृत्य निर्देशन में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। फिल्म 'नया दौर' जैसे गानों की कोरियोग्राफी में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा।

उनके जीवन से जुड़ी एक दिलचस्प घटना भी है। एक बार अभिनेत्री-गायिका सुरैया फिल्म 'मोती महल' की शूटिंग के लिए सेट पर देर से पहुंचीं क्योंकि उनकी कार रास्ते में खराब हो गई थी। जब उन्होंने यह बात टीम में सभी को बताई तो प्रेम धवन ने उसी अनुभव को एक गीत में बदल दिया और 'कभी ना बिगड़े किसी की मोटर रस्ते में...' बना डाला। यह गीत बाद में बेहद लोकप्रिय हुआ।

प्रेम धवन ने न केवल फिल्मी गीतों में बल्कि सामाजिक विषयों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री और देशभक्ति फिल्मों में भी काम किया। उन्हें 1970 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया। 7 मई साल 2001 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

इन 7 पौधों को उगाने के लिए नहीं चाहिए मिट्टी, घर में इस तरह लगाएं, आशियाने को बनाएं फ्रेश और सुंदर

कुछ पौधों को उगाने के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती. ये बड़े आराम से घर के अंदर कांच के बॉटल में पानी डालकर उग जाते हैं. घर के वातावरण को तो साफ रखते ही हैं, खूबसूरती भी बढ़ाते हैं. घर हमेशा फ्रेश महसूस होता है. आपको सिर्फ सप्ताह में पानी बदलना है और ये बढ़ते रहेंगे. जानें, ऐसे ही कुछ 7 पौधों के बारे में जिन्हें मिट्टी के बिना भी आप घर के अंदर उगा सकते हैं.

बिना मिट्टी के उगा सकते हैं ये पौधे.

काफी लोगों को गार्डनिंग का शौक होता है, लेकिन जिनके पास गार्डन एरिया नहीं होता, छत या बालकनी छोटी सी होती है, वे अपना फेवरेट पौधा नहीं लगा पाते हैं. आमतौर पर पौधे लगाने के लिए मिट्टी की जरूरत तो पड़ती ही है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि आप कुछ सुंदर पौधों को बिना मिट्टी के भी उगा सकते हैं? जी हां, आपको लगता है कि आपके पास स्पेस नहीं, बालकनी छोटी है तो आप परेशान न हों. आप कुछ पौधों को बिना मिट्टी यूज किए घर में आसानी से उगा सकते हैं. ये ऐसे पौधे हैं, जिन्हें बढ़ने के लिए मिट्टी नहीं बल्कि सिर्फ पानी की जरूरत होती है. इन पौधों को आप बड़े आराम से अपने घर के अंदर, बालकनी में सजावट के तौर पर लगा सकते हैं.

बिना मिट्टी के उगा सकते हैं ये पौधे

कुछ पौधे आप बिना मिट्टी के पानी, कंकड़ या हाइड्रोपोनिक सिस्टम की मदद से आसानी से उगा सकते हैं. ये पौधे घर की सजावट के साथ-साथ हवा को भी ताजा रखने में मदद करते हैं.

1. मनी प्लांट- मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है जो मिट्टी के साथ ही पानी में भी जीवित रह सकता है. इसकी एक बेल को आप शीशे के बॉटल में पानी भर कर डाल दें, ये हरा-भरा रहेगा. लगातार ये बढ़ता रहेगा. एक सप्ताह के गैप में पानी बदलते रहें.

2. लकी बैंबू - लकी बैंबू को भी मिट्टी के बिना सिर्फ पानी में डालकर उगाया जा सकता है. इसे बॉटल, ग्लास कंटेनर में पानी और कुछ छोटे कंकड़ों को डालकर उगा सकते हैं. लकी बैंबू को काफी लोग अपने घर में रखना पसंद करते हैं, क्योंकि ये बेहद शुभ और पॉजिटिव एनर्जी का पौधा माना जाता है.

3. फिलोडेंड्रॉन -इस पौधे के पत्ते हार्ट शेप जैसे नजर आते हैं. घर में लोग इसे सजावट को तौर पर रखा जाता है. घर को तरोताजा बनाता है. वातावरण साफ करता है. ये पौधा भी पानी में अच्छी तरह से बढ़ सकता है. घर के किसी भी कोने में रख दें. इसे अधिक रोशनी की भी जरूरत नहीं होती है.

4. पोथोस - ये पौधा भी पानी में तेजी से बढ़ता है. पोथोस की कटिंग को पानी में रख दें. आप देखेंगे इसमें कुछ ही दिनों के अंदर जड़ें निकलने लगी हैं. अच्छे से रेगुलर पानी बदलते रहेंगे, गले पत्तों, तनों की कटाई करते रहेंगे तो तेजी से विकसित होने लगता है.

5. स्पाइडर प्लांट- इस पौधे की एक छोटे से तने को पानी में डालकर रख दें. इससे एक नया पौधा निकल आएगा. स्पाइडर प्लांट घर की हवा को शुद्ध करता है.

6. पुदीना - पुदीने की डंठल को भी आप पानी के जार में रख दें तो कुछ दिनों में जड़ें निकल आएंगी. फिर इसका पानी बदलते रहें, ये हरा-भरा रहेगा और घर को खुशबू से भर देगा. पुदीने का इस्तेमाल आप घर में चटनी, कूल समर ड्रिंक आदि बनाने के लिए कर सकते हैं.

7. तुलसी - यदि आपके घर में गमले में तुलसी लगी हुई है और वह सूखने लगी तो एक कांच के जार में आप बची हुई ताजी कटिंग को काटकर डाल दें. हालांकि, जब जड़ निकल आए तो इसे मिट्टी में अच्छी तरह से दबाकर लगाने से अच्छी वृद्धि होती रहती है. इनके अलावा आप, हरा प्याज, लेट्यूस अजवाइन , सेलेरी को भी पानी में उगा सकते हैं.

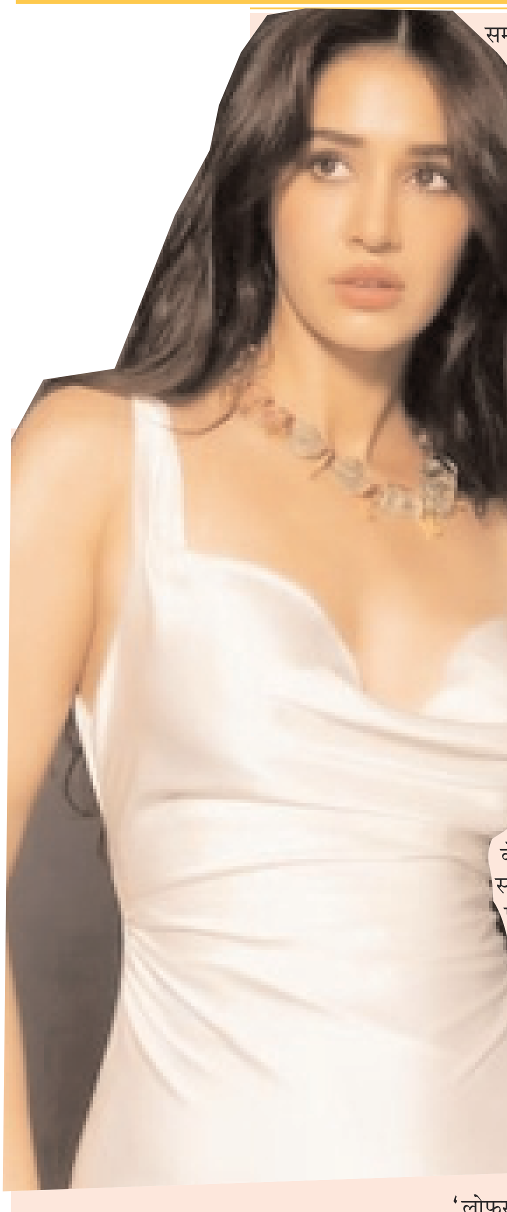

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनकी सफलता की कहानी उतनी आसान नहीं रही, जितनी बाहर से लोगों को दिखाई देती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष किया है। एक समय ऐसा भी था जब वह बेहद कम पैसों के साथ मुंबई आई थीं और मेहनत के दम पर ये मुकाम हासिल किया।

दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड के टनकपुर से जुड़ा हुआ है। उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस विभाग में अधिकारी रहे, जबकि उनकी मां स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थीं। बचपन से ही दिशा पढ़ाई में अच्छी थीं। उन्होंने कभी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। वह एयरफोर्स पायलट या साइंसटिस्ट बनना चाहती थीं। उन्होंने इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई की।

कॉलेज के दिनों में उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। एक दोस्त ने उन्हें मॉडलिंग कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने की सलाह दी, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। इसके बाद उन्हें मॉडलिंग के कई मौके मिलने लगे। धीरे-धीरे विज्ञापन जगत में भी उनकी पहचान बनने लगी। उन्होंने कई विज्ञापनों में काम किया। कैमरे के सामने एक्टिंग करने के इस अनुभव ने उन्हें फिल्मों में लाकर खड़ा कर दिया।

दिशा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए एक इंटरव्यू में बताया था कि वह केवल 500 रुपए लेकर मुंबई पहुंची थीं। उस समय उनके पास कोई बड़ा सहारा नहीं था। उन्होंने परिवार से आर्थिक मदद लेने के बजाय खुद मेहनत करके आगे बढ़ने का फैसला किया। मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं था, लेकिन दिशा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार ऑडिशन दिए, मॉडलिंग की और अपने सपनों को सच करने के लिए दिन-रात मेहनत की। यही संघर्ष बाद में उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बना।

साल 2015 में दिशा को पहली बड़ी सफलता तेलुगु फिल्म 'लोफर' से मिली। इस फिल्म में उनके काम को सराहा गया। इसके बाद साल 2016 में उन्हें हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की पहली प्रेमिका प्रियंका झा का किरदार निभाया था। भले ही उनका रोल लंबा नहीं था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

गुल्लक सीजन 5 का ओटीटी पर धमाल, जमील खान, हर्ष मयार और हेली शाह ने खोले सेट के दिलचस्प राज

मुंबई। पारिवारिक ड्रामा वेब सीरीज 'गुल्लक सीजन 5' ओटीटी पर धमाल मचा रहा है। यह शो मिश्रा परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी, खट्टे-मीठे पलों और आर्थिक चुनौतियों की सादगी भरी कहानी को दिखाता है। सीरीज के कलाकारों ने आईएएनएस के साथ बातचीत की और अपने अनुभव को शेयर किया।

सीरीज में पिता संतोष मिश्रा का मुख्य किरदार निभाने वाले मशहूर अभिनेता जमील खान ने आईएएनएस के साथ बातचीत में सीजन को लेकर दिलचस्प बातें शेयर कीं। जमील खान ने कहा, 'इस सफर में ऑफिस की जिम्मेदारियों और एक पिता की भूमिका के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती रही है। इन दोनों चीजों से जुड़े संघर्षों को निभाना, अपने परिवार को आगे बढ़ाना, बच्चों को क्या देना है और क्या नहीं, इसका फैसला करना, हर परिस्थिति में उनका सहारा बनना और जिंदगी में आने वाले हर बदलाव को संभालना ही संतोष मिश्रा की असल कहानी है। उन्होंने आगे कहा, ''गुल्लक' की यह खासियत रही है कि यह हमेशा हमें हंसाता है और देखते-देखते कभी-कभी हमारी आंखें भी नम कर देता है। इस बार भी दर्शकों को वही सब देखने को मिल रहा है और जिन्होंने इसे देखा है, वे इसका भरपूर आनंद ले रहे हैं।

सीरीज में हर्ष मयार ने अमन छोटे लड़के का किरदार निभाया है। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'जिन्होंने इस शो को देखा है उन्होंने हमारी सीरीज को भरपूर प्यार दिया है।

'भारत भाग्य विधाता' की कहानी ने दर्शकों को झकझोरा, बोले- 'ऐसा लगा जैसे हम 26/11 के दौर में पहुंच गए हों'

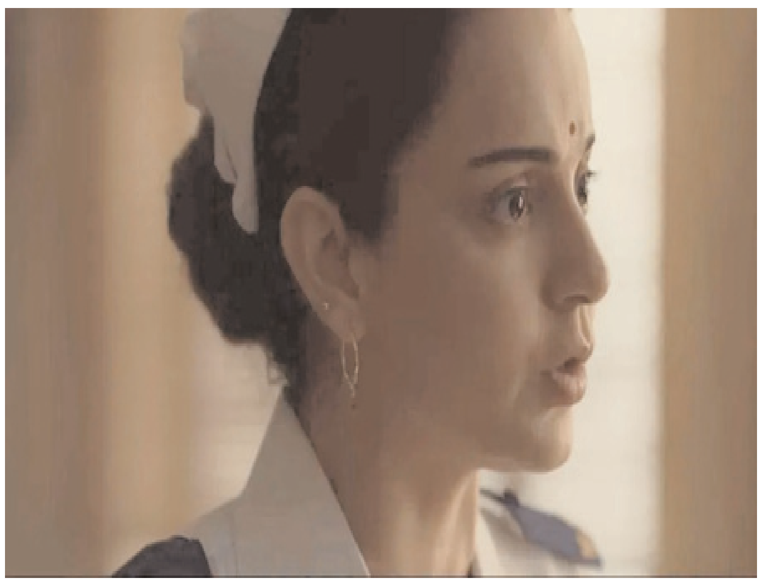

मुंबई। कंगना रनौत की बहुचर्चित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा थी। रिलीज के पहले दिन फिल्म देखने पहुंचे दर्शकों ने अपने अनुभव साझा किए। ज्यादातर दर्शकों ने फिल्म की कहानी और कंगना रनौत के अभिनय की सराहना की, हालांकि कुछ लोगों ने इसमें कुछ कमियां भी गिनाईं।

फिल्म देखने के बाद एक दर्शक ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''फिल्म की कहानी और कलाकारों की एक्टिंग काफी अच्छी है, लेकिन मेरा मानना है कि 26/11 हमले के कुछ दृश्यों को और अधिक वास्तविक तरीके से दिखाया जा सकता था। हालांकि, फिल्म का मूल संदेश प्रभावशाली है। यह बताती है कि हर कर्मचारी की अपनी अहमियत होती है।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'यह फिल्म उन लोगों को जरूर देखनी चाहिए, जो अक्सर ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को ज्यादा महत्व देते हैं। आम कर्मचारी भी उतने ही जरूरी होते हैं। फिल्म यह समझाने में सफल रही है कि नर्सें और अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। कंगना रनौत ने अपने किरदार को बहुत समझदारी के साथ निभाया है। फिल्म में किसी तरह का राजनीतिक एंगल नहीं है।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'फिल्म उन लोगों को ज्यादा पसंद आएगी, जो गंभीर कहानियां देखना पसंद करते हैं। मसालेदार मनोरंजन की तलाश करने वाले दर्शकों को यह फिल्म अलग लग सकती है। कंगना का अभिनय दिल को छू जाता है। यह फिल्म नर्सिंग पेशे के प्रति लोगों की सोच बदलने का काम करती है। हालांकि, फिल्म का अंत थोड़ा कमजोर है, लेकिन मेरा मानना है कि यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'फिल्म में 26/11 हमले को नर्सों के नजरिए से दिखाना इसकी सबसे बड़ी ताकत है। यह महसूस कराती है कि उस रात अस्पताल के भीतर मौजूद लोगों ने कितना डर और तनाव झेला होगा। फिल्म में अस्पताल का माहौल, मरीजों की चिंता और नर्सों की जिम्मेदारी को काफी प्रभावी ढंग से दिखाया गया है। कंगना ने दमदार एक्टिंग की है। फिल्म में किसी तरह का राजनीतिक एजेंडा नहीं दिखाई देता।

कुछ दर्शकों ने फिल्म देखने के बाद नर्सों के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया। एक महिला दर्शक ने कहा, 'फिल्म देखने के बाद मेरा हर नर्स को सलाम करने का मन कर रहा है। कंगना ने अपने किरदार में जान डाल दी है और लंबे समय बाद ऐसी फिल्म देखने को मिली है, जो दिल को छू जाती है।

एक अन्य दर्शक ने फिल्म को पुरस्कार जीतने योग्य बताया। उन्होंने कहा, 'निर्देशक और पूरी कलाकार टीम ने शानदार काम किया है। फिल्म का माहौल इतना वास्तविक है कि एक पल को ऐसा महसूस होता है मानो आप खुद 26/11 के दौर में मौजूद हों।

फिल्म की कहानी 26 नवंबर 2008 की उस भयावह रात पर आधारित है, जब मुंबई आतंकी हमलों से दहल उठा था। कहानी कामा अस्पताल की नर्स गीता माधव गांधारे के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार कंगना रनौत ने निभाया है। फिल्म दिखाती है कि कैसे अस्पताल की साधारण नर्सें अचानक एक असाधारण परिस्थिति का सामना करती हैं। जब आतंकवादी अस्पताल में घुस जाते हैं, तब ये नर्सें बिना किसी हथियार और सुरक्षा के मरीजों, नवजात शिशुओं और अस्पताल में मौजूद सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए आगे आती हैं।

फिल्म का पहला हिस्सा नर्सों की रोजमर्रा की जिंदगी, उनके संघर्ष और अस्पताल के माहौल को दिखाता है। वहीं, दूसरे हिस्से में 26/11 हमले की घटनाओं को दर्शाया गया है।

अब होगा हिसाब का दमदार ट्रेलर रिलीज, भाई को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार शहीर शेख

मुंबई। अमेजन एमएक्स प्लेयर की आगामी क्राइम-थ्रिलर ड्रामा सीरीज 'अब होगा हिसाब' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज कर दिया गया है। यह सीरीज लालच, नैतिकता और बदले की एक दमदार कहानी पर आधारित है। पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज दो भाइयों, बॉबी और बंटी मनोचा की कहानी है, जिनकी जिंदगी एक अहम मोड़ पर हमेशा के लिए बदल जाती है।

2 मिनट 2 सेकंड का ट्रेलर काफी दिलचस्प नजर आ रहा है। इसकी कहानी एक जबरदस्त सवाल पर टिकी है, 'आप अपनों के लिए किस हद तक जा सकते हैं?

ट्रेलर की शुरुआत बॉबी और बंटी मनोचा (शहीर और अविनाश मिश्रा द्वारा अभिनीत) की जिंदगी की एक दिलचस्प झलक दिखाता है। बॉबी अपने छोटे भाई बंटी को बेहतर जिंदगी देने के लिए उसे विदेश भेजना चाहता है, क्योंकि उसे लगता है कि विदेश जाकर ही बंटी की किस्मत बदलेगी। लेकिन जो सपना एक उम्मीद के साथ शुरू होता है, वह जल्द ही एक बुरे सपने में बदल जाता है। क्योंकि शहर में अचानक से लोग गायब होने लगते हैं। इसी बीच कहानी में एक खतरनाक मोड़ पर आता है, जब संजय कपूर का किरदार (गोल्डी), जो कि एक बहुत ताकतवर और रसूखदार इंसान है। बंटी को एक बड़ा ऑफर देता है।

इस ऑफर के कुछ ही समय बाद बंटी अचानक से गायब हो जाता है और पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगता है। बंटी के गायब होते ही वह शक, धोखे और झूठे आरोपों के एक खतरनाक जाल में फंस जाता है।

अपने भाई के भविष्य और जिंदगी को दांव पर लगा देख, बॉबी समय के खिलाफ एक मुश्किल दौड़ में शामिल हो जाता है। जैसे-जैसे राज खुलते हैं और हालात गंभीर होते जाते हैं, एक सवाल बना रहता है, बॉबी अपने भाई को बचाने और सच का पता लगाने के लिए किस हद तक जाएगा?

दिव्यांशु मल्होत्रा द्वारा निर्देशित सीरीज में संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, निमरित कौर अहलूवालिया, हरमन सिंगा और असीमा वरदान जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 18 जून से यह सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होगी, जिसे दर्शक मोबाइल, कनेक्टेड टीवी, अमेजन शॉपिंग ऐप समेत कई अन्य प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे।

'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में दिखेगी ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की असली समस्याएं : अमोल पराशर

मुंबई। अभिनेता अमोल पराशर ने अपने लोकप्रिय शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन को लेकर बताया कि यह सीरीज ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े असली और चिंताजनक मुद्दों को सामने लाती है।

शो में डॉ. प्रभात का किरदार निभा रहे अमोल पराशर के अनुसार, नया सीजन कहानी को आगे बढ़ाते हुए कई नई चुनौतियों और अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में पेश करता है। अमोल पराशर ने बताया कि इस बार उनके किरदार का सफर भातखंडी गांव में आगे बढ़ता है, जहां उसे कुछ सफलताएं मिलती हैं, लेकिन साथ ही कई नई मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है। इस सीरीज की खासियत यह है कि यह सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज से जुड़े वास्तविक मुद्दों को भी उजागर करती है।

अभिनेता के अनुसार, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं को शो में बेहद सरल और भावनात्मक तरीके से दिखाया गया है। कहानी में कॉमेडी, अपनापन और भावनाओं का संतुलन है, जिससे यह हर उम्र और वर्ग के दर्शकों से जुड़ती है। यही बात शो को खास बनाती है कि यह गंभीर विषयों को भी सहज और दिलचस्प अंदाज में पेश करती है।

मेकर्स ने हाल ही में दूसरे सीजन का ट्रेलर सोशल मीडिया पर जारी किया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे डॉ. प्रभात भातखंडी के कम सुविधाओं वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सुधारने की लगातार कोशिश करते हैं। सीरीज की रिलीज डेट 23 जून तय की गई है और यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। शो में चेतन कुमार का किरदार निभा रहे अभिनेता विनय पाठक ने कहा कि नए सीजन में किरदारों के रिश्ते गहरे हो गए हैं और उनकी चुनौतियां भी पहले से अधिक जटिल हो गई हैं।

'काला हिरण' फिल्म विवाद : दिल्ली हाईकोर्ट ने निर्माताओं को भेजा नोटिस, 19 जून को अगली सुनवाई

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान द्वारा फिल्म 'काला हिरण : द बैटल फॉर लेगेसी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने की। इस दौरान अदालत ने फिल्म के निर्माता अमित जानी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 19 जून को होगी।

सुनवाई के दौरान सलमान खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता निजाम पाशा ने अदालत को बताया कि अभिनेता के पर्सनैलिटी राइट्स पहले से ही हाईकोर्ट द्वारा संरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारों में सलमान खान की छवि, उनकी पहचान, उनके जैसा दिखने वाला स्वरूप और उनसे जुड़ी अन्य व्यक्तिगत विशेषताएं शामिल हैं।

सलमान खान की ओर से अदालत में यह भी कहा गया कि 29 मई को फिल्म का एक पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें एक व्यक्ति को सलमान खान जैसा दिखाया गया है। उस व्यक्ति ने वही खास ब्रेसलेट भी पहना हुआ है, जिसे सलमान खान लंबे समय से पहनते आ रहे हैं। याचिकाकर्ता का आरोप है कि फिल्म के प्रचार में उनकी पहचान और छवि का इस्तेमाल बिना अनुमति किया जा रहा है।

अभिनेता के वकील ने अदालत को बताया कि साल 1998 के काला हिरण शिकार मामले से जुड़े चार मामलों में से तीन में सलमान खान को राहत मिल चुकी है, जबकि एक मामला अभी अपील के साथ लंबित है। उनका कहना है कि फिल्म और उससे जुड़े प्रचार वाले कंटेंट के कारण उनका नाम लगातार विवादों के साथ जोड़ा जा रहा है और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान सार्वजनिक रूप से दिए जा रहे हैं।

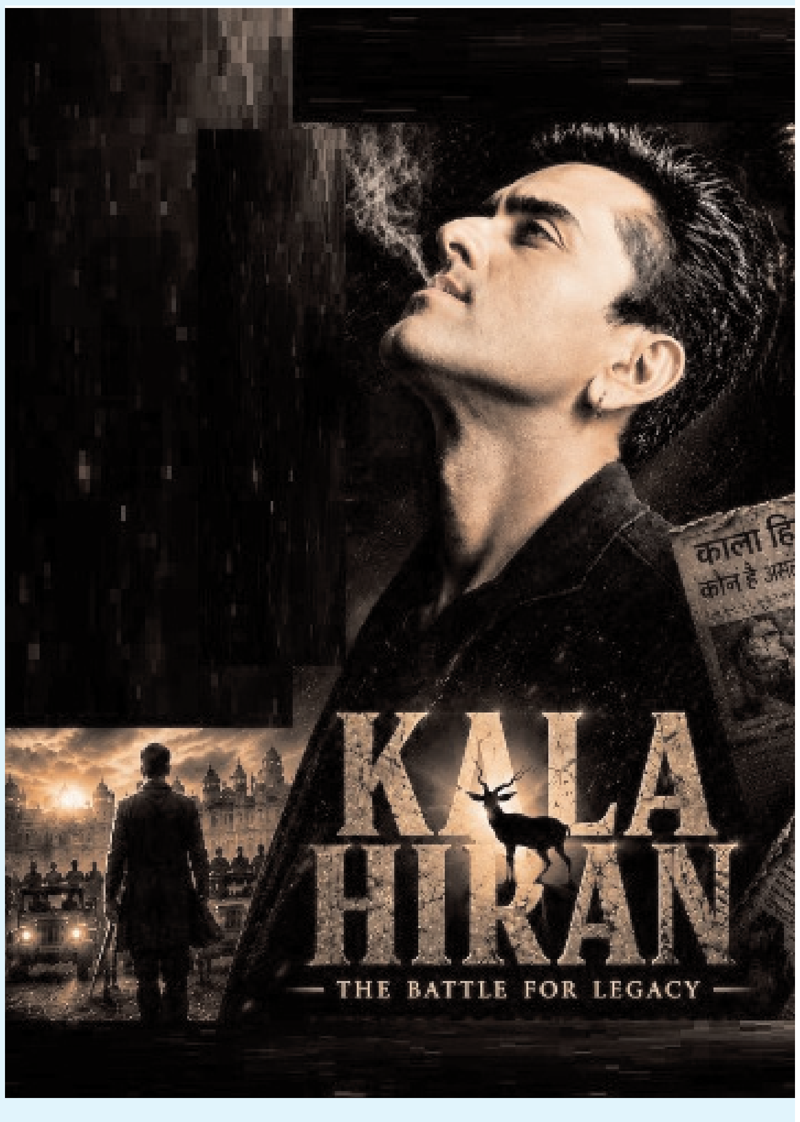

सलमान खान ने अपनी याचिका में फिल्म के निर्माता अमित जानी, जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, निर्देशक भरत एस. श्रीनाते, अक्षय पांडेय और अन्य संबंधित लोगों को पक्षकार बनाया है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि फिल्म के निर्माण, वितरण, प्रचार और रिलीज पर रोक लगाई जाए। याचिका में कहा गया है कि फिल्म का पोस्टर और अन्य प्रचार वाले कंटेंट उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन करते हैं। अभिनेता का दावा है कि उनकी पहचान और सार्वजनिक छवि का उपयोग व्यावसायिक लाभ के लिए किया जा रहा है, जो कानूनी रूप से गलत है।

'काला हिरण : द बैटल फॉर लेगेसी' 1998 के चर्चित काला हिरण शिकार मामले और उससे जुड़े घटनाक्रमों पर आधारित बताई जा रही है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक और ट्रेलर भी जारी किया गया है। सलमान खान की कानूनी टीम पहले ही फिल्म निर्माताओं को नोटिस भेज चुकी है और अब मामला दिल्ली हाईकोर्ट में विचाराधीन है। अदालत इस मामले में 19 जून को आगे की सुनवाई करेगी।

अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने के खिलाफ सीमा पर प्रदर्शन की योजना बना रहा जमात

नई दिल्ली। भारत की खुफिया एजेंसियां भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी नजर रख रही हैं। जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को कथित तौर पर घुसाने के खिलाफ बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे जिलों में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन शुरू होने वाले हैं। इसके साथ ही 15 जून को एक रैली और जुलूस निकालने की योजना भी है।

एक अधिकारी के अनुसार, इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान बांग्लादेश की कुछ राजनीतिक पार्टियां अवैध प्रवासियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई को लेकर ऐसे दावे प्रचारित करने की कोशिश कर सकती हैं, जिन्हें भारतीय एजेंसियां भ्रामक और गलत जानकारी मानती हैं।

अधिकारी ने कहा कि भारत की ओर से सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है, फिर भी जमात ने घुसपैठ के आरोप लगाए हैं और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर सीमा क्षेत्रों में बांग्लादेशी नागरिकों की हत्या करने का आरोप भी लगाया है।अधिकारी ने कहा, 'यह जानकारी और कहानी जो बनाई जा रही है, वह पूरी तरह से झूठी है। इसका मकसद लोगों को भारतीय सरकार के खिलाफ भड़काना और गलत जानकारी फैलाकर बीएसएफ को भी निशाना बनाना है।'

गठबंधन ने तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार पर इस मुद्दे पर बहुत नरम रवैया अपनाने और भारत के साथ मिली होने का भी आरोप लगाया है। खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश में 11 पार्टियों के गठबंधन के दो मुख्य मकसद हैं। इनका एक मकसद गलत जानकारी फैलाने वाला अभियान चलाना और दूसरा भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव पैदा करना है।

इस साल की शुरुआत में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद, भारत और बांग्लादेश दोनों ने अपने संबंध ठीक किए हैं और अलग-अलग मुद्दों पर काम कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश ने संकेत दिया है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहता है और भारत की रणनीतिक अहमियत को समझता है। हालांकि, जमात का रुख भारत समर्थक नहीं माना जाता है। भारतीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के बाद जमात ने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के साथ मिलकर भारत में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई थी।

बांग्लादेश में भगवान राम की प्रतिमा के निर्माण पर प्रशासन ने लगाई रोक, तनाव बढ़ा

ढाका। बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में स्थित श्रीश्री राधागोविंद और काली मंदिर परिसर में भगवान राम की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा के निर्माण पर रोक लगा दी गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह आदेश वहां के अधिकारियों ने दिया है। मंदिर के सलाहकार श्यामल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर के सभागार में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की।

इस फैसले के बाद कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आलोचकों का कहना है कि यह रोक उन इस्लामिक समूहों के दबाव में लगाई गई है जो इस प्रोजेक्ट के खिलाफ थे। निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने इस पूरे मामले में हो रही धमकियों, भड़काऊ बयानों और विरोध की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सवाल उठाया किन जहां सैकड़ों हजार मस्जिदें हैं और लगातार नई मस्जिदें बन रही हैं, फिर भी एक अकेले हिंदू मंदिर के निर्माण का विरोध क्यों किया जा रहा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं, और देश भर में नई मस्जिदें भी बनती रहती हैं। तो फिर भगवान राम के एक मंदिर या प्रतिमा के निर्माण का इतना विरोध क्यों हो रहा है? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सबके लिए है, तो यह सिर्फ बहुसंख्यक के लिए नहीं, बल्कि अल्पसंख्यकों के लिए भी होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'पलाशबाड़ी, गाइबांधा में बन रहे राम मंदिर को लेकर जो धमकियां, भड़काऊ बातें और नफरत फैलाने वाला माहौल बनाया जा रहा है, वह बहुत चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति या समूह को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को सिर्फ इसलिए नष्ट करे क्योंकि उसे वह पसंद नहीं है। एक कानून के शासन वाले देश में धार्मिक विवादों का हल हिंसा या बर्बरता से नहीं निकाला जाता।' तस्लीमा नसरीन ने यह भी कहा कि यह स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि पलाशबाड़ी का पहले भी मंदिरों पर हमलों और मूर्तियों के नुकसान का इतिहास रहा है, जिससे हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय खुद को

संक्षिप्त खबर

नवनियुक्त उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी पहुंचे बांग्लादेश, डिप्टी हाईकमिश्नर ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय दूतावास की ओर से बांग्लादेश पहुंचने पर नवनियुक्त उच्चायुक्त व पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी और उनकी पत्नी मीनल त्रिवेदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पेट्रापोल-बेनापोल बॉर्डर से पहुंचने पर डिप्टी हाई कमिश्नर पवन बधे ने उनका स्वागत किया। बांग्लादेश में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बांग्लादेश के अगले उच्चायुक्त पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी और उनकी पत्नी मीनल त्रिवेदी का हार्दिक स्वागत है। शुक्रवार को हाई कमिश्नर-डिज़िग्नेट पेट्रापोल-बेनापोल बॉर्डर चेकपोस्ट से बांग्लादेश में दाखिल हुए, जहां उनका स्वागत उप-हाई कमिश्नर पवन बधे ने किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पहले आईएफएस प्रणय वर्मा ये जिम्मेदारी संभाल रहे थे। आईएफएस प्रणय वर्मा को बेल्जियम और यूरोपीय संघ (ईयू) में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। ब्रुसेल्स स्थित भारतीय दूतावास यूरोपीय संघ के साथ-साथ लक्जमबर्ग के लिए भी आधिकारिक मिशन के रूप में कार्य करता है।

भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका की कार्रवाई की निंदा

ईरान ने जहाजों पर हमलों को बताया 'समुद्री डकैती'

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने अमेरिका पर भारतीय वाणिज्यिक जहाजों पर हमले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इन घटनाओं में भारतीय नाविकों की मौत पर दुख जताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'अमेरिका की ओर से भारतीय वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए क्रूर हमले, जिनमें तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, इस बात का साफ सबूत हैं कि अमेरिका की मौजूदा नीति सशस्त्र डकैती और राज्य-स्तरीय समुद्री लूट जैसी है। हम मारे गए भारतीय नाविकों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और भारतीय लोगों तथा सरकार के प्रति गहरी शोक-सहानुभूति प्रकट करते हैं।' बाघेई ने पोस्ट में आगे कहा किया अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चाहिए कि वह अमेरिका को उसके इस कानून-विरोधी व्यवहार के लिए जवाबदेह ठहराए, जो लगातार वैश्विक शांति और सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है और समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता को भी जोखिम में डाल रहा है। अमेरिकी बलों ने ईरानी तेल ले जाने की कोशिश कर रहे एक और टैंकर को निष्क्रिय कर दिया।

महिला ड्रेस कोड को लेकर विरोध-प्रदर्शन में बल प्रयोग दो लोगों की मौत पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

जिनेवा। अफगानिस्तान में महिलाओं पर लगाए गए सख्त ड्रेस कोड को लेकर हो रहे प्रदर्शनों पर बल प्रयोग को लेकर संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने चिंता जताई। इन प्रदर्शनों में एक लड़के समेत दो लोगों की मौत हो गई और बीस से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

विशेषज्ञों के अनुसार, ये प्रदर्शन इसलिए शुरू हुए क्योंकि 6 और 7 जून को अफगानिस्तान के हेरात शहर में कई महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

विशेषज्ञों ने कहा, 'कानून लागू कराने के दौरान बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत बहुत सीमित परिस्थितियों में ही किया जा सकता है। यह तभी जायज है जब यह कानूनी हो, जरूरी हो और जितना जरूरी हो उतना ही हो, और इसमें अधिकारियों या दूसरों के लिए खतरे के अनुपात में हो। साथ ही इसमें सावधानी, भेदभाव न होना और जवाबदेही जैसे सिद्धांतों का पालन होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान में मौजूदा सत्ता के तौर पर तालिबान को उन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समझौतों का पालन करना चाहिए जिनका अफगानिस्तान हिस्सा है, जैसे कि नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय अनुबंध, यातना के खिलाफ संधि और महिलाओं के खिलाफ सभी तरह के भेदभाव को खत्म करने वाली संधि।' विशेषज्ञों ने बताया कि 9 जून को हेरात में लोग सड़कों पर उतरे और लगातार बढ़ते 'कठोर प्रतिबंधों' तथा महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिए जाने का विरोध किया। आरोप है कि तालिबान के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई और उनकी पिटाई भी की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण हिरासत में लेना बेहद चिंताजनक है और यह गैरकानूनी हिरासत हो सकती है, क्योंकि इससे उनके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लैंगिक भेदभाव से मुक्त रहने के अधिकार का उल्लंघन होता है।

अमेरिकी सीनेट की सुनवाई में चीन के साथ एआई की होड़ मुख्य मुद्दा बनी

वॉशिंगटन। अमेरिका की दोनों पार्टियों के सांसदों ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत नहीं करता है, तो उसे चीन के मुकाबले अपनी तकनीकी बढ़त खोने का खतरा हो सकता है। सीनेट की एक सुनवाई में राष्ट्रीय सुरक्षा, नौकरियों और एआई के तेजी से विस्तार को लेकर बढ़ती चिंताओं पर जोर दिया गया।

एआई पर सीनेट बैंकिंग कमेटी की सुनवाई में चेयरमैन टिम स्कॉट ने कहा कि अमेरिका को यह पक्का करना होगा कि एआई अर्थव्यवस्था को मजबूत करे और साथ ही चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों को रणनीतिक बढ़त हासिल करने से रोके।

स्कॉट ने कहा, 'आज, यह कमेटी एक सीधा लेकिन अहम सवाल पूछ रही है, हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सही इस्तेमाल कैसे करें?'

उन्होंने एआई को एक ताकतवर टूल बताया जो लागत कम कर सकता है, फाइनेंशियल सर्विस को बेहतर बना सकता है, छोटे व्यवसायों की मदद कर सकता है और नौकरियां पैदा कर सकता है। लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका 'चीन या किसी अन्य विरोधी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में तकनीकी बढ़त हासिल करने नहीं दे सकता।'

इस सुनवाई में वॉशिंगटन में दोनों पार्टियों के बीच सहमति का एक दुर्लभ उदाहरण देखने को मिला।

रैंकिंग मेंबर एलिज़ाबेथ वॉरेन ने ट्रंप प्रशासन की एआई नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए चीन को एडवांस्ड चिप्स और कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी के जाने पर भी चिंता जताई। वॉरेन ने कहा, 'एआई में बहुत संभावनाएं हैं। लेकिन अमेरिकी सही तौर पर चिंतित हैं कि यह हमारी अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रभावित कर सकता है।

फिनलैंड राष्ट्रपति स्टब ने भारत को बताया 'प्रभावशाली देश', जयशंकर के साथ वैश्विक मुद्दों पर की चर्चा

हेलसिंकी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने भारत को वैश्विक मंच पर एक 'प्रभावशाली देश' बताया और कहा कि नई दिल्ली की राय को सुनना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह बात हेलसिंकी में हुए 'कुलतारना टॉक्स' के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान कही।

मुलाकात के बाद स्टब ने 'एक्स' पर लिखा, 'आज हमने कुलतारना में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। हमने मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी की स्थिति, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कोशिशों और आने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन पर चर्चा की। भारत एक प्रभावशाली देश है, जिसकी राय सुनना बहुत महत्वपूर्ण है।'

दोनों नेताओं ने बदलती वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर जोर दिया कि आज के अनिश्चित माहौल में कूटनीति बहुत जरूरी है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इस मुलाकात की जानकारी 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, 'कुलतारना वार्ता के मौके पर फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब से मिलकर खुशी हुई। हमने बदलती वैश्विक स्थिति पर विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि इस अनिश्चित दुनिया में कूटनीति कितनी जरूरी है।'

उन्होंने कहा, 'भारत और फिनलैंड अपनी रणनीतिक साझेदारी को डिजिटल तकनीक और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और साझा हितों के मुद्दों पर बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत कर रहे हैं।'

क्यूबा की सरकारी तेल कंपनी पर अमेरिका के नए प्रतिबंध, ऊर्जा संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिका ने क्यूबा की सरकारी तेल एवं गैस कंपनी यूनियन क्यूबा-पेट्रोलियो (सीयूपीईटी) पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने हवाना पर आरोप लगाया है कि क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार ऊर्जा संसाधनों का इस्तेमाल दमनकारी नीतियों को बनाए रखने और शीर्ष नेतृत्व को लाभ पहुंचाने के लिए कर रही है।

इन प्रतिबंधों के तहत सीयूपीईटी की अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली सभी संपत्तियां और हित फ्रीज कर दिए जाएंगे तथा उनकी जानकारी अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) को देनी होगी।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कार्यकारी आदेश 14404 के तहत सीयूपीईटी को प्रतिबंधित संस्था घोषित करने की घोषणा की। रुबियो ने कहा कि क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार लंबे समय से ऊर्जा संसाधनों को दमन और भ्रष्टाचार के साधन के रूप में इस्तेमाल करती रही है। दशकों से बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश नहीं होने के कारण आम क्यूबाई नागरिक ईंधन की कमी और लगातार बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं, जबकि देश का नेतृत्व ऊर्जा संसाधनों का अपने हित में उपयोग कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि क्यूबा के नेताओं ने ऊर्जा की कमी के बावजूद तेल और ईंधन को दूसरे बाजार में बेचा। सेना और खुफिया एजेंसियों के लिए ऊर्जा का भंडारण किया और ऊर्जा आपूर्ति को सामाजिक नियंत्रण के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि जहां आम क्यूबाई नागरिक अपनी गाड़ियों में ईंधन भरवाने के लिए हफ्तों इंतजार करते हैं और लगातार बिजली संकट झेलते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है।

गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया।

सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे। '

श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने भारत दौरे से मिली सीख साझा की

कोलंबो। श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त से मुलाकात की और पिछले महीने भारत दौरे से मिली सीख और अनुभव साझा किए।

कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत और श्रीलंका में नारी शक्ति को मजबूती। श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने मई 2026 में भारत दौरे से मिली सीख और अनुभव शेयर करने के लिए हाई कमिश्नर संतोष झा से मुलाकात की।'

इसमें आगे कहा गया, 'जेंडर बजटिंग, महिलाओं और बच्चों के न्यूट्रिशन, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, डिजिटाइजेशन और कम्युनिटी एंगेजमेंट में सबसे अच्छे तरीकों को शेयर करने पर बात हुई।' भारतीय उच्चायोग के मुताबिक, श्रीलंका की 19 महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व महिला और बाल मामलों की मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही थीं, 10-16 मई तक भारत आया। इस प्रतिनिधिमंडल में 15 सांसद और श्रीलंका की संसद के चार अधिकारी शामिल थे, जिसमें सेक्रेटरी जनरल भी शामिल थे। यह श्रीलंका की महिला सांसदों के ग्रुप का पहला भारत दौरा है। इसे पार्लियामेंट्री रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसीज (प्राइड) ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर आयोजित किया था।

उच्चायोग ने कहा, 'डेलीगेशन को भारत के गवर्नेंस मॉडल और महिला सशक्तिकरण और बच्चों की भलाई के क्षेत्रों में खास पहलों के बारे में पूरी जानकारी दी गई, जिसमें दिल्ली पुलिस, आंगनबाड़ी वर्कर्स और महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स के साथ बातचीत भी शामिल थी।' यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के मिले-जुले विजन के तहत किया गया था, जिसका मकसद भारत और श्रीलंका की महिला नेताओं के बीच पार्लियामेंट्री सहयोग को गहरा करना और उनके बीच रिश्ते मजबूत करना है।

इस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी डेलीगेशन का स्वागत किया। वे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी मिले। हाई कमीशन के मुताबिक, बातचीत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, जेंडर इक्वालिटी, मैटरनल और चाइल्ड वेलफेयर, केयर इकॉनमी इनिशिएटिव, और पॉलिटिक्स और गवर्नेंस में महिलाओं की लीडरशिप के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने और बेस्ट प्रैक्टिस को शेयर करने पर केंद्रित थी। हाई कमीशन ने कहा, 'इस दौरे ने पार्लियामेंट्री जुड़ाव को गहरा करने और डेवलपमेंट के अनुभव शेयर करने के लिए भारत और श्रीलंका के लगातार कमिटमेंट को दोहराया।

ग्रेटर नोएडा में हाईटेक ई-बस सेवा शुरू, सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के लिए हाईटेक इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में तीन अत्याधुनिक ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन आधारित बसों का भी फ्लैग ऑफ किया गया।

नई व्यवस्था के तहत नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में 11-11-11 कुल 33 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इन बसों का संचालन बोटेनिकल गार्डन से किया जाएगा, जो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, सेक्टर-62, कौशांबी बस डिपो और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सहित प्रमुख स्थानों को आपस में जोड़ेंगी। इससे लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन ई-बसों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक बस में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मॉनिटरिंग ड्राइवर सीट से की जा सकेगी। बसों के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर भी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा बसों में पैनिक बटन, एसओएस अलर्ट सिस्टम और इमरजेंसी गेट जैसी सुविधाएं दी गई हैं। किसी भी आपात स्थिति में यात्री एसओएस बटन दबाकर चालक को तत्काल सूचना दे सकेंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और भरोसा दोनों मजबूत होंगे। कार्यक्रम के दौरान यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन आधारित मोबिलिटी परियोजना के अंतर्गत तीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों को भी रवाना किया गया। इन बसों का निर्माण एनटीपीसी दादरी द्वारा किया गया है और इन्हें यमुना प्राधिकरण के सहयोग से संचालित किया जाएगा। यह परियोजना देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों से उत्सर्जन के रूप में केवल पानी निकलता है, जिससे वायु प्रदूषण नहीं होता। परियोजना के तहत प्रतिदिन लगभग 2080 किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्पादन होगा, जो करीब 1750 पेड़ लगाने के बराबर माना जा रहा है। साथ ही प्रति वर्ष लगभग 1000 टन कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है।

यह परियोजना देश का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूलिंग स्टेशन भी है। 42 यात्रियों की क्षमता और 12 मीटर लंबाई वाली प्रत्येक हाइड्रोजन बस में एक बार में 56 किलोग्राम हाइड्रोजन भरी जा सकेगी, जिससे बस लगभग 750 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकेगी।

चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी फंड घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

दो अलग-अलग चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली/चंडीगढ़। सीबीआई ने हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ से जुड़े आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में गबन के मामलों में दो चार्जशीट दाखिल की हैं।

यह हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) के फंड के गलत इस्तेमाल से जुड़ा मामला है। हरियाणा सरकार के फंड के गलत इस्तेमाल से जुड़ी चार्जशीट सीबीआई पंचकूला के स्पेशल जज की अदालत में दाखिल की गई है। इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। ये दोनों प्राइवेट व्यक्ति हैं जिन्हें अपराध से मिली रकम का फायदा मिला था। हरियाणा सरकार के मामले में यह दूसरी चार्जशीट है।

गौरतलब है कि सीबीआई पहले ही 15 आरोपियों/कंपनियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिनमें तीन सरकारी कर्मचारी, 6 बैंकर, 2 कंपनियां और 4 प्राइवेट व्यक्ति शामिल हैं।

चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड से जुड़ी चार्जशीट चंडीगढ़ में सीबीआई के स्पेशल जज की अदालत में दाखिल की गई है। इस मामले में सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है, जिनमें पांच बैंक अधिकारी, सीएससीएल का एक अधिकारी और एक प्राइवेट व्यक्ति शामिल है। चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मामले में यह पहली चार्जशीट है। चार्जशीट में बताए गए अपराधों में आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और धोखाधड़ी के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध शामिल हैं।

संक्षिप्त खबर

कर्नाटक बिटकॉइन स्कैम मामले में कैबिनेट सब-कमेटी के पुनर्गठन पर विचार करेगी सरकार: प्रियांक खड़गे

बेंगलुरु। कर्नाटक में चर्चित बिटकॉइन स्कैम की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नेतृत्व वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) कर रही है, जिसमें राज्य के नेता भी शामिल हैं। इस मामले में गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि सरकार कैबिनेट की उप-समिति के पुनर्गठन की आवश्यकता की समीक्षा करेगी। खड़गे ने शुक्रवार को कहा, 'ईडी का एक मामला है, जो हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। पहले एक कैबिनेट सब-कमेटी बनाई गई थी। अब हम चर्चा करेंगे कि क्या इसे फिर से बनाने की जरूरत है।' 2017 के यूनोकॉइन बिटकॉइन चोरी मामले में एसआईटी द्वारा दायर चार्जशीट में कर्नाटक यूथ कांग्रेस के नेता मोहम्मद हारिस नलापाद का नाम शामिल है। नलापाद शांतिनगर से कांग्रेस विधायक एनए हारिस के बेटे हैं। 20 मई को बेंगलुरु की अदालत में पेश की गई चार्जशीट में मोहम्मद नलापाद के साथ-साथ कथित हैकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ ??श्रीकी और उनके अकाउंटेंट रॉबिन खंडेलवाल का नाम भी शामिल है। ईडी के नेतृत्व वाली एसआईटी ने मोहम्मद नलापाद को तीसरा नोटिस जारी किया है। एसआईटी की जांच से पता चला है कि बिटकॉइन को भारतीय मुद्रा में गैर-कानूनी रूप से बदलने के सिलसिले में नलापाद से जुड़े लेन-देन के जरिए करोड़ों रुपए का हेरफेर किया गया था।

गांवों और शहरों को अनुदान दिया जा रहा है और राज्य भर में विकास कार्य चल रहे हैं : चीमा

संगरूर। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि मैंने नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। अधिकारी हर सप्ताह समीक्षा बैठकें करेंगे, जबकि मैं पखवाड़े के आधार पर प्रगति की समीक्षा करूंगा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के व्यापारियों और कारोबारियों से बातचीत करने के लिए विभिन्न शहरों का दौरा करेंगे। व्यापार समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए एक व्यापारी आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग के माध्यम से उनकी कई चिंताओं का भी समाधान किया जाएगा। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कई स्थानों पर काम अधूरा पाया गया है। काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसा न होने पर, जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि अन्य स्थानों पर 80 प्रतिशत या 50 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। कुछ परियोजनाओं के पूरा होने की समय सीमा जुलाई है, जबकि अन्य के लिए यह अगस्त है। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि आज मैंने उपायुक्त कार्यालय में समीक्षा बैठक की। मैंने मौजूदा स्थिति का आकलन किया और चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री भगवंत मान गांवों और शहरों को अनुदान दे रहे हैं और राज्य भर में विकास कार्य चल रहे हैं। आज मैंने इन परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। इससे पहले हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि हसन प्रीत युवा, ऊर्जावान और उत्साही नेता हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि उन्हें बरनाला के पहले मेयर के रूप में चुना गया है। वह विकास के कार्यों को गति देने का काम करेंगे।

उपराज्यपाल ने दिल्ली के पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रमुख प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा के लिए डीडीए की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने यमुना रिवरफ्रंट डेवलपमेंट, जल निकायों के पुनरुद्धार, मानसून से पहले जलभराव रोकने की तैयारियों और राजधानी में चल रहे बड़े सामाजिक-आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह ने एक्स पोस्ट के माध्यम से बताया कि दिल्लीभर में पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी अहम परियोजनाओं पर 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' की समीक्षा के लिए यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अधिकारियों संग की बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सस्टेनेबल और वर्ल्ड-क्लास राजधानी के विजन के अनुरूप यमुना रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और यमुना बाजार व उससे सटे घाटों को फिर से बेहतर बनाने की व्यापक योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में फेज-1 के तहत 101 जल निकायों के तय समय में जीर्णोद्धार का भी जायजा लिया गया, जिसमें द्वारका और रोहिणी के प्रमुख प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अलावा, दिल्ली भर में हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, लक्जरी रिटेल और लॉजिस्टिक्स हब जैसे बड़े सामाजिक-आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की प्रगति की भी बारीकी से समीक्षा की गई।

मानसून से पहले पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के लिए अहम जोन और जलभराव वाले इलाकों में 'डीसिल्टिंग एक्शन प्लान 2026' की स्थिति की सघन निगरानी की गई। साथ ही 15 जून की समय-सीमा से पहले सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूम की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। एक मजबूत, प्रगतिशील और विकसित दिल्ली बनाने के लिए इन पहलों का समय पर क्रियान्वयन बहुत जरूरी है।

स्पेशल नीड बच्चों की सुरक्षा के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस का बड़ा कदम

नोएडा। स्पेशल नीड बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा 'ऑपरेशन अपराजेय' के अंतर्गत एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पुलिस आयुक्त कार्यालय, सेक्टर-108 स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित हुई, जिसमें पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संवेदनशील बच्चों के प्रति जागरूक एवं उत्तरदायी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि स्पेशल नीड बच्चों की सुरक्षा केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन अपराजेय' का मुख्य उद्देश्य स्पेशल नीड बच्चों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत एवं सतत सहयोग प्रणाली विकसित करना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें समयबद्ध और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इस अभिनव पहल की शुरुआत गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट से की गई है और भविष्य में इसे अन्य जिलों एवं पुलिस इकाइयों के लिए भी एक मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई परिवारों में माता-पिता के कार्यरत होने के कारण बच्चों की देखभाल के लिए केयर टेकर रखे जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में केयर टेकर द्वारा लापरवाही या अनुचित व्यवहार की घटनाएं सामने आती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए पुलिस की सक्रिय और सहयोगात्मक भूमिका आवश्यक है।

नासिक टीसीएस केस : निदा खान समेत अन्य दो आरोपियों की जमानत याचिका पर 19 जून को होगी सुनवाई

नासिक। नासिक के चर्चित टीसीएस कॉर्पोरेट जिहाद एवं धर्मांतरण प्रकरण में आरोपी निदा खान सहित अन्य दो आरोपियों द्वारा दाखिल जमानत याचिका पर अब 19 जून को सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपियों के वकीलों की दलीलें सुनीं और जमानत याचिका पर आगे की सुनवाई तथा निर्णय के लिए 19 जून की तारीख निर्धारित की।

मामले में सरकारी पक्ष की ओर से भी 19 जून को अपना पक्ष रखा जाएगा। इसके बाद न्यायालय जमानत याचिका पर निर्णय ले सकता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए दो बार तारीख दी जा चुकी है, लेकिन विभिन्न कारणों से मामले की सुनवाई आगे बढ़ाई गई थी। अब नाशिक के बहुचर्चित कॉर्पोरेट जिहाद एवं धर्मांतरण प्रकरण में आरोपी निदा खान सहित अन्य दो आरोपियों की जमानत याचिका पर 19 जून को सुनवाई होने वाली है। पुलिस के अनुसार, टीसीएस कंपनी से जुड़े इस प्रकरण में अत्याचार और धार्मिक भावना आहत करने के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियां इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही हैं और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। इससे पहले, अदालत ने इस मामले में आरोपी निदा खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज था। रिमांड खत्म होने के बाद पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था। निदा खान को 7 मई को छत्रपति संभाजीनगर के नरेगांव क्षेत्र स्थित कैसर कॉलोनी के एक आवासीय अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि यह पूरा विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय में कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने अपने सहकर्मी दानिश शेख के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दानिश शेख ने पहले से विवाहित होने के बावजूद शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जांच आगे बढ़ने पर कई अन्य महिलाओं ने भी नासिक शाखा के वरिष्ठ कर्मचारियों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए। महिलाओं का कहना है कि फरवरी 2022 से मार्च 2026 के बीच उन्हें मानसिक और यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी शिकायतों को मानव संसाधन विभाग ने नजरअंदाज कर दिया।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर कांग्रेस का प्रदर्शन, जीतू पटवारी बोले- गिरफ्तारी देने को तैयार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया। इस दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यदि उन्हें प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई तो वे गिरफ्तारी देने के लिए भी तैयार हैं।

प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में जीतू पटवारी ने कहा, 'अगर चुनाव आयोग हमारी बात नहीं सुनता, राष्ट्रपति हमारी बात नहीं सुनते और हमें सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जाती, तो हम गिरफ्तारी देने के लिए तैयार हैं।'

उन्होंने कहा, 'देश की जनता को देखना चाहिए कि सरकार का रवैया कितना अलोकतांत्रिक हो गया है। क्या विरोध मार्च निकालना अपराध है? अगर सरकार हमें गिरफ्तार करना चाहती है तो हम जेल जाने के लिए भी तैयार हैं।' प्रदर्शन से पहले कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा, 'पहले वोट चोरी की चर्चा होती थी, लेकिन अब चुनाव होने से पहले ही सीट चोरी का खेल शुरू हो गया है।' भाजपा के उस दावे पर कि उसे मीनाक्षी नटराजन के संबंध में जानकारी तेलंगाना कांग्रेस से मिली थी, जयवर्धन सिंह ने कहा, 'भाजपा ने पहले वोट चोरी की और अब सीट चोरी की है। बचपन में हमें सिखाया गया था कि चोरों की बातों पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।' कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने को लोकतंत्र के लिए 'काला दिन' बताया। उन्होंने कहा, 'उनके खिलाफ कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं थी। भाजपा 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करती है, लेकिन उसने अपने तीनों राज्यसभा उम्मीदवारों में एक भी महिला को मौका नहीं दिया।

डीके शिवकुमार ने जल शक्ति मंत्री से की मुलाकात लंबित परियोजना को मंजूर करने की मांग की

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर राज्य की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं से जुड़े मेकेदातु परियोजना सहित कई लंबित जल संसाधन परियोजनाओं को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने और सिंचाई सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बाद कर्नाटक देश का दूसरा सबसे बड़ा शुष्क भूमि वाला राज्य है; ऐसे में जल संसाधन परियोजनाएं राज्य की कृषि व्यवस्था को बदलने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मेकेदातु बैलेंसिंग रिजर्वायर परियोजना को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की।

शिवकुमार ने कहा कि इस परियोजना के खिलाफ तमिलनाडु की आपत्तियों और पुनर्विचार याचिका को सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। अब इसकी अनुमति का निर्णय कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) को करना है। मुख्यमंत्री ने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-2 (केडब्ल्यूडीटी- 2) के फैसले को जल्द राजपत्र में प्रकाशित करने की भी मांग की।

जम्मू-कश्मीर के त्राल में कीटनाशक से 20 भेड़ों की मौत, जांच की मांग

श्रीनगर। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के त्राल इलाके में कम से कम 20 भेड़ें संदिग्ध जहरीले हालात में मृत पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के त्राल इलाके के एक चरवाहे की भेड़ें संदिग्ध जहरीले हालात में मर गईं, जिससे मालिक को भारी नुकसान हुआ और चरागाहों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गईं।

ये भेड़ें सीर त्राल के रहने वाले बिलाल अहमद की थीं। बताया जा रहा है कि घटना के समय उन्हें त्राल के केहलील इलाके में ऊंचे पहाड़ी मैदान (घास के मैदान) में ले जाया जा रहा था। चरवाहों का कहना है कि गिरने से कुछ देर पहले ही भेड़ों ने ऐसी घास खाई थी, जिसके बारे में शक है कि वह कीटनाशकों से दूषित थी। बाद में सभी 20 भेड़ों की मौत हो गई, हालांकि मौत की सही वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना से चरवाहों और पशुपालकों में चिंता पैदा हो गई है, जिनमें से कई अपनी आजीविका के लिए मौसमी चरागाह मार्गों पर निर्भर हैं।

यह घटना बडगाम जिले के कावूसा के यारीगुंड इलाके में हुई ऐसी ही एक घटना के दो महीने से भी कम समय में हुई है, जहां 26 अप्रैल को संदिग्ध जहरीले हालात में आठ भेड़ें मर गई थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। ऐसी घटनाओं के बार-बार होने से पशुपालकों ने मांग की है कि उन इलाकों में रसायनों के इस्तेमाल की गहन जांच की जाए जहां जानवर चरने जाते हैं और भविष्य में ऐसे नुकसान को रोकने के उपाय किए जाएं।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि वे मौतों का कारण पता लगाएं और प्रभावित चरवाहे को उचित सहायता प्रदान करें। घाटी में फलों के बागों में फंगीसाइड (फफूंदनाशक) और कीटनाशकों का अत्यधिक इस्तेमाल पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती बन रहा है। कीटनाशकों और फंगीसाइड का छिड़काव किए गए सेबों की सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगे हैं और कुछ लोग यह सोच रहे हैं कि क्या उन्हें खाना सुरक्षित है।

इन रसायनों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल जीवों की खाद्य श्रृंखला में शामिल होने लगा है। अगर इस खतरनाक चलन को रोकने के लिए तुरंत सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए, तो यह एक बड़ी आपदा का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर निकट भविष्य में जैविक खेती और जैविक सेब की खेती शुरू नहीं की गई, तो स्थानीय बागवानी उद्योग खत्म हो जाएगा।

20 साल से रोजाना योगासन कर रहीं जूही चावला, बोलीं- जीवन में आई स्पष्टता और मजबूती

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार कई क्षेत्रों की हस्तियों के प्रेरणादायक वीडियोज शेयर कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने अभिनेत्री जूही चावला का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस वीडियो के माध्यम से जूही चावला अपने जीवन में योग के महत्व और उससे मिले सकारात्मक बदलावों के बारे में खुलकर बात करती नजर आईं। उन्होंने कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें योग की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

आयुष मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर वीडियो को पोस्ट करते हुए बताया, जूही चावला का 20 वर्षों का योग सफर कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मंत्रालय ने लोगों से 'योगा 365' अभियान को अपनाने और योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की है। साथ ही विश्व योग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य, शांति और नियमित योग अभ्यास का संकल्प लेने का भी संदेश दिया।

वहीं, के वीडियो जरिए जूही चावला ने बताया कि जब उन्होंने योग की शुरुआत की थी, तब उन्हें भी अन्य लोगों की तरह कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शुरुआती दिनों में योग क्लासेज के दौरान आसनों का अभ्यास करते समय शरीर में दर्द महसूस होता था और कई बार यह समझना मुश्किल लगता था कि योग क्यों किया जा रहा है। हालांकि, हर सत्र के अंत में होने वाले शवासन के बाद उन्हें एक नई ऊर्जा और ताजगी का अनुभव होता था।

उन्होंने कहा कि योग करने के बाद ऐसा महसूस होता था जैसे दिन की शुरुआत नई ताकत और उत्साह के साथ हो रही हो। यही अनुभव धीरे-धीरे उन्हें योग के प्रति और अधिक समर्पित करता गया। जूही के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आंतरिक मजबूती प्रदान करने का भी माध्यम है। अभिनेत्री ने कहा कि आज के समय में लोगों के जीवन में काम का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और कई तरह की चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे माहौल में मन की शांति, स्पष्ट सोच और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए योग बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने योग को स्वयं के लिए किए जाने वाले सबसे अच्छे कार्यों में से एक बताया।

जूही चावला ने भारतीय ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई इस अमूल्य परंपरा के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की, जिनके प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे हर दिन योग करें और विश्व योग दिवस 2026 (21 जून) से पहले योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

रीढ़ को मजबूत कर मन को शांत करता है सरल धनुरासन, जानें अभ्यास का सही तरीका

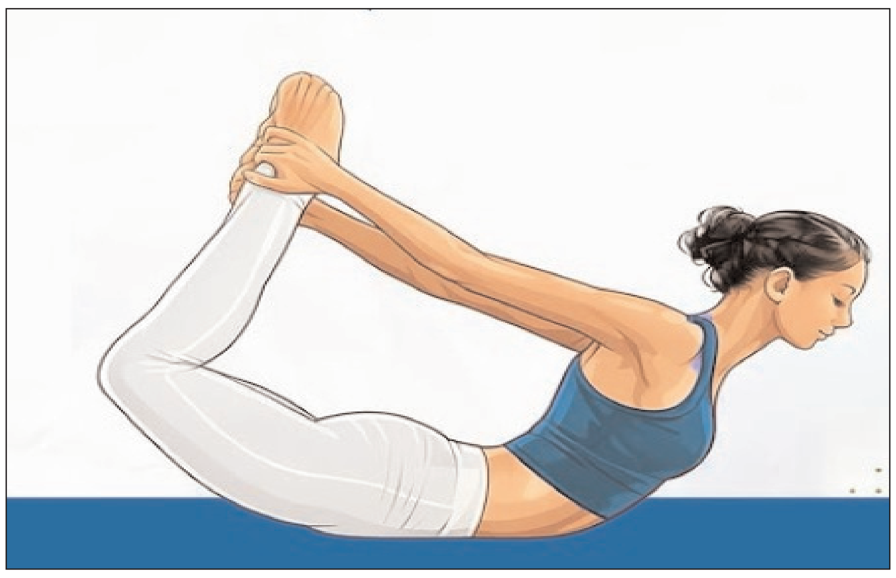

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस अवसर पर योग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार कई योगासनों की जानकारी साझा कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने 'सरल धनुरासन' को एक ऐसा प्रभावी योगासन बताया है, जो शरीर को सक्रिय रखने के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने में मदद करता है।

नियमित अभ्यास से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ महसूस कर सकता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक जीवनशैली में लंबे समय तक बैठकर काम करने की वजह से लोगों को पीठ और रीढ़ से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरल धनुरासन शरीर के पिछले हिस्से को खिंचाव देने का काम करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। यह आसन शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाने के साथ मानसिक तनाव को कम करने में भी मददगार माना जाता है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल समतल स्थान पर लेटना होता है। इसके बाद माथे को जमीन पर रखते हुए दोनों घुटनों को मोड़कर टखनों को हाथों से पकड़ना होता है। फिर गहरी सांस लेते हुए सिर, छाती और घुटनों को धीरे-धीरे ऊपर उठाया जाता है। इस दौरान पैरों को हाथों की सहायता से ऊपर की ओर खींचने पर शरीर धनुष जैसी आकृति बना लेता है। कुछ क्षण तक इस स्थिति में रहने के बाद सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौटना चाहिए और शरीर को आराम देना चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस आसन का अभ्यास करते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। शरीर की क्षमता के अनुसार धीरे-धीरे अभ्यास करना अधिक लाभकारी होता है। यदि किसी व्यक्ति को गंभीर पीठ दर्द, रीढ़ की समस्या या अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो योग प्रशिक्षक की सलाह लेकर ही इसका अभ्यास करना चाहिए।

केरल में निपाह और शिगेला के मामले; हाई अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केरल में जहां एक ओर निपाह वायरस का खतरा पैदा हो गया है, तो वहीं वायनाड में शिगेला बैक्टीरिया का प्रकोप जारी है। शिगेला के नए मामले दूसरे जिलों से सामने आने लगे हैं। इन खतरों से निपटने के लिए अधिकारियों ने पूरे राज्य में निगरानी और बचाव के उपाय तेज कर दिए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने शुक्रवार को कहा कि हालात काबू में हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। केरल में निपाह का एक नया संदिग्ध मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने वहां की स्थिति पर बारीकी से नजर रखना शुरू कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि राज्य में हो रही गतिविधियों पर ध्यान रखा जा रहा है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए हर जरूरी मदद दी गई है। संदिग्ध मरीज़ों और उनके संपर्क में आए लोगों के सैंपल विस्तृत जांच के लिए इमरजेंसी आधार पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे, भेजे गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि संक्रमण की गंभीरता और वायरस के स्रोत के बारे में साफ जानकारी आधिकारिक टेस्ट के नतीजे आने के बाद ही मिल पाएगी। जल्द से जल्द रिपोर्ट आ सके, इसके लिए कोशिश की जा रही है। केंद्र सरकार ने राज्य को निपाह से बचाव के तय प्रोटोकॉल और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय रोकथाम के उपायों की समीक्षा के लिए केरल स्वास्थ्य विभाग के साथ लगातार संपर्क में है और जरूरत पड़ने पर तकनीकी मदद और विशेषज्ञों का सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे घबराएं नहीं और स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइंस का पालन करें। वहीं, बच्चों में शिगेला संक्रमण के मामले सामने आने के बाद वायनाड पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। पुष्टि किए गए मामलों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है और आज और टेस्ट के नतीजे आने की उम्मीद है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कोलियाडी स्कूल के 502 बच्चों ने संक्रमण से जुड़े लक्षण दिखने के बाद इलाज कराया था। 47 लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। संपर्क से संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए तीन पंचायतों और सुल्तान बथेरी नगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने माता-पिता को यह भी सलाह दी है कि जब तक स्थिति में सुधार न हो, वे बच्चों को भीड़-भाड़ वाली जगहों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में न ले जाएं। प्रभावित इलाकों में बचाव दल जमीनी स्तर पर जांच, निगरानी और जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

11 से 15 जून ही नहीं, पूरे महीने दिखेगा आसमान में अद्भुत 'प्लैनेट परेड', जानें क्या है 'एक्लिप्टिक'

नई दिल्ली। जून का महीना इस बार खगोल प्रेमियों के लिए बेहद खास है। ग्रहों की 'प्लैनेट परेड' सिर्फ 11 से 15 जून के बीच ही नहीं बल्कि इस पूरे महीने दिखेगा। जून के महीने में आसमान में कई रोचक खगोलीय घटनाएं देखने को मिलेंगी, जो ज्योतिष शास्त्र के हिसाब से भी खास है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, 11 से 15 जून के बीच सूर्यास्त के बाद आकाश में ग्रहों की सुंदर श्रृंखला दिखाई देगी, जिसमें बुध, शुक्र और बृहस्पति प्रमुख रहेंगे। सबसे खास बात यह है कि 11 से 15 जून के बीच यह दृश्य और भी स्पष्ट होगा, जब बुध भी शुक्र और बृहस्पति के साथ जुड़कर एक छोटी लेकिन आकर्षक कतार बनाएगा। यह दृश्य सूर्यास्त के तुरंत बाद पश्चिमी क्षितिज के पास देखा जा सकेगा। खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारे सौरमंडल के सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर लगभग एक ही काल्पनिक रास्ते पर घूमते हैं, जिसे 'एक्लिप्टिक' कहा जाता है। इसी कारण पृथ्वी से देखने पर ग्रह कभी-कभी आसमान के एक ही हिस्से में एक साथ दिखाई देते हैं, जिससे ऐसा लगता है जैसे वे एक कतार में खड़े हों। इस दौरान शुक्र सबसे चमकीला ग्रह होगा, जिसे आसानी से पहचाना जा सकता है। वह बृहस्पति के पास दिखाई देगा, जिससे यह जोड़ी और भी आकर्षक लगेगी। वहीं, बुध ग्रह क्षितिज के बेहद करीब रहेगा, इसलिए उसे देखने के लिए साफ पश्चिमी आकाश और सही समय का ध्यान रखना जरूरी होगा।

नासा के अनुसार, जून महीने में केवल यह ग्रहों की परेड ही नहीं, बल्कि कई अन्य खगोलीय घटनाएं भी देखने को मिलेंगी। 9 जून के आसपास पहले ही शुक्र और बृहस्पति का बेहद नजदीकी मिलन (कंजंक्शन) दिखा, जिसमें दोनों ग्रह एक-दूसरे के बहुत करीब नजर आए। अब 17 जून को एक दुर्लभ खगोलीय घटना देखने को मिल सकती है, जब चंद्रमा शुक्र के सामने से गुजरता हुआ दिखाई देगा। इसे 'लूनर ऑकल्टेशन' कहा जाता है। इस दौरान कुछ स्थानों से देखने पर ऐसा लगेगा जैसे शुक्र कुछ समय के लिए चंद्रमा के पीछे छिप गया हो। इसके अलावा 21 जून को 'समर सोल्स्टिस' यानी खगोलीय गर्मियों की शुरुआत होगी। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात लेकर आता है। इसी समय से आधिकारिक रूप से गर्मियों का मौसम खगोलीय रूप में शुरू माना जाता है। जून का महीना रात के आकाश को और भी खास बनाता है क्योंकि इस दौरान 'समर ट्रायंगल' भी स्पष्ट दिखाई देने लगता है, जो वेगा, अल्टेयर और डेनेब जैसे चमकीले तारों से मिलकर बनता है। इसके आसपास कई डीप-स्काई ऑब्जेक्ट्स भी देखे जा सकते हैं, जो टेलीस्कोप से देखने पर बेहद आकर्षक लगते हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस पूरे महीने आसमान में ग्रहों, चंद्रमा और तारों का यह संयोजन खगोल प्रेमियों और फोटोग्राफर्स के लिए एक सुनहरा अवसर है। हालांकि, बुध ग्रह को देखने के लिए खास सावधानी और सही दिशा का ध्यान रखना जरूरी होगा क्योंकि वह सूर्य के पास क्षितिज के बेहद नीचे रहेगा। कुल मिलाकर, जून का महीना खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए बेहद रोमांचक रहने वाला है, खास बात है कि जून का महीना खगोल विज्ञान के शौकीनों के साथ-साथ ज्योतिष में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी खास है। 11 से 15 जून के बीच आसमान में दिलचस्प खगोलीय नजारा देखने को मिलेगा, शुक्र, गुरु और बुध ग्रह एक ही दिशा में एक-दूसरे के काफी करीब दिखाई देंगे।

ज्योतिष शास्त्र में इन तीनों ग्रहों को शुभ माना जाता है। गुरु ग्रह अति शुभ और ज्ञान, सौभाग्य के साथ उन्नति का प्रतीक है, शुक्र को प्रेम, भौतिक सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। वहीं, बुध ग्रह बुद्धिमत्ता, संवाद कौशल, शिक्षा और व्यापार से जुड़ा माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन तीनों शुभ ग्रहों का एक साथ दिखाई देना सभी यानी 12 राशियों पर किसी न किसी रूप में प्रभाव डाल सकता है। माना जा रहा है कि कुछ राशियों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है।

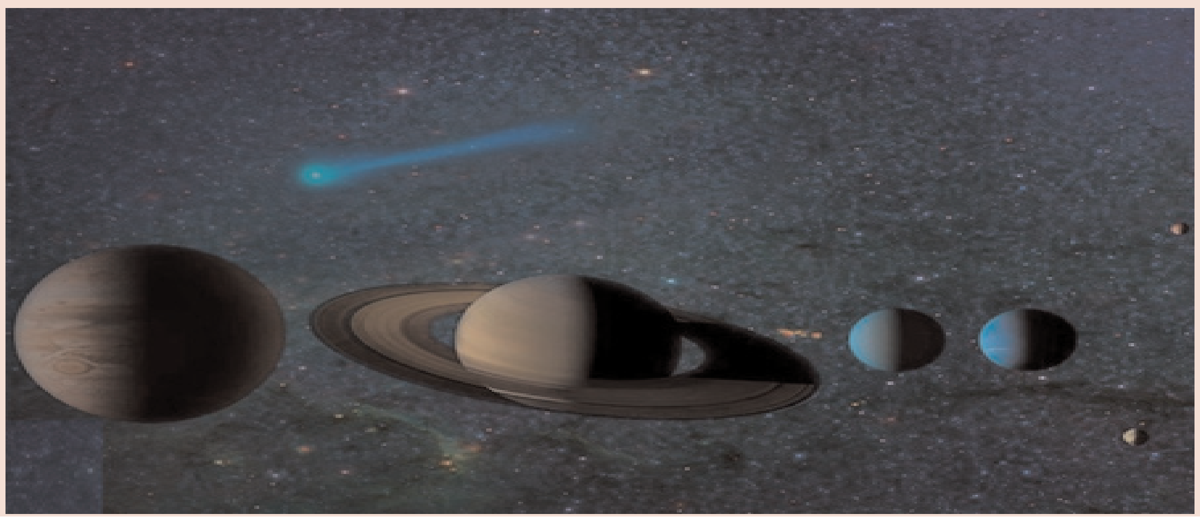

रोहित शर्मा बने फिटर के निवेशक और इक्विटी पार्टनर

नई दिल्ली। फिटनेस और हेल्थ प्लेटफॉर्म फिटर (एफआईटीटीआर) ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा अब कंपनी के निवेशक और इक्विटी पार्टनर बन गए हैं। इससे पहले वह कंपनी के पहले ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े थे। हालांकि, कंपनी ने निवेश की राशि का खुलासा नहीं किया है।

फिटर के अनुसार, यह साझेदारी टिकाऊ स्वास्थ्य आदतों, नियमितता और जागरूक जीवनशैली को बढ़ावा देने के साझा उद्देश्य पर आधारित है, जिसका लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों तक फिटनेस और बीमारी से बचाव से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना है। कंपनी ने बताया कि निवेशक बनने का फैसला करने से पहले रोहित शर्मा ने कई महीनों तक कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जितेंद्र चौकसे तथा नेतृत्व टीम के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कंपनी के कारोबार, भविष्य की विकास योजनाओं और उसके व्यापक उद्देश्य को गहराई से समझा। फिटर के संस्थापक और सीईओ जितेंद्र चौकसे ने कहा कि दुनिया में जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब लोगों को फिर से व्यायाम, संतुलित पोषण और नियमितता जैसी बुनियादी बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'फिटर में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि अच्छी सेहत के लिए कोई शॉर्टकट नहीं होता। रोहित न केवल इस सोच को साझा करते हैं, बल्कि उसे अपनी जिंदगी में भी अपनाते हैं। हमें खुशी है कि हमारी बातचीत अब उन्हें निवेशक और साझेदार के रूप में जोड़ने तक पहुंच गई है।

रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने कंपनी के बिजनेस मॉडल और भविष्य की संभावनाओं का करीब से अध्ययन करने के बाद यह फैसला लिया है उन्होंने कहा, 'मैंने टीम के साथ समय बिताया, कारोबार को समझा और विकास की संभावनाओं को करीब से देखा। कंपनी की बुनियाद मजबूत है, उसका उद्देश्य स्पष्ट है और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करके बड़ा और स्थायी प्रभाव पैदा करने का अवसर मौजूद है। ऐसे में निवेश बढ़ाने का फैसला लेना आसान था।

कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी फिटर की विकास यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगी। कंपनी अपने निवारक स्वास्थ्य तंत्र का विस्तार करने और लोगों को अपने दीर्घकालिक स्वास्थ्य और बेहतर जीवनशैली के प्रति अधिक जागरूक बनाने की दिशा में काम कर रही है।

चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन बढ़ा सकते हैं पेट की परेशानी, बढ़ सकती हैं गैस और एसिडिटी की समस्या

नई दिल्ली। भारत में चाय रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। सुबह की शुरुआत से लेकर शाम की थकान तक, एक कप चाय लोगों को आराम देने का काम करती है। लेकिन अक्सर चाय के साथ लोग ऐसी चीजें खा लेते हैं जो शरीर और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, चाय में मौजूद कैफीन, टैनिन और अन्य सक्रिय तत्व कुछ खाद्य पदार्थों के साथ मिलकर पाचन को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि कुछ कॉम्बिनेशन पेट में गैस, एसिडिटी, पोषक तत्वों के अवशोषण में कमी और दांतों की संवेदनशीलता जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। चाय में मुख्य रूप से कैफीन, टैनिन, पॉलीफेनॉल्स और थोड़ी मात्रा में फ्लोराइड पाया जाता है। कैफीन शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है, लेकिन टैनिन कई बार आयरन और कुछ मिनरल्स के अवशोषण को कम कर देता है। यही कारण है कि चाय के साथ कुछ खाद्य पदार्थों का मेल शरीर के लिए सही नहीं माना जाता।

सबसे पहले बात करते हैं तीखे और मसालेदार खाने की। लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, तीखी चटनी और भारी मसालों में मौजूद तत्व जैसे एलिसिन, कैप्साइसिन और सल्फर कंपाउंड पाचन को तेज कर देते हैं और पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। जब इन्हें चाय के साथ लिया जाता है, जिसमें कैफीन पहले से ही गैस्ट्रिक एसिड को प्रभावित करता है, तो यह कॉम्बिनेशन पेट में जलन, एसिडिटी और भारीपन बढ़ा सकता है।

नींबू और चाय का संयोजन भी हर व्यक्ति के लिए सही नहीं माना जाता। नींबू में साइट्रिक एसिड और विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जबकि चाय में टैनिन होता है। जब दोनों एक साथ या तुरंत बाद लिए जाते हैं, तो कुछ लोगों में पेट का पीएच स्तर असंतुलित हो सकता है। इससे एसिडिटी, पेट फूलना या हल्की गैस की समस्या हो सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो, चाय और नींबू के सेवन के बीच कम से कम 20-30 मिनट का अंतर रखा जाए।

चॉकलेट और चाय का कॉम्बिनेशन भी पाचन और स्वाद दोनों के लिए संतुलित नहीं माना जाता। चॉकलेट में थियोब्रोमाइन, कैफीन, फैट और शुगर होती है। ये सभी तत्व चाय के साथ मिलकर कैलोरी लोड बढ़ा सकते हैं और कुछ लोगों में पाचन धीमा कर सकते हैं। खासकर दूध वाली चाय के साथ चॉकलेट खाने से पेट में भारीपन महसूस हो सकता है। हालांकि ब्लैक टी के साथ डार्क चॉकलेट कभी-कभी बेहतर मेल माना जाता है, लेकिन यह भी सीमित मात्रा में ही उपयुक्त है।

विश्व कप खेलने की उम्मीद एक साल पहले नहीं थी, दक्षिण अफ्रीका की कायला रेनेके ने लगातार मेहनत को सफलता मंत्र बताया

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का आगाज शुक्रवार से हो रहा है। पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन कर रही दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में प्रबल दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका की युवा बल्लेबाजी ऑलराउंडर कायला रेनेके ने कहा है कि विश्व कप में एक शानदार प्रदर्शन किसी खिलाड़ी की पूरी जिंदगी बदल सकता है।

कायला रेनेके ने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने करियर, संघर्ष, सफलता, टीम के माहौल और भविष्य के सपनों को लेकर खुलकर बात की।

रेनेके ने कहा, 'कुछ महीनों के भीतर उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अगर एक साल पहले किसी ने उनसे कहा होता कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलेंगी और विश्व कप जैसे बड़े मंच का हिस्सा बनेंगी, तो शायद वह इस पर यकीन नहीं करतीं। क्रिकेट में मौके तेजी से आते हैं और उतनी ही तेजी से परिस्थितियां बदल भी जाती हैं। इसलिए वह हर पल का आनंद लेने और इस सफर को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हैं।

20 साल की रेनेके ने राष्ट्रीय टीम में अपने चयन पर कहा, 'राष्ट्रीय टीम में चयन का क्षण उनके लिए बेहद खास रहा। एक दिन अनजान नंबर से फोन आया। मैं उस समय नींद से उठी थीं और पूरी तरह तैयार भी नहीं थीं। फोन पर टीम के कोच थे, जिन्होंने बताया कि वह पाकिस्तान सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में चुनी गई हैं। यह खबर सुनकर मैं बेहद उत्साहित हुई। इससे पहले मैं घरेलू क्रिकेट और हाई-परफॉर्मेंस कैंप पर ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन एक फोन कॉल ने मेरे करियर की दिशा ही बदल दी। अपने खेल के बारे में बात करते हुए रेनेके ने कहा कि लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि दबाव के क्षणों में वह बड़े शॉट कैसे लगाती हैं, खासकर आखिरी गेंद पर छक्का लगाने जैसी स्थितियों में उनका आत्मविश्वास कहां से आता है। इसके जवाब में, मैं कहती हूं कि इसमें कोई जादुई रहस्य नहीं है। अभ्यास के दौरान मैं खुद को लगातार दबाव वाली परिस्थितियों में रखती हूं। यदि किसी मैच में आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत पड़ सकती है, तो मैं नेट्स में भी उसी तरह की स्थिति बनाकर अभ्यास करती हूं। यही तैयारी मैच के दौरान मुझे शांत रखती है और आत्मविश्वासी बनाए रखती है। रेनेके ने कहा, 'क्रिकेट में मानसिक मजबूती बेहद महत्वपूर्ण होती है। जब स्टेडियम में शोर हो और पूरा दबाव आप पर हो, तब खिलाड़ी को सिर्फ गेंद पर ध्यान देना चाहिए। यदि किसी बल्लेबाज को आखिरी गेंद पर छक्का लगाना है, तो उसे सिर्फ गेंद पर फोकस करना चाहिए, न कि परिणाम पर। यही सोच मुझे कठिन परिस्थितियों में सफल बनाती है।

उन्होंने कहा, 'क्रिकेट उतार-चढ़ाव का खेल है। एक दिन खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है और अगले दिन संघर्ष करना पड़ सकता है। इसलिए सफलता या असफलता में ज्यादा खोने की बजाय वर्तमान में रहना जरूरी है। लगातार मेहनत करते रहना ही क्रिकेट में आगे बढ़ने का सबसे बड़ा मंत्र है।'

रेनेके ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम के साथ समय बिताना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जिन खिलाड़ियों को बचपन से टीवी पर देखती आई हूं, उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रही हूं। इन वरिष्ठ खिलाड़ियों से काफी प्रेरणा मिलती है। टीम का माहौल बेहद सकारात्मक है और हर खिलाड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहता है। जब कोई साथी खिलाड़ी अतिरिक्त मेहनत करता दिखाई देता है, तो बाकी खिलाड़ी भी खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित होते हैं।

युवा खिलाड़ी ने कहा, 'टीम के बाहर भी उनका अनुभव शानदार रहा है। साथियों के साथ कॉफी पीना, दौड़ने जाना और समय बिताना बहुत पसंद है। इससे टीम के भीतर आपसी समझ और दोस्ती मजबूत होती है, जो मैदान पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। अपने शुरुआती दिनों का जिक्र करते हुए रेनेके ने कहा, 'खेल करियर की शुरुआत काफी दिलचस्प रही। स्कूल के दिनों में, मैं सिर्फ क्रिकेट ही नहीं बल्कि हॉकी और जैवलिन थ्रो में भी सक्रिय थी।

इस फॉर्मेट में आप सफल होने से ज्यादा फेल होते हैं', टी20 क्रिकेट में आए बदलाव पर खुलकर बोले डेल स्टेन

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि टी20 फॉर्मेट में आप सफल होने से ज्यादा फेल होते हैं। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले अब क्रिकेट काफी बदल चुका है। स्टेन के अनुसार, अब बल्लेबाज को पहले के मुकाबले खराब शॉट खेलकर आउट होने पर खरी-खोटी नहीं सुननी पड़ती है।

स्टेन ने 'आईएएनएस' के साथ बातचीत करते हुए पहले और अब के समय में क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर बात की। विराट कोहली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके दौर में बल्लेबाज या गेंदबाज हर साल अपने खेल को बेहतर करने का प्रयास करते थे। हालांकि, अब टी20 क्रिकेट के लगातार विकसित होने के बाद खिलाड़ी, टीम मैनेजमेंट या कोच इस बात को समझते हैं कि इस फॉर्मेट में खिलाड़ी सफल होने से ज्यादा फेल होता है।

स्टेन ने कहा कि टी20 क्रिकेट में कुछ सीजन आपके लिए अच्छे नहीं रहेंगे, लेकिन कुछ सीजन ऐसे आएंगे जब आप बहुत बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने गेंदबाजों के बढ़ते इकोनॉमी रेट पर बात करते हुए कहा कि पहले के समय में कमेंट्री बॉक्स में बैठे कमेंटेटर्स या कोच गेंदबाजों को इस बात पर जज करते थे और इकोनॉमी को कम करने की बात कहते थे। हालांकि, स्टेन ने कहा कि अब कोच और कमेंटेटर्स इस बात को अच्छे से जानते हैं कि इस फॉर्मेट में विकेट लेना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि अब बल्लेबाज को यह डर नहीं है कि अगर वह खराब शॉट खेलेंगे, तो उन्हें टीवी पर कमेंटेटर्स या फिर कोच द्वारा फटकार लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले अगर कोई बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर आउट हो जाता था, तो उसकी चर्चा एक हफ्ते तक होती थी। हालांकि, अब ऐसा नहीं होता है। स्टेन ने कहा कि अब हम इस बात को समझ पा रहे हैं कि गेम इसी तरह से विकसित हो रहा है।

स्टेन ने कहा कि कमेंटेटर्स, कोच, क्रिकेट विशेषज्ञ और खिलाड़ियों के बीच बने तालमेल और रिश्ते के कारण बल्लेबाज या फिर गेंदबाज अपने हिसाब से बिना डरे क्रिकेट खेल पाते हैं। स्टेन ने कहा कि इसी कारण अब वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी क्रीज पर आते ही पहली गेंद पर छक्का लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले के समय में सनत जयसूर्या, वीरेंद्र सहवाग या फिर कुछ चुनिंदा बल्लेबाज ही ऐसे थे, जो यह काम करते थे। उन्होंने कहा कि अब गेंदबाजों को इकोनॉमी से ज्यादा विकेट लेने पर ध्यान देने के लिए कहा जाता है।

फीफा वर्ल्ड कप: जीत के साथ दक्षिण कोरिया का आगाज, रोमांचक मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ कोरिया ने जीत के साथ की है। रोमांच के भरपूर मुकाबले में टीम ने चेकिया को 2-1 से हराया। साउथ कोरिया ने मैच के दूसरे हाफ में 1-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

मैच के आगाज के साथ ही साउथ कोरिया और चेकिया की टीम को शुरुआत में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इस भुनाने में नाकाम रहीं। मैच के 9वें मिनट में साउथ कोरिया के पास मिली फ्री किक से बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन चेकिया के डिफेंस ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। 11वें मिनट में साउथ कोरिया की टीम कॉर्नर का भी फायदा उठाने में नाकाम रही। पहले हाफ में कोरिया ने चेकिया के डिफेंस पर दबाव तो खूब डाला, लेकिन उनके डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। चेकिया को पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत से ही चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और टीम को मैच के 59वें मिनट में सफलता हाथ लगी। लाडिसलाव क्रेजकी ने बेहतरीन हेडर के जरिए शानदार गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 0-1 से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने मैच में शानदार वापसी की। 67वें मिनट में हांग इन बियोम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ओह हियोन ग्यू ने साउथ कोरिया को मुकाबले में लीड दिला दी। मैच में 2-1 की बढ़त बनाने के बाद साउथ कोरिया ने चेकिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए गोल करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन साउथ कोरिया के डिफेंस को नहीं भेद सका। अंत में साउथ कोरिया 2-1 से जीत दर्ज करते हुए फीफा विश्व कप 2026 का आगाज जीत के साथ करने में सफल रही।

केन विलियमसन रिटायर, न्यूजीलैंड क्रिकेट में एक युग का अंत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को तत्काल प्रभाव से अलविदा कह दिया है। केन विलियमसन के नाम न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड है। संन्यास के साथ ही विलियमसन के 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। विलियमसन ने अपना आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेला जिसमें न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में विलियमसन ने कहा, 'मैंने इस बारे में कुछ समय से सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह साफ हो गया है कि अब सही समय है। मैंने हमेशा इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए एक मजबूत इच्छा और भूख महसूस की है। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने न्यूजीलैंड के लिए खेले गए हर मैच में अपना सब कुछ दिया है। इससे कम कुछ भी जारी रखना सही नहीं होगा और मैं अपनी शर्तों पर पीछे हटने के लिए खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं। विलियमसन ने कहा, 'मैं इस बात को लेकर सकारात्मक महसूस कर रहा हूं कि यह ग्रुप कहां जा रहा है। इसमें बहुत सारा टैलेंट है और इस न्यूजीलैंड टीम के साथ कुछ खास करने की सच्ची इच्छा है। यह एक ऐसी टीम है जिसे मैं प्यार करता हूं, और मैं इतने लंबे समय तक इसका हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब रहेगी। 35 साल के विलियमसन ने 2010 में टेस्ट और वनडे में और 2011 में टी20 में डेब्यू किया था। तीनों फॉर्मेट मिलाकर विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने और सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

शाई होप की कप्तानी पारी, वेस्टइंडीज ने पहले टी20 में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

जमैका। वेस्टइंडीज ने पहले टी20 इंटनरेशनल मुकाबले में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। किंगस्टन के सबीना पार्क में श्रीलंका से मिले 148 रनों के लक्ष्य को कैरेबियाई टीम ने 19.2 ओवर में आसानी से सिर्फ 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान होप ने ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 6.2 ओवर में 67 रन जोड़े। किंग ने 22 गेंदों का सामना करते हुए 37 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे शिमरोन हेटमायर ने आगाज तो शानदार अंदाज में किया, लेकिन वह 9 गेंदों में 17 रन बनाने के बाद वानिंदु हसरंगा का शिकार बने।

होप ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 65 रनों की कप्तानी पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। होप ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। रोस्टन चेज ने 26 गेंदों में 16 रन बनाए, तो रोवमैन पॉवेल 6 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में श्रीलंका की ओर से सर्वाधिक 2 विकेट वानिंदु हसरंगा ने चटकाए।

इससे पहले, श्रीलंका ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 147 रन लगाए। श्रीलंका टीम को पथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। निसांका 18 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मेंडिस ने 23 गेंदों का सामना करते हुए 36 रन बनाए। लसिथ क्रुस्पुल्ले को जेसन होल्डर ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा, जबकि पवन रत्नायके ने 4 रन बनाए। एक छोर से लगातार विकेट गिरने के बावजूद कामिंदु मेंडिस एक एंड पर खड़े रहे और उन्होंने 39 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 51 रनों की बेशकीमती पारी खेली। वहीं, दासुन शनाका ने 22 रनों का योगदान दिया।

गेंदबाजी में वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर और शेमार जोसेफ ने दमदार प्रदर्शन किया। होल्डर ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 3 विकेट चटकाए, तो जोसेफ ने 29 रन देकर अफगानिस्तान के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। वहीं, रोस्टन चेज ने एक विकेट चटकाया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

नहीं रहे शूटिंग के द्रोणाचार्य जसपाल राणा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी के दिग्गज और प्रतिष्ठित कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित प्रतियोगिता से लौटने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खिलाड़ी और कोच, दोनों भूमिकाओं में उन्होंने भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे जसपाल राणा को बचपन से ही निशानेबाजी में रुचि थी। जसपाल के पिता सेना के खुद पूर्व अधिकारी थे। ऐसे में पिता नारायण राणा ही उनके पहले कोच बने। 12 साल की उम्र में नेशनल लेवल पर जसपाल ने अपनी काबिलियत का परिचय दिया। 1988 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में जसपाल ने सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद 1994 में जूनियर वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा और इटली में हुई इस चैंपियनशिप ने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का काम किया।

जसपाल राणा ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, वह ओलंपिक में पदक जीतने में सफल नहीं हो सके, लेकिन कॉमनवेल्थ खेलों में उनका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने चार कॉमनवेल्थ खेलों में हिस्सा लेते हुए कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण पदक शामिल हैं। 2002 के मैनचेस्टर कॉमनवेल्थ खेलों में उन्होंने छह पदक अपने नाम किए। 2006 के दोहा एशियाई खेलों में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में 590 अंक हासिल कर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोच के रूप में भी अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने अनेक युवा निशानेबाजों को प्रशिक्षित किया और भारतीय शूटिंग को नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए। उनकी देखरेख में मनु भाकर ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बनीं। अनुशासन और तकनीकी दक्षता के लिए प्रसिद्ध जसपाल राणा ने कई विश्व स्तर के शूटर तैयार किए। जसपाल राणा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 1994 में अर्जुन पुरस्कार, 1997 में पद्मश्री और कोचिंग में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने ऐसे समय में भारत में निशानेबाजी को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई, जब यह खेल सीमित दायरे तक ही सिमटा हुआ था।

भारतीय निशानेबाजी में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा और उनका निधन खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। जसपाल के जाने के बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि शूटिंग के खेल में एक युग का अंत हो गया है।

महिला टी20 विश्व कप: इंग्लैंड की ये 5 खिलाड़ी बन सकती हैं श्रीलंका के लिए सिरदर्द

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 का पहला मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को खेला जाना है। इस मुकाबले की मेजबानी बर्मिंघम का एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम करेगा। आइए आपको उन पांच इंग्लिश खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो टूर्नामेंट के ओपनिंग मुकाबले में श्रीलंका के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती हैं।

नैट साइवर ब्रंट: इंग्लैंड की कप्तान साइवर ब्रंट श्रीलंका के लिए इस मुकाबले में बड़ा खतरा साबित हो सकती हैं। ब्रंट अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान देने के लिए जानी जाती हैं। इंग्लिश कप्तान के पास 137 मुकाबलों का अनुभव मौजूद है। वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 2,960 रन बनाने के साथ-साथ 90 विकेट भी अपने नाम कर चुकी हैं।

सोफी एक्लेस्टोन: इंग्लिश टीम की स्पिन गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन महिला टी20 विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हो सकती हैं। एक्लेस्टोन की हालिया फॉर्म अच्छी है। वह खासतौर पर बीच के ओवरों में विकेट निकालने और रनों पर अंकुश लगाने में माहिर मानी जाती हैं। एक्लेटोन को अगर पिच से थोड़ी बहुत मदद भी मिली, तो उनकी घूमती गेंदें बल्लेबाजों को खासा तंग कर सकती हैं।

एलिस कैप्सी: 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने बेहद कम समय में विश्व क्रिकेट में खूब नाम कमाया है। कैप्सी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। 47 टी20 पारियों में वह 956 रन बना चुकी हैं। बल्ले के साथ-साथ वह गेंद से भी अहम योगदान दे सकती हैं। कैप्सी से खासतौर पर श्रीलंका की गेंदबाजों को बचकर रहना होगा। लॉरेन बेल: 41 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों के करियर में 60 विकेट निकाल चुकीं लॉरेन बेल शुरुआती ओवरों में श्रीलंका की बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। रफ्तार के साथ-साथ बेहतरीन लाइन एंड लेंथ की वजह से बेल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बेहद खतरनाक गेंदबाज मानी जाती हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415